दैनिक
सिटी दर्पण
आईना सच का

आज का विचार
इस सृष्टि में कोई भी ऐसी कोई संपत्ति नहीं है जो कि आपकी मन की शांति से बड़ी हो।

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ । वीरवार, 16 अक्तूबर, 2025 | वर्ष 23, अंक 264, मूल्य: 3 रुपए, | पृष्ठ 8 | RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 | www.citydarpan.com

मोदी का बिहार भाजपा कार्यकताओं से आह्वान, जब हर बूथ मजबूत होगा, तभी सुशासन की सरकार फिर से बनेगी

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

प्रधानमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को नमो ऐप के माध्यम से बिहार के भाजपा बूथ कार्यकताओं से संवाद करते हुए उन्हें राज्य में पूर्ववर्ती ह्यजंगलराजह्ल की भयावह स्थिति की याद दिलाई और कहा कि युवाओं को यह बताना जरूरी है कि बिहार किस अंधेरे दौर से निकलकर आज विकास के पथ पर बढ़ा है। उन्होंने कार्यकताओं से कहा कि वे अपने-अपने बूथों पर जाकर हर परिवार को केंद्र की योजनाओं के लाभों के बारे में जागरूक करें और उपलब्ध वीडियो व आंकड़ों को साझा करें। मोदी ने कहा कि जब हर बूथ मजबूत होगा, तभी सुशासन की सरकार फिर से बनेगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को ह्यमेरा बूथ, सबसे मजबूतह्ल कार्यक्रम के तहत नमो ऐप के माध्यम से बिहार के भाजपा कार्यकताओं से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने कार्यकताओं से अपील की कि वे घर-घर जाकर यह बताएं कि केंद्र सरकार की योजनाओं ने किस तरह से आम लोगों का जीवन आसान बनाया है। साथ ही, उन्होंने उन्हें यह भी याद दिलाया कि बिहार ने जंगलराज और नक्सलवाद के भय से कैसे मुक्ति पाई है और उस व्यवस्था को फिर लौटने नहीं देना है।

प्रधानमंत्री ने कहा, आज बिहार के हर घर से एक ही आवाज सुनाई दे रही है—ह्यएकजुट एनडीए, एकजुट बिहार, फिर से बनेगी सुशासन की सरकारह्ल। यह बिहार की जनता के वोट की ताकत है जिसने राज्य को राजद और कांग्रेस की बुरी नजर से बचाया है, और यह फिर से होगा।

उन्होंने कहा कि आज बिहार में बेहतर माहौल बना है और इसका सबसे बड़ा लाभ युवाओं को मिल रहा है। मोदी ने कहा, जो 18-25 साल के नौजवान हैं, उन्होंने वो दौर नहीं देखा जब शाम 7 बजे के बाद लोग घरों से निकलने से डरते थे, रेल की पटरियां उड़ाई जाती थीं और गर्भवती महिलाओं को अस्पताल ले जाना भी मुश्किल था। उन्होंने कार्यकताओं से आग्रह किया कि वे युवाओं को ह्यजंगलराजह्ल के उस दौर की वास्तविकता से अवगत कराएं ताकि उन्हें आज के सुशासन की कीमत समझ में आए। प्रधानमंत्री ने गयाजी के भाजपा कार्यकर्ता ओम प्रकाश कुमार से बातचीत के दौरान बिहार की बेहतर हुई कानून-व्यवस्था का विशेष रूप से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि आज बिहार में ऐसा शांतिपूर्ण वातावरण है कि चुनाव कवरेज के लिए दिल्ली से आने वाले पत्रकार भी रात में निःसंकोच रिपोर्टिंग कर सकते हैं जबकि पहले ऐसा सोचना भी मुश्किल था।

मोदी ने कहा कि भाजपा की सफलता का आधार बूथ स्तर की ताकत है। उन्होंने कहा, मेरा बूथ, सबसे मजबूत- यह केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि हमारी जमीनी सफलता की सबसे मजबूत कड़ी है। बूंद-बूंद से घड़ा भरता है, वैसे ही जब हर बूथ मजबूत होता है तभी पार्टी विजयी होती है। प्रधानमंत्री ने भाजपा कार्यकताओं से अपील की कि वे केंद्र की योजनाओं के लाभों का प्रसार करें। उन्होंने कहा, अपने फोन में डेटा रखें, हर परिवार को बताएं कि कैसे जन-धन योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना और जीएसटी सुधारों ने लोगों के जीवन को बदला है।

मोदी ने महिला मतदाताओं की भूमिका पर विशेष जोर देते हुए कहा कि बिहार की बहनें और बेटियां लोकतंत्र की सच्ची शक्ति हैं। उन्होंने 23 अक्टूबर को भाई दूज के अवसर पर हर बूथ पर बहनों के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित करने का सुझाव दिया। प्रधानमंत्री ने कहा, बहनों-माताओं को लोकतंत्र के पर्व को मनाने के लिए समूह में मतदान करने जाना चाहिए- गीत गाते हुए, थाली बजाते हुए, लोकतंत्र का उत्सव मनाइए।

प्रधानमंत्री ने बिहार की एनडीए सरकार द्वारा हाल ही में शुरू की गई महिला रोजगार योजना की भी सराहना की और कहा कि इससे बिहार की एक करोड़ 20 लाख बहनों को 10-10 हजार रुपये की सहायता राशि दी जा चुकी है। पूर्णिया की भाजपा कार्यकर्ता मेघा देवी से बातचीत में प्रधानमंत्री ने उन्हें जीविका योजना और अन्य सरकारी पहलों के बारे में अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि दिवाली के मौके पर जीएसटी 2.0 के लाभों के बारे में महिलाओं को बताना चाहिए ताकि उन्हें यह समझ में आए कि सरकार ने उनकी आवश्यक वस्तुएं सस्ती करने के लिए क्या कदम उठाए हैं।

नक्सलवाद के विषय पर प्रधानमंत्री ने कहा कि आज बिहार की स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। उन्होंने कहा, हमें ध्यान रखना होगा कि ऐसे लोग फिर सत्ता में न आएं जो राज्य को हिंसा और अराजकता में झोंक दें। आज हम नक्सलवाद को जड़ से समाप्त करने की स्थिति में पहुंच गए हैं। केंद्र और राज्य सरकारों की तुलना करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 2004 से 2014 तक कांग्रेस और आरजेडी की सरकार ने बिहार को सिर्फ दो लाख करोड़ रुपये दिए। लेकिन 2014 से 2024 के बीच, हमारी सरकार ने बिहार के लिए 9 लाख करोड़ रुपये दिए हैं। यह फर्क सुशासन और संकल्प का है।

प्रधानमंत्री ने दरभंगा की भाजपा महिला कार्यकर्ता रेखा देवी से बातचीत में कहा, मुझे ह्यसरह्ल मत कहिए, मैं आपका भाई हूं। मैं भी आप लोगों की तरह एक बूथ कार्यकर्ता रहा हूं और जानता हूं कि चुनाव जीतने की असली ताकत बूथ में होती है। हमें चुनाव जीतना है तो बूथ जीतना ही होगा।

उन्होंने कहा कि इस बार बिहार में डबल दिवाली आने वाली है- एक 20 अक्टूबर को, और दूसरी 14 नवंबर को एनडीए की विजय की दिवाली के रूप में। उन्होंने कहा कि यह विजय बिहार की जनता के विश्वास और कार्यकताओं के परिश्रम की दिवाली होगी।

दुनिया भर की नामी कंपनियां पंजाब में निवेश के लिए कतारबद्ध: भगवंत मान

सीएम ने पंजाब को निवेश के लिए सर्वश्रेष्ठ गंतव्य के रूप में प्रस्तुत किया

संवाददाता
बेंगलुरु/चंडीगढ़

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने बुधवार को यहां प्रमुख उद्योगपतियों के साथ बैठकें करते हुए राज्य को दुनिया के सबसे बेहतरीन निवेश स्थलों में से एक बताया। उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने पंजाब को अपार संभावनाओं की भूमि बताते हुए नामी कंपनियों को राज्य में निवेश करने का निमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि देश के तेजी से उभरते औद्योगिक केंद्र के रूप में पंजाब में निवेश करके उद्यमियों को बड़े स्तर पर लाभ होगा। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब में आपसी भाईचारे, शांति और सद्भावना का माहौल है, जो राज्य के सर्वांगीण विकास और खुशहाली की मजबूत नींव है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिजली आर्थिक विकास का इंजन है और पंजाब सरकार इसे भलीभांति समझते हुए आवासीय, व्यावसायिक और कृषि–सभी क्षेत्रों को निर्बाध बिजली उपलब्ध करा रही है। उन्होंने कंपनियों के प्रतिनिधियों से आान किया कि वे अपने कारोबार के विस्तार के लिए राज्य के मजबूत बुनियादी ढांचे, निर्बाध बिजली, कुशल मानव संसाधन और अनुकूल औद्योगिक वातावरण का अधिकतम लाभ उठाएं। उद्योगपतियों का स्वागत करते हुए स भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार औद्योगिक विकास को प्रोत्साहन देने के लिए नए विचारों और अनुसंधान को अपनाने और सुनने के लिए सदैव तत्पर है। मुख्यमंत्री ने उद्योगपतियों को प्रगतिशील पंजाब निवेशक सम्मेलन के छठे संस्करण के लिए आमंत्रित किया और बताया कि यह सम्मेलन 13, 14 और 15 मार्च 2026 को मोहाली (पंजाब) में आयोजित होगा। इस दौरान उद्योगपति, नीति-निमार्ता और शोधकर्ता पंजाब के औद्योगिक क्षेत्र को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए अपने विचार साझा करेंगे। उन्होंने कहा कि उद्योग जगत की विशेषज्ञता और दूरदर्शिता पंजाब के भविष्य को आकार देने में अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह सम्मेलन पंजाब की क्षमता को प्रदर्शित करने, सहयोग के अवसरों को तलाशने और नेटवर्किंग के लिए आदर्श मंच प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि एकजुट होकर हम पंजाब में टिकाऊ और वैश्विक प्रतिस्पर्धा वाला औद्योगिक वातावरण तैयार कर सकते हैं, जिसके लिए आपसी साझेदारी, विश्वास और प्रतिबद्धता अत्यंत आवश्यक हैं। यहां उद्योग जगत के नेताओं से मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब की धरती को उसकी मेहनतकश और उद्यमी भावना तथा अमीर विरासत के लिए सदैव जाना जाता रहा है। पंजाब को भारत के अन्न भंडार होने का गौरव प्राप्त है, जो देश के खाद्य उत्पादन में सबसे बड़ा योगदान देता है। उन्होंने बताया कि पिछले तीन वर्षों में पंजाब के औद्योगिक क्षेत्र में उल्लेखनीय बदलाव और प्रगति देखने को मिली है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि आज पंजाब एक औद्योगिक केंद्र के रूप में उभर चुका है, जो फूड प्रोसेसिंग, वस्त्र, ऑटो पार्ट्स, हैंड टूल्स, साइकिल, आईटी, पर्यटन और अन्य क्षेत्रों में अग्रणी बनकर सामने आया है।

पंजाब ने औद्योगिक प्रगति में वैश्विक पहचान बनाई: मान

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब की औद्योगिक प्रगति ने वास्तव में वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनाई है, क्योंकि दुनिया भर के निवेशकों ने पंजाब की क्षमता को पहचाना है। उन्होंने बताया कि मार्च 2022 से अब तक पंजाब को 1.23 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिससे 4.7 लाख से अधिक रोजगार सृजित होने की संभावना है। इस उपलब्धि ने पंजाब को औद्योगिक विकास और नवाचार के क्षेत्र में एक उभरते केंद्र के रूप में स्थापित किया है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह गर्व और संतोष की बात है कि पंजाब आज नेस्ले, क्लास, फ्रायडनबर्ग, कारगिल, वरबियो, डैनोन जैसी कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों का घर बन चुका है, जो यहां अपने संचालन के माध्यम से राज्य की आर्थिक प्रगति में बड़ा योगदान दे रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन अंतरराष्ट्रीय कंपनियों ने व्यवसाय के लिए पंजाब की अपार क्षमता और राज्य सरकार द्वारा प्रदान किए गए अनुकूल माहौल पर अपनी मुहर लगाई है।

यूपी में जिसने भी बहन-बेटी को छेड़ा, यमराज के हाथों उसका टिकट कटना तय: योगी आदित्यनाथ

एजेंसी (हि.स.)
लखनऊ

मुख्यमंत्री ने राज्य के 1.86 करोड़ परिवारों के लिए मुफ्त सिलेंडर सब्सिडी जारी की

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह हमारी वचनबद्धता है कि राज्य में हर बेटी, राहगीर और व्यापारी को सुरक्षा देंगे। हर नौजवान के हाथ को काम देंगे। हर गरीब को उसका हक देंगे। हर वंचित और दलित के साथ सरकार खड़ी होगी। यूपी में जिसने भीबहन-बेटी को छेड़ा, यमराज के हाथों उसका टिकट कटना तय है। यह केवल उत्तर प्रदेश कर सकता है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को यहां लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे धे। इस मौके पर मुख्यमंत्री नेदीपावली के अवसर पर प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत राज्य के 1.86 करोड़ पात्र परिवारों के लिए 1500 करोड़ धनराशि की गैस सिलेंडर रिफिल सब्सिडी जारी की। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 के पहले कनेक्शन वालों को रसोई गैस नहीं मिल पाती थी। जो कनेक्शन चाहते थे, उन्हें कनेक्शन ही नहीं मिल पाता था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की सरकार ने 11 करोड़ रसोई गैस कनेक्शन मुफ्त में उपलब्ध कराए।

मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर भी हमला बोला। मुख्यमंत्री ने त्योहारों पर खलल डालने वालों को भी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि दंगाइयों के सामने सरकार अब नहीं झुकेगी। उन्होंने कहा कि जिसे यमराज से टिकट कटवाना हो, वह बहन बेटी को छेड़ कर दिखाए। यह केवल उत्तर प्रदेश कर सकता है। यह हमारी बचनबद्धता भी है कि हर बेटी, राहगी, व्यापारी को सुरक्षा देंगे। हर नौजवान के हाथ को काम देंगे। हर गरीब को उसका हक देंगे। हर वंचित और दलित के साथ सरकार खड़ी होगी।

उसके साथ कोई अन्याय नहीं होने देंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि त्योहारों में खलल डालने वालों के खिलाफ पुलिस कठोर कार्रवाई करेगी। ऐसे लोगों को जेल की सलाखें उसका इंतजार कर रही होंगी। वह कोई भी हो, उसे जेल में ठूसने में देर नहीं लेगी।

इस मौके पर वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, महापौर सुषमा खर्कवाल समेत अन्य महत्वपूर्ण जन उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम के साथ ही सभी 75 जिलों में भी कार्यक्रम आयोजित किये गये। जिलों के आला अधिकारी और जनप्रतिनिध उन कार्यक्रमों में शामिल हुए हैं।

उल्लेखनीय है कि उप्र की भाजपा नीत योगी सरकार ने प्रदेश की जनता से दीपावली और होली के अवसर पर मुफ्त सिलेंडर देने की घोषणा की थी। उसी के तहत सरकार यह धनराशि धनराशि दे रही है।

'सबमें मैं हूं और सब मुझमें हैं', इसी दृष्टिकोण से सामाजिक हिंसा रुकेगी : भागवत

एजेंसी (हि.स.)
गांधीनगर

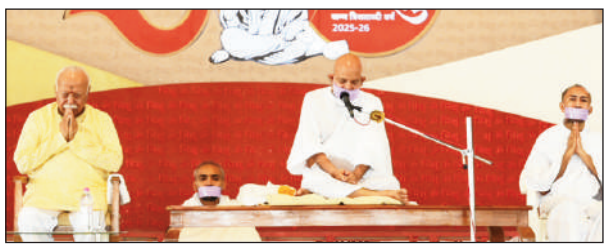

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत ने बुधवार को गांधीनगर के कोबा स्थित प्रेक्षा विश्व भारती ध्यान केंद्र में आचार्य महाश्रमणजी से मुलाकात की। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मैं हर साल अपनी बैटरी चार्ज करने यहां आता हूं। डॉ भागवत ने कहा कि व्यक्तिगत चरित्र और राष्ट्रीय चरित्र का आधार नैतिकता है और नैतिकता का आधार आध्यात्मिकता है, क्योंकि आध्यात्मिकता के बिना नैतिकता का कोई अर्थ नहीं है। इसी वजह से मैं ऐसे स्थानों पर जाता हूं जहां से मुझे अपने काम के लिए आवश्यक ऊर्जा मिलती है। आचार्य महाश्रमणजी की अहिंसा की शिक्षाओं का उल्लेख करते हुए मोहन भागवत ने कहा कि यदि ऐसा दृष्टिकोण हो, सबमें मैं हूं और सब मुझमें हैं, तो सामाजिक हिंसा रुक जाएगी। अब जबकि संघ के 100 वर्ष पूरे हो गए हैं, हमारे कार्यकर्ताओं ने सोचा कि हमें समाज में एक ऐसा कार्यक्रम लेकर जाना चाहिए जिससे पूरे समाज में ऐसी सद्भावना पैदा हो, जिसके आधार पर नैतिकता का निर्माण हो। इसलिए शताब्दी वर्ष में कोई बड़ा कार्यक्रम नहीं किया जाएगा, क्योंकि यदि हमने देश के लिए काम करते हुए 100 वर्ष पूरे कर लिए हैं, तो यह हमारा कर्तव्य था, इसके लिए उत्सव मनाने की कोई आवश्यकता नहीं है। सरसंघचालक ने कहा कि हमने पंच परिवर्तन नामक एक कार्यक्रम के बारे में सोचा है जिसमें पांच प्रकार के कार्यक्रम हैं: 1. पारिवारिक शिक्षा, 2. सामाजिक समरसता, 3. पर्यावरण संरक्षण, 4. नागरिक कर्तव्य 5. आत्मनिर्भर जीवन (स्वदेशी)। उन्होंने कहा कि स्वयंसेवकों ने इन सभी बातों का अपने व्यवहार में पालन करना शुरू कर दिया है। शताब्दी वर्ष में स्वयंसेवक समाज में जाकर इन सब बातों को बताएंगे तथा समाज को एकजुट रखते हुए उपरोक्त दिशा में चलने वाले लोगों की संख्या बढ़ाने का प्रयास करेंगे।

हरियाणा: आईपीएस वाई पूरन कुमार का नौवें दिन हुआ पोस्टमार्टम

एजेंसी (हि.स.)
चंडीगढ़

हरियाणा के आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार का बुधवार को नौवें दिन चंडीगढ़ पीजीआई में पोस्टमार्टम हो गया। वाई पूरन कुमार ने सात अक्टूबर की दोपहर चंडीगढ़ के सेक्टर-11 स्थित आवास में अपने गनमैन की सर्विस रिवाल्वर से गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। उसके बाद से पूरन कुमार के पोस्टमार्टम व अंतिम संस्कार को लेकर लगातार गतिरोध बना हुआ था। बदले हुए घटनाक्रम में वाई पूरन कुमार की पत्नी आईएएस अधिकारी अमनीत पी कुमार ने बुधवार की सुबह हरियाणा सरकार व चंडीगढ़ प्रशासन को पत्र लिखकर कहा कि संघ शासित क्षेत्र पुलिस द्वारा निष्पक्ष, पारदर्शी और निष्कलंक जांच किए जाने के आश्वासन तथा हरियाणा सरकार द्वारा कानून के अनुसार दोषी अधिकारियों के विरुद्ध उचित कार्रवाई किए जाने की प्रतिबद्धता के मद्देनजर, मैंने स्वर्गीय वाई. पूरन कुमार, आईपीएस के पोस्टमॉर्टम की अनुमति प्रदान की है।

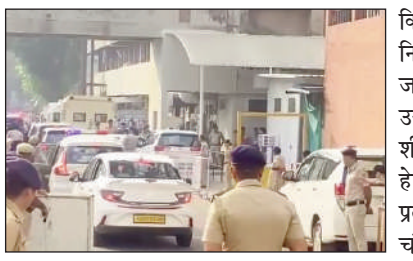

न्याय के हित में और साक्ष्यों की दृष्टि से समय पर पोस्टमॉर्टम किए जाने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, मैंने सहमति दी है कि यह प्रक्रिया विधि अनुसार गठित चिकित्सक मंडल द्वारा, एक बैलिस्टिक विशेषज्ञ की उपस्थिति में, मजिस्ट्रेट की देखरेख में तथा संपूर्ण वीडियोग्राफी के साथ की जाए, जिससे पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके। मुझे न्यायपालिका और पुलिस प्रशासन पर पूर्ण विश्वास है तथा मेरी हार्दिक अपेक्षा है कि जांच पूरी व्यावसायिकता, निष्पक्षता और समयबद्ध ढंग से की जाएगी ताकि सत्य कानून के अनुसार उजागर हो सके। न्याय की प्रक्रिया को शीघ्र एवं उचित दिशा में आगे बढ़ाने हेतु, मैं जांच दल को पूर्ण सहयोग प्रदान करती रहूंगी। इसके बाद चंडीगढ़ के उपायुक्त निशांत यादव तथा आला पुलिस अधिकारी चंडीगढ़ पहुंचे। अमनीत पी कुमार की उपस्थिति में मेडिकल बोर्ड द्वारा पूरन कुमार का पोस्टमॉर्टम किया गया। इस प्रक्रिया के दौरान मजिस्ट्रेट और फोरेंसिक-बैलिस्टिक एक्सपर्ट भी मौजूद रहे और पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी करवाई गई।

अमेरिकी असॉल्ट राइफलों के लिए 659 करोड़ से खरीदे जाएंगे नाइट विजन उपकरण

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

अमेरिकी कंपनी सिग सॉयर की 7.62 ७ 51 मिमी. असॉल्ट राइफलों में लगाने के लिए नाइट विजन उपकरण खरीदे जाएंगे। रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को भारतीय सेना की असॉल्ट राइफलों के लिए 659.47 करोड़ का यह सौदा दो कंपनियों के साथ किया है। नाइट साइट सैनिकों को सिग-716 असॉल्ट राइफल की लंबी प्रभावी रेंज का पूरा लाभ उठाने में सक्षम बनाएगी। यह नाइट विजन तारों की रोशनी में भी 500 मीटर की प्रभावी रेंज तक के लक्ष्यों को भेदने में सक्षम हैं और मौजूदा पैसिव नाइट साइट की तुलना में महत्वपूर्ण सुधार होगा।

रक्षा मंत्रालय ने आज कानपुर की कंपनी एमकेयू लिमिटेड और नोएडा की कंपनी मेडबिट टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के साथ 659.47 करोड़ के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। यह सौदा भारतीय सेना के लिए 7.62 ७ 51 मिमी असॉल्ट राइफल के लिए नाइट साइट (इमेज इंटेंसिफायर) और सहायक उपकरणों की खरीद के लिए किया गया है। 51 फीसदी से अधिक स्वदेशी सामग्री के साथ यह खरीद रक्षा निर्माण में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस पहल से घटकों के निर्माण और कच्चे माल की आपूर्ति में शामिल लघु उद्यमों को भी लाभ होगा।

भारतीय सेना ने फरवरी, 2019 में अमेरिकी कम्पनी 'सिग सॉयर' से 600 मीटर दूरी तक मार करने की क्षमता वाली 72 हजार 400 सिग-716 असॉल्ट रायफलें खरीदी थीं। फास्ट-ट्रैक प्रोक्योरमेंट (एफटीपी) सौदे के तहत 647 करोड़ रुपये से खरीदी गईं 7.6251 मिमी. कैलिबर असॉल्ट राइफल्स की दिसम्बर 2019 में आपूर्ति हुई। सबसे पहले जम्मू-कश्मीर के उधमपुर स्थित उत्तरी कमान को यह राइफलें दी गईं। भारतीय सेना की सभी पैदल सेना की बटालियनों को कम से कम 50 प्रतिशत सिग सॉयर राइफलों मिली हैं। पाकिस्तान और चीन की सीमा पर तैनात पैदल सेना की बटालियनों को सिग सॉयर राइफल अधिक संख्या में मिली हैं, जबकि अन्य बटालियनों को कम से कम 50 प्रतिशत दी गई हैं। इसके अलावा इन राइफल्स का इस्तेमाल भारतीय सेना अपने एंटी-टेरर ऑपरेशन्स में कर रही है।

भारतीय सशस्त्र बलों में हथियारों की कमी को पूरा करने के लिए खरीदी गईं 72,400 राइफल्स में से सेना को 66,400, भारतीय वायु सेना को 4,000 और नौसेना को 2,000 दी गईं थीं। इससे पहले खरीदी गईं 72,400 राइफलें कश्मीर और पूर्वोत्तर में नियंत्रण रेखा के साथ-साथ आतंकवाद विरोधी अभियानों में इस्तेमाल की जा रही हैं। भारतीय सेनाओं के पास मौजूदा समय में लगभग 20 लाख हथियार उपयोग में हैं। भारतीय सेना विभिन्न प्रकार की असॉल्ट राइफलों का उपयोग करती है, इनमें इंसास (इंडियन स्मॉल आर्म्स सिस्टम), एके-47, सिग सॉयर 716 और टावर बंदूकें हैं। छोटे हथियारों की सूची में लगभग 10 लाख इंसास राइफलें बड़ा हिस्सा हैं।

आखिरकार, सिग-716 राइफल्स भारत के सैनिकों के लिए भी 'अजेय' हथियार का विकल्प बन गईं, लेकिन यह अंधेरे में काम करने के लिए 'आंखों' से लैस न होने से दिक्कतें हुईं। दरअसल, अमेरिका से सौदा करते समय इन राइफल की कीमत कम रखने के लिए ऑप्टिकल डिवाइस को नहीं खरीदा गया था। सिग-716 रायफल्स से अंधेरे में फायरिंग न हो पाने की वजह से मुश्किलें सामने आने लगीं। इन दिक्कतों को देखते हुए इन अमेरिकी रायफल्स का उपयोग आसान बनाने के लिए देशी 'जुगाड़' का सहारा लिया गया। सैनिकों ने रायफल्स की पकड़ में सुधार करने के लिए बैरल के नीचे लकड़ी के हैंडल लगाए।

सेना ने पहले 400 से अधिक इन्फैंट्री बटालियनों में बंटी सिग-716 रायफल्स को इकट्ठा किया, फिर इसके बाद रात के अंधेरे में फायरिंग करने लायक बनाने के लिए सरकारी और निजी भारतीय फर्मों में ऑप्टिकल डिवाइस लगाने के लिए मामूली बदलाव किये गए। सिग-716 के लिए बने विजन सिस्टम में सैनिक को बताने के लिए एक संकेतक होता है कि गोली वास्तव में कहां लगेगी। अन्य स्थलों के उपयोग के मामले में अलग-अलग लेकिन न्यूनतम अंतर पर सूचक होते हैं। राइफल को हैंडल देने के लिए सेना ने इसमें अतिरिक्त किट भी लगाई है, जिससे राइफल की पकड़ छोटे हाथों वालों के लिए भी बेहतर हो गई है। अब नाइट विजन हथियार खरीदे जाने के बाद इन असॉल्ट राइफलों को रात में भी इस्तेमाल किया जा सकेगा।

कठुआ में त्योहार सीजन में जाम की समस्या, यातायात पुलिस शहर के बाहर कीड़िया गंडयाल-भागथली मार्ग पर नाका लगाने में व्यस्त

एजेंसी (हि.स.)
कठुआ

कठुआ शहर में त्योहार सीजन के दौरान जाम की समस्या विकराल रूप धारण कर रही है। शहर के मुख्य चैक चैराहों पर जाम की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। लोगों को घंटों जाम में फंसना पड़ रहा है, जिससे उन्हें काफी परेशानी हो रही है। हैरानगी की बात है कि यातायात पुलिस के अधिकारी शहर के जाम की समस्या से निपटने के बजाय शहर के बाहर कीड़िया गंडयाल-भागथली मार्ग पर नाका लगा रहे हैं। इस मार्ग पर पहले से ही तीन नाके स्थापित हैं, जिनमें पुलिस विभाग और खनन विभाग के नाके शामिल हैं। कठुआ जिला मुख्यालय से मात्र तीन से चार किलोमीटर की दूरी पर स्थित कीड़िया गंडयाल-भागथली मार्ग पर स्थित पुलिस विभाग के दो नाके स्थापित है, उसके बावजूद भी ट्रैफिक पुलिस कठुआ इसी मार्ग पर नाके लगाकर सतर्कता दिख रही है जबकि त्योहार के सीजन में पूरा शहर जाम की स्थिति से जूझ रहा है लेकिन उस और यातायात पुलिस का इस ओर कोई ध्यान नहीं जा रहा। कीड़िया गंडयाल पुल के साथ पड़ोसी राज्य पंजाब की सीमा लगती है और पुल के पार पंजाब सीमा के साथ लगता नाका लखनपुर पुलिस थाना के अधिकार क्षेत्र में है, इसी प्रकार ठीक 2 किलोमीटर की दूरी पर भागथली के पास पुलिस नाका स्थापित किया गया है जोकि कठुआ पुलिस थाना के अधिकार क्षेत्र में है, इसी क्षेत्र के आसपास तीन दर्जन के करीब स्टोन क्रशर स्थापित है और अवैध खनन को रोकने के लिए खनन विभाग कठुआ द्वारा भी नाका इसी मार्ग पर आए दिन लगाया जाता है और अब कठुआ में हाल ही में नए जिला ट्रैफिक अधिकारी जिन्हें अपना पदवार संभाले मात्र दो सप्ताह ही हुए वह भी अपनी टीम के साथ इसी मार्ग पर ही नाका लगा रहे हैं और वाहनों की जांच कर रहे हैं जबकि पिछले कई दिनों से सोशल मीडिया पर कठुआ शहर के मुख्य चैक चैराहा पर त्यौहार सीजन के चलते जाम की तस्वीर वायरल हो रही है और इस जाम में स्थानीय लोग जूझ रहे हैं, घंटे जाम में फंस रहे हैं, चैक चैराहा पर लगे बेतरतीब वाहनों की वजह से जाम की स्थिति पैदा हो रही है। कठुआ के मुखर्जी चैक, शहीदी चैक, ओल्ड सुपर बाजार, जराई चैक पर जगह-जगह जाम लग रहा है लेकिन हैरानगी की बात यह है कि डीटीआई का ध्यान इस तरफ क्यों नहीं जा रहा, आखिर कीड़िया गंडयाल-भागथाली मार्ग पर ही क्यों नाका लगा रहे हैं, जहां पर पहले से तीन नाके स्थापित है, हालांकि लोगों में चर्चा का भी विषय बना हुआ है कि शायद नए डीटीआई साहब अवैध खनन में लिप्त ओवरलोड वाहनों को पकड़ने में कुछ ज्यादा सतर्कता दिखाने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन इस मौजूदा त्योहार सीजन में उनकी जरूरत कठुआ शहर में है, शहर के बीचो-बीच बढ़ते जाम की समस्या को दरकिनार करते हुए शहर के बाहर जाकर नाके लगाए जा रहे हैं, जहां पर ना तो कोई जाम की समस्या है। वही मुखर्जी चैक शहीदी चैक जराई चैक वी2 चैक करीब 2 किलोमीटर के क्षेत्र में भारी जाम की समस्या है और इस जाम से निपटने के लिए मात्र चार ट्रैफिक पुलिस कर्मी लगाए गए हैं जोकि वे भी दाएं बाएं चाय की दुकानों पर बैठे नजर आते हैं, वहीं शहर वासियों ने ट्रैफिक विभाग के एसएसपी से मांग की है कि वे डीटीआई और अन्य ट्रैफिक पुलिस कर्मियों को निर्देश जारी करें कि वे अपनी सेवाएं में तत्परता दिखाएं और ईमानदारी से ड्यूटी करें। शहर वासियों का कहना है कि त्योहार सीजन में लोगों को जाम से निजात दिलाने के लिए यातायात पुलिस को शहर में तैनात किया जाना चाहिए।

पेंशन, एरियर और डीए न मिलने से भड़के एचआरटीसी पेंशनर, शिमला में किया प्रदर्शन

शिमला। आराम करने की उम्र में भी एचआरटीसी पेंशनरों को अब अपने अधिकारों के लिए सड़कों पर उतरना पड़ रहा है। हिमाचल पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) के सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने मंगलवार को शिमला में जोरदार धरना प्रदर्शन किया। पेंशनरों का कहना है कि अप्रैल 2024 के बाद सेवानिवृत्त हुए करीब 250 कर्मचारियों को अभी तक पेंशन का लाभ नहीं दिया गया है, जबकि हर महीने मिलने वाली पेंशन में भी लगातार देरी की जा रही है। सितंबर महीने की पेंशन तक अभी जारी नहीं हुई है। पेंशनरों का आरोप है कि सरकार ने पुराने पेंशन सिस्टम (ओपीएस) की गारंटी देकर सत्ता में आई थी, लेकिन एचआरटीसी कर्मियों के साथ वादाखिलाफी की जा रही है। इसके अलावा 2016 के नए वेतनमान का एरियर, डीए और मेडिकल बिलों का भुगतान भी लंबे समय से लंबित पड़ा है, जिससे पेंशनरों को भारी आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। धरना प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे एचआरटीसी पेंशनर संयुक्त संघर्ष समिति के अध्यक्ष देवराज ने कहा कि पेंशनरों की करोड़ों रुपये की वित्तीय देनदारियां सरकार के पास अटकी हुई हैं। मुख्यमंत्री ने एचआरटीसी के 50 वर्ष पूरे होने पर जो घोषणाएं की थीं, उन्हें अब तक लागू नहीं किया गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द उनकी मांगें पूरी नहीं कीं तो पेंशनर आंदोलन को और तेज करेंगे। गौरतलब है कि प्रदेश में एचआरटीसी के करीब आठ हजार पेंशनर हैं, जिन्हें अपने वित्तीय लाभों के लिए सड़कों पर उतरना पड़ रहा है।

संक्षिप्त-समाचार

अरनिया में शिवसेना हिंदुस्तान ने म्युनिसिपालिटी के खिलाफ प्रदर्शन किया

जम्मू। अरनिया में शिवसेना हिंदुस्तान के सदस्यों ने कूल कला में अरनिया म्युनिसिपालिटी के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने म्युनिसिपालिटी की कार्यप्रणाली पर भी आपत्ति जताई। शिवसेना नेता केसरी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि पहले म्युनिसिपालिटी में अड्डा पर्ची लगाने के लिए टेंडर होता था लेकिन अब टेंडर न होने के कारण म्युनिसिपालिटी स्वयं पर्ची काट रही है। उनका कहना था कि अगर यह कार्य किसानों के खेतों में हो जहां वे अपनी फसल लेकर घर जा रहे हों या ट्रॉली में सामान छोड़ रहे हों तो यह अत्यंत निंदनीय और असहनीय है। उन्होंने कहा कि किसान पहले ही अपनी फसल की बबार्दी से दुखी हैं और म्युनिसिपालिटी की यह कार्रवाई उनके दुखों पर और चोट कर रही है। केसरी ने सरकार से मांग की कि वह म्युनिसिपालिटी अरनिया को निर्देश दे कि किसानों से पर्ची न काटे, केवल समान या प्राइवेट कामों पर ही पर्ची लगाए जाए। उन्होंने चेताया कि अगर यह स्थिति जारी रही तो किसानों में गहरा आक्रोश पैदा होगा और इसके लिए सरकार जिम्मेदार होगी। इस अवसर पर उप प्रमुख बलवीर कुमार, अरनिया प्रधान बलवंत फौजी, विश्वनाथ प्रधान राजकुमार बाबा, बॉर्डर प्रधान संजय शर्मा, धीरज कुमार, सतपाल कैप्टन, गौरव राम, ओम प्रकाश जी, दर्शना देवी, विजय देवी, नीरू देवी, और रजनी देवी सहित कई अन्य सदस्य मौजूद रहे।

जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग छोटे वाहनों के लिए दोतरफा खुला

जम्मू। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग यातायात के लिए खुला है। छोटे वाहनों के लिए राजमार्ग दोनों तरफ ही खोला गया है जबकि भारी वाहनों को केवल एकतरफ से ही जाने की अनुमती दी गई है। जानकारी के अनुसार आज छोटे वाहनों को श्रीनगर से जम्मू और जम्मू से श्रीनगर दोनों तरफ से रवाना किया जा रहा है। हालांकि बड़े वाहनों को केवल जम्मू से श्रीनगर की ओर रवाना किया जा रहा है। इसी बीच एसएसजी रोड तथा मुगल रोड वाहनों की आवाजाही के लिए खुले हैं। मुगल रोड पर छोटे वाहनों को मार्ग के दोनों तरफ से रवाना किया जा रहा है जबकि भारी वाहनों को आज शोपियां से पुंछ की ओर रवाना किया जा रहा है।

श्रीनगर पुलिस ने वर्षों से गिरफ्तारी से बच रहे दो भगोड़ों को किया गिरफ्तार

श्रीनगर। भगोड़ों और घोषित अपराधियों पर चल रही कार्रवाई में श्रीनगर पुलिस ने बेमिना और पंथाचौक निवासी दो लंबे समय से फरार चल रहे लोगों को गिरफ्तार किया है जो क्रमशः 12 साल और 4 साल से गिरफ्तारी से बच रहे थे। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान वसीम भट पुत्र अब्दुल मजीद भट, निवासी अल-फारूक कॉलोनी वर्तमान में हमदानिया कॉलोनी, बेमिना में रह रहा है जो 2013 से फरार है और अब्दुल राशिद शेख पुत्र अब्दुल अहद शेख, निवासी अथवाजन पंथा जो 2021 से फरार है के रूप में हुई है। विशिष्ट खुफिया सूचनाओं पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने एक लक्षित अभियान शुरू किया और लगातार प्रयासों के बाद भगोड़ों को पकड़ लिया। उनकी गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कानूनी औपचारिकताएँ पूरी की गईं और आरोपियों को श्रीनगर की संबंधित अदालत में पेश किया गया।

नंदन गांव में शहीद रमेश चंद्र शर्मा को श्रद्धांजलि अर्पित

जम्मू। पुरमंडल के नंदन गांव में आज शहीद रमेश चंद्र शर्मा के बलिदान दिवस पर सीआरपीएफ के अधिकारियों और जवानों ने उनके निवास स्थान पर पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने उनके सेवा काल को याद करते हुए बताया कि शहीद रमेश चंद्र शर्मा ने अपनी ड्यूटी के दौरान देश के कई हिस्सों में सेवाएं दीं। वे सीआरपीएफ की 72वीं बटालियन में तैनात थे, जो पंजाब के तरनतारन में आतंकवादियों की गतिविधियों को रोकने के लिए नियुक्त की गई थी। 15 अक्टूबर 1990 को आतंकवादियों ने घात लगाकर उनकी टुकड़ी पर हमला कर दिया था। इस दौरान बल के जवानों ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए आतंकियों को मुंहतोड़ जवाब दिया। इसी मुठभेड़ में सिपाही रमेश चंद्र शर्मा गंभीर रूप से घायल हो गए और वीरता से लड़ते हुए वीरगति को प्राप्त हुए। उनकी शहादत को आज भी देश गर्व से याद करता है। इस मौके पर उनके परिजनों ने भी उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए और कहा कि सीआरपीएफ द्वारा हर शहीद के बलिदान दिवस पर उनके घर जाकर श्रद्धांजलि देने की यह पहल अत्यंत सराहनीय है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अधिकारियों और ग्रामीणों ने शहीद रमेश चंद्र शर्मा को नमन किया और उनके बलिदान को याद किया।

जम्मू-कश्मीर में आगामी विधानसभा उपचुनावों के लिए भाजपा ने अपने उम्मीदवारों की घोषणा की

जम्मू। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जम्मू-कश्मीर में आगामी विधानसभा उपचुनावों के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। देवयानी राणा को नगरोटा और आगा सैयद मोहसिन को बडगाम निर्वाचन क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया गया है। भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति ने इन नामों को मंजूरी दी और आज नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय से जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के माध्यम से इन्हें सार्वजनिक किया गया। गौरतलब है कि देवयानी राणा स्वर्गीय देवेंद्र सिंह राणा की बेटी हैं, जिन्होंने पहले नगरोटा विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया था और आगा सैयद मोहसिन बडगाम से वरिष्ठ भाजपा नेता हैं।

आपदा राहत कोष के लिए एक करोड़ का अंशदान

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू को बुधवार यहां टीवीएस मोटर्स के वाई.एस. गुलेरिया ने मुख्यमंत्री राहत कोष के लिए एक करोड़ रुपये का चेक भेंट किया। मुख्यमंत्री ने इस पुनीत कार्य के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह राशि संकट की घड़ी में जरूरतमंदों की मदद करने में मददगार साबित होगी। उन्होंने समाज के दानी सज्जनों और संपन्न वर्ग के लोगों से इस कोष में उदारतापूर्वक योगदान देने का आग्रह किया।

उपेक्षित बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ना मिशन वात्सल्य का मुख्य लक्ष्य : एन.आर. ठाकुर

मंडी। जिला बाल संरक्षण इकाई मंडी द्वारा खंड धर्मपुर में एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन आंगनवाड़ी कार्यकताओं और सुपरवाइजरों के लिए किया गया। इस अवसर पर ज़िला बाल संरक्षण अधिकारी एन.आर. ठाकुर ने कहा कि उपेक्षित बच्चों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना मिशन वात्सल्य का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने चिल्ड्रन ऑफ स्टेट के अधिकारों और कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रतिभागियों के समक्ष रखी। मिशन वात्सल्य, मुख्यमंत्री सुखाश्रय योजना और इंदिरा गांधी सुख शिक्षा योजना के हर पहलू की जानकारी उन्होंने बड़ी बारीक से दी। ठाकुर ने कहा कि विभाग के कर्मचारियों को सुनिश्चित करना होगा कि कोई भी पात्र बच्चा सरकार की योजनाओं से छूट न जाए ।संरक्षण अधिकारी शैलजा अवस्थी ने बाल विवाह के दुष्परिणामों, स्पॉन्सरशिप योजना, दत्तक ग्रहण प्रक्रिया, बाल यौन शोषण, पॉक्सो व किशोर न्याय अधिनियम पर प्रकाश डाला। स्टेटिस्टिकल सहायक पूर्ण चंद ने महिला एवं बाल विकास खण्ड धर्मपुर में चल रही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ,देई, पोषण आदि योजनाओं की जानकारी सांझा की।

मोदी सरकार ने आपदा राहत में दिखाई दरियादिली हिमाचल सरकार का झूठ हुआ बेनकाब : त्रिलोक कपूर

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ प्रवक्ता, त्रिलोक कपूर ने कहा कि वर्ष 2023 की विनाशकारी मानसून आपदा के बाद केंद्र की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने हिमाचल प्रदेश को रिकॉर्ड सहायता राशि जारी की है, जिससे कांग्रेस की राज्य सरकार का 'केंद्र ने मदद नहीं की' का झूठा प्रचार पूरी तरह झूठा साबित हो गया है।

बुधवार को जारी एक प्रेस बयान में कपूर ने कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि जब हिमाचल प्रदेश के लोग प्राकृतिक आपदा की मार झेल रहे थे, तो राज्य की कांग्रेस सरकार सस्ती राजनीति में लिप्त थी और केंद्र सरकार पर मदद न करने का निराधार आरोप लगा रही थी। उन्होंने कहा कि आज यह स्पष्ट हो गया है कि केंद्र ने न केवल पर्याप्त सहायता भेजी, बल्कि पोस्ट डिजास्टर नीड्स असेसमेंट के वैज्ञानिक और पारदर्शी प्रक्रिया के आधार पर यह राशि जारी की गई है।

कपूर ने कहा कि केंद्र सरकार ने पीडीएनए के आधार पर हिमाचल प्रदेश को कुल लगभग 3,190 करोड़ की भारी-भरकम केंद्रीय सहायता प्रदान की है। इसमें से, नवंबर 2023 में 494.41 करोड़ की राशि विशेष रूप से जारी की गई है। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में केंद्र का पैसा लग रहा है लेकिन इसका श्रेय हिमाचल सरकार ले रही है।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा आपदा राहत के लिए भेजा गया यह पैसा हिमाचल के लोगों का हक है। इस फंड में किसी भी प्रकार के भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कपूर ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार 'सबका साथ, सबका विकास' के मंत्र पर काम करती है और हिमाचल की जनता के साथ खड़ी है। उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि वह राजनीतिक बयानबाजी छोड़कर, ईमानदारी और पारदर्शिता से केंद्र से मिली इस विशाल सहायता राशि का उपयोग पुनर्निर्माण कार्यों को युद्धस्तर पर पूरा करने में करें।

हिमाचल में दिवाली पर एचआरटीसी चलाएगा 250 से ज्यादा विशेष बसें

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

दीवाली पर्व पर बाहरी राज्यों में कामकाज करने वाले हिमाचली अपने घरों को लौट सकें, इसके लिए हिमाचल पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) ने विशेष तैयारी की है। दिवाली पर पर्व 20 अक्टूबर को है। इससे पहले एचआरटीसी 17, 18 और 19 अक्तूबर को दिल्ली, चंडीगढ़ और बद्दी से प्रदेश के विभिन्न जिलों व राज्य के भीतर 250 से ज्यादा स्पैशल बसें चलाएगा। इन बसों के माध्यम से कांगड़ा, मंडी, ऊना, हमीरपुर, चंबा, शिमला, बिलासपुर सहित अन्य जिलों के यात्रियों को उनके घर तक पहुंचाया जाएगा।

एचआरटीसी प्रबंधन के अनुसार त्योहार के दौरान बढ़ने वाली यात्रियों की संख्या को देखते हुए दिल्ली, चंडीगढ़ और बद्दी डिपो से अलग-अलग तिथियों पर बसों की संख्या तय की गई है। 17 अक्तूबर को कुल 97 बसें चलेंगी, जिनमें दिल्ली से 34, चंडीगढ़ से 55 और बद्दी से 8 बसें होंगी। 18 अक्तूबर को 106 बसें चलाई जाएंगी। इनमें दिल्ली से 44, चंडीगढ़ से 54 और बद्दी से 8। वहीं 19 अक्तूबर को 54 बसें चलेंगी, जिनमें दिल्ली से 6 और चंडीगढ़ से 48 बसें शामिल होंगी।

दीवाली के दिन शाम 5 बजे से अगले दिन सुबह 8 बजे तक प्रदेशभर में सभी लोकल बस सेवाएं बंद रहेंगी ताकि चालक और परिचालक भी त्योहार मना सकें। हालांकि यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए दीवाली की शाम दिल्ली, चंडीगढ़, हरिद्वार और अन्य प्रमुख स्थलों के लिए एक-एक लंबी दूरी की बस चलाई जाएगी।

इसके अलावा राजधानी शिमला से निचले हिमाचल के जिलों जैसे हमीरपुर, कांगड़ा, मंडी, ऊना और बिलासपुर के लिए 19 अक्तूबर को विशेष बसें चलाई जाएंगी। त्योहार के बाद भी अतिरिक्त बसें उपलब्ध कराई जाएंगी ताकि वापसी करने वाले यात्रियों को परेशानी न हो।

एचआरटीसी के प्रबंध निदेशक डा. निपुण जिंदल ने बुधवार को बताया कि सभी डिवीजनल मैनेजरों और रीजनल मैनेजरों को दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। यदि यात्रियों की संख्या अपेक्षा से अधिक रही, तो मांग के अनुसार अतिरिक्त बसें भी चलाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि निगम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हर यात्री सुरक्षित और समय पर अपने घर पहुंच सके और दीवाली का पर्व अपने परिवार के साथ मना सके।

हिमाचल में पूरे हफ्ते रहेगा शुष्क मौसम, केलंग सबसे ठंडा

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में फिलहाल मौसम पूरी तरह शुष्क बना हुआ है और अगले एक सप्ताह तक प्रदेशभर में बारिश या बर्फबारी की संभावना नहीं है। मौसम विभाग के अनुसार 15 से 21 अक्तूबर तक प्रदेश में लगातार सूखा मौसम रहेगा। दिवाली पर्व पर भी आसमान साफ रहेगा और मौसम सुहावना बने रहने की संभावना है। इससे लोगों में उल्लास का माहौल रहेगा।

मौसम विभाग ने बताया कि बीते 24 घंटों के दौरान प्रदेश के अधिकांश स्थानों पर तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। हालांकि न्यूनतम तापमान में हल्की वृद्धि दर्ज की गई है। केलांग में न्यूनतम तापमान 1.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो राज्य में सबसे ठंडा स्थल रहा। ऊना में पिछले कल अधिकतम तापमान 32.2 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। यह तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री अधिक रहा, जिससे मैदानी क्षेत्रों में दिन के समय गर्मी का हल्का अहसास बना हुआ है।

जनजातीय क्षेत्रों में ठंड का असर लगातार जारी है और कई ऊंचाई वाले इलाकों में न्यूनतम तापमान शून्य के करीब पहुंच गया है। प्रदेश के पर्वतीय पर्यटन स्थलों जैसे शिमला, मनाली, डलहौजी और धर्मशाला में सुबह-शाम की ठंड और दिन में हल्की धूप के कारण मौसम बेहद सुहावना बना हुआ है। यह मौसम न केवल स्थानीय निवासियों बल्कि सैलानियों के लिए भी आनंददायक है।

बीते 24 घंटों में सराहन में मात्र 1.5 मि.मी. बारिश दर्ज की गई जबकि बाकी प्रदेश में बारिश या हिमपात नहीं हुआ। सुंदरनगर में आज सुबह के समय घना कोहरा छाया रहा और दृश्यता 100 मीटर तक सीमित रही। मौसम विभाग ने बताया कि कहीं भी तेज हवाओं और गरज-चमक की कोई संभावना नहीं है।

बुधवार को राज्य का औसतन न्यूनतम तापमान सामान्य से 0.6 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। शिमला में न्यूनतम तापमान 11.4 डिग्री, सुंदरनगर में 15.5 डिग्री, भुंतर में 11.6 डिग्री, कल्पा में 5.5 डिग्री, धर्मशाला में 11.4 डिग्री, ऊना में 13.8 डिग्री, मनाली में 7.9 डिग्री, कुकुमसेरी में 1.7 डिग्री, कुफरी में 11.3 डिग्री और नारकण्डा में 9.2 डिग्री सेल्सियस रहा।

मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के वैज्ञानिक संदीप शर्मा का कहना है कि आगामी सप्ताह में भी प्रदेश में शुष्क परिस्थितियां बनी रहेंगी और 21 अक्तूबर तक न बारिश होगी न हिमपात। इससे दीपावली पर्व पर लोग साफ आसमान और खिली धूप के बीच पर्व का आनंद ले सकेंगे।

गुलाब सिंह ठाकुर ने पूर्व मुख्यमंत्री धूमल से की मुलाकात

एजेंसी (हि.स.)
हमीरपुर

भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व मंत्री और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गुलाब सिंह ठाकुर ने बुधवार को प्रदेश के दो बार मुख्यमंत्री रह चुके प्रो. प्रेम कुमार धूमल के साथ उनके समीरपुर स्थित निवास स्थान पर सौहार्दपूर्ण और अनौपचारिक मुलाकात की।

हिमाचल प्रदेश के राजनीतिक क्षेत्र के दो सबसे अनुभवी नेताओं के बीच हुई इस मुलाकात में पार्टी के अब तक के सफर और हिमाचल के राजनीतिक परिदृश्य पर पुरानी यादें ताजा करने वाली चचाएँ हुईं।

मनोरंजन

14 नवंबर को यह फिल्म देश भर के दो हजार सिनमो घरों में रिलीज होगी

मंडी के निर्देशक अंशुल शर्मा की फिल्म दे दे प्यार दे पार्ट-टू का ट्रेलर रिलीज

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

मंडी जिला के सुंदरनगर निवासी अंशुल शर्मा की फिल्म दे-दे प्यार दे पार्ट-टू का ट्रेलर बीते कल 14 अक्तूबर को देश भर में रिलीज हो गया। जबकि आगामी 14 नवंबर को यह फिल्म देश भर के दो हजार सिनमो घरों में रिलीज होगी। हिमाचल प्रदेश के मशहूर साहित्यकार गंगाराम राजी एवं तृप्ता शर्मा के बेटे अंशुल शर्मा ने कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय से बीटैक की पढ़ाई करने के पश्चात मायानगरी का रूख किया।

उनके पिता गंगाराम राजी ने बताया कि उनके फिल्मी दुनियां से संपर्क की वजह से फिल्मी कलाकारों के घर में आने जाने से घर में भी फिल्मी वातावरण था, जिसके प्रभाव से अंशुल के मन में फिल्म लाइन में जाने का विचार ऐसा पनपने लगा कि वह इंजीनियरिंग की पढ़ाई को बीच में छोड़ने का विचार कर बैठा। लेकिन माता-पिता की एक शर्त थी कि पहले अपनी पढ़ाई पूरी करें फिर माया नगरी में प्रवेश करें। 2004 में अंशुल के बी टैक प्रथम श्रेणी में पास करने के बाद माता-पिता स्वयं उसे मुबई में माया नगरी के सुपुर्द कर आए।

अंशुल ने अपना कैरियर फिल्म निर्देशन से शुरू किया। सबसे पहले उसने एक टी वी सीरियल देवी में एसोसिएट निर्देशक के रूप में शुरूआत की। कुछ देर अंशुल ने अपने पिता के छात्र रहे निमार्ता कुमार मंगत के साथ काम किया।

इसके पश्चात टी वी कैरियर छोड़ फिल्म लाइन में देव डी फिल्म से अनुराग कश्यप के साथ अपना फिल्मी कैरियर शुरू किया। नो स्मोकिंग फथ्लम में अपना हुनर दिखाया। अनुराग से ही फिल्म की बारीकियों को समझा। जो अंशुल के फिल्मी कैरियर में सहायक बना है। इसी बीच लव रंजन के प्रोक्शन हाऊस लव रंजन मूवीज के बैनर तले लगातार कई फिल्मों के निर्माण का सिलसिला चल पड़ा।

अंशुल शर्मा ने अनुराग कश्यप, सुनील दर्शन, सुभाष कपूर, विशाल भारद्वाज आदि दिग्ज निर्देशकों के साथ काम किया। अंशल ने 2013 में अपने स्वयं के निर्देशन में सारे जहां से मंहगा फिल्म बनाई, जिसकी चर्चा एनडीटीवी में रवीश कुमार द्वारा की गई। जबिक 2010 में सुभाष कपूर के साथ एसोसियट फिल्म निर्देशक के रूप में फंस गए रे ओबामा का निर्माण किया। इसके अलावा बरसात, दोस्ती, नो स्मोकिंग, देव डी, आकाशवाणी, फंस गए रे ओबामा, सारे जहां से मंहगा, सोनु के टीटू की स्वीटी, प्यार का पंचनामा, प्यार का पंचनामा पार्ट टू, तू झूठी मैं मक्कार , दे दे प्यार दे और अब दे-दे प्यार दे पार्ट-टू का सिलसिला जारी है। जो आगामी 14 नंवबर को रिलीज हो रही है। इस फिल्म में अजय देवगन, आर माधवन, राकुल प्रीत,मीजान जाफरी आदि सितारों ने अभिनय किया है।

अंशुल शर्मा ने बताया कि यह फिल्म पुरी तरह से हास्य पारिवारिक ड्रामा है, आप इसे अपने परिवार के साथ अपने नजीक के सिनेमाघरों में जाकर देखें। इधर, उपन्यासकार गंगाराम राजी ने अपने बेटे की सफलता पर खुशी का इजहार करते हुए सभी से फिल्म देखकर उसे आशीर्वाद देने का आग्रह किया है।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का

नवोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: सतपॉल शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित- 160036

सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।

स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

शिक्षा में सुधार और युवाओं को रोजगार देना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता: नायब सिंह सैनी

कहा- बिना पर्ची-खर्ची के 1.80 लाख युवाओं को मिली सरकारी नौकरी, तीसरे कार्यकाल में 2 लाख नौकरियों का लक्ष्य

संवाददाता

चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा के क्षेत्र में ऐसे सुधारों पर बल दे रही है, जिनसे युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ रोजगार के अवसर भी मिलें और वे समाज और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभा सकें। प्रदेश सरकार ने बिना पर्ची-खर्ची के अब तक 1.80 लाख युवाओं को योग्यता के आधार पर सरकारी नौकरियां दी हैं और तीसरे कार्यकाल में 2 लाख नौकरियों का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री ने युवाओं से आान किया कि वे प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कड़ी मेहनत करते रहे, उनकी मेहनत अवश्य रंग लाएगी।

मुख्यमंत्री बुधवार को रोहतक में बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय, अस्थल बोहर के चौथे दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर विकास एवं पंचायत मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार, शिक्षा मंत्री श्री महीपाल ढांडा और विश्वविद्यालय के कुलाधिपति महंत बालक नाथ योगी भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को पदक एवं उपाधियां प्रदान की। श्री नायब सिंह सैनी ने विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह किसी भी शिक्षण संस्थान के गौरव और उपलब्धि का प्रतीक होता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2012 में स्थापित बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय का चौथा दीक्षांत समारोह इस पावन भूमि की ज्ञान-परंपरा को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कुलाधिपति महंत बालक नाथ योगी जी के मार्गदर्शन की सराहना की और बताया कि 1957 में महंत श्रेयोनाथ जी महाराज द्वारा स्थापित बाबा मस्तनाथ आयुर्वेदिक महाविद्यालय आज एक विशाल विश्वविद्यालय का रूप ले चुका है, जहां आयुर्वेद से लेकर इंजीनियरिंग, कानून, नर्सिंग और मानविकी जैसे विविध क्षेत्रों में शिक्षा प्रदान की जा रही है। हरियाणा ने शिक्षा, खेल, संस्कृति, शोध और उद्योग के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति कर देश में अग्रणी राज्य के रूप में पहचान बनाई है, जिसमें बाबा मस्तनाथ जैसी संस्थाओं का योगदान सराहनीय है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का सपना है कि हमारी भावी पीढ़ी को ऐसी शिक्षा मिले, जो उन्हें रोजगार सक्षम बनाए, चरित्रवान बनाए और उनमें नैतिक गुणों का समावेश करे। इसके लिए उन्होंने देश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू की है। हरियाणा देश का पहला राज्य है, जिसने अपने सभी उच्च शिक्षण संस्थानों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति को वर्ष 2024 में लागू कर दिया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार का लक्ष्य है कि हर विद्यार्थी को गुणवत्तापरक शिक्षा के साथ रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण भी मिले। इस दिशा में शिक्षा को कौशल विकास से जोड़ने के लिए स्कूलों में एनएसक्यूएफ, कॉलेजों में ह्यपहल योजनाह्ल, विश्वविद्यालयों में इन्क्यूबेशन सेंटर और तकनीकी संस्थानों में उद्योगों के साथ एमओयू जैसे ठोस प्रयास किये गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 21वीं सदी की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है शिक्षा और रोजगार के बीच की खाई को पाटना। इसके लिए हमें शिक्षा को केवल क्लासरूम तक सीमित न रखकर, उसे सीधे उद्योगों की वर्तमान जरूरतों से जोड़ना होगा। राज्य के सभी विश्वविद्यालयों और कॉलेजों को इंडस्ट्री-एकेडमी पार्टनरशिप को अपनाना होगा। इस दिशा में हमने तकनीकी संस्थानों में प्लेसमेंट के लिए 580 से अधिक उद्योगों से समझौते किये हैं। उन्होंने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत प्रदेश में ऐसे शिक्षण संस्थान तैयार किये जा रहे हैं, जिनमें केजी कक्षा से पीजी कक्षा तक की शिक्षा प्रदान की जाएगी। कई विश्वविद्यालयों में केजी से पीजी स्कीम के तहत दाखिले किये गए हैं।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में प्रदेश में कुल 80 नये राजकीय कॉलेज खोले गए, जिनमें से 30 लड़कियों के हैं। इस समय प्रदेश में महाविद्यालयों की संख्या बढ़कर 185 हो गई है। इसी तरह, 11 वर्षों के कार्यकाल में प्रदेश में 13 नये विश्वविद्यालय खुले हैं। वहीं, मेडिकल कॉलेजों की संख्या भी 6 से बढ़कर 17 हो गई है। अब इनमें एम.बी.बी.एस. की सीटों की संख्या 700 से बढ़कर 2,435 हो गई है। इसके अलावा, 15 नये सरकारी बहुतकनीकी संस्थान भी खोले गए हैं। वर्ष 2014 में इनकी संख्या 28 थी, जो अब 43 हो गई है और इनमें प्रवेश क्षमता 11,985 से बढ़कर 16,434 हो गई है। इसके अलावा, हरियाणा कौशल रोजगार निगम के माध्यम से भी युवाओं को न केवल रोजगार दिया है बल्कि उन्हें रोजगार की सुरक्षा भी दी है।

शिक्षा मंत्री श्री महीपाल ढांडा ने डिग्री प्राप्त विद्यार्थियों का आान किया कि वे भारत के विश्व कल्याण के संकल्प को पूरा करने में महत्वपूर्ण योगदान दें तथा देश व प्रदेश की समृद्ध विरासत एवं संस्कृति को आगे बढ़ायें। उन्होंने कहा कि भारत में प्राचीन काल से संतों-महात्माओं ने विश्व कल्याण के बारे में महत्वपूर्ण संदेश दिए है। भारत वर्ष का विश्व कल्याण का विचार प्राचीन काल से महान रहा है। उन्होंने कहा कि धर्म की रक्षा, प्राणियों का कल्याण तथा देश को विश्व का सबसे मजबूत व महान राष्ट्र बनाने में हर नागरिक अपने कर्तव्य का पालन करें। विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर हर क्षेत्र में भारत का गौरव बढ़ायें। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक देश को दुनिया का विकसित व सबसे ताकतवर देश बनाने के सपने को भी साकार करने में सभी योगदान दें।

इस अवसर पर पूर्व मंत्री श्री मनीष कुमार ग्रोवर, मदवि के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह, सुपवा के कुलपति श्री अमित आर्य, बीएमयू के कुलपति प्रो. बीएम यादव, कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार, मेयर राम अवतार वाल्मीकि सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

फसल अवशेष प्रबंधन सीआरएम स्कीम का लाभ उठाएं किसान: पंकज सेतिया

अनिल गोयल

लाडवा

उपमंडल अधिकारी नागरिक पंकज सेतिया ने कहा कि कृषि विभाग ने फसल अवशेष प्रबंधन के लिए सीआरएम के नाम से स्कीम शुरू की हुई है। इसके अंतर्गत किसानों को पराली नहीं जलाने पर 1200 रुपए प्रति एकड़ के हिसाब से अनुदान दिया जाता है।

एसडीएम पंकज सेतिया ने कहा कि धान की पराली का किसान अपने खेत में ही प्रबंधन कर इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। खेत में ही रोटावेटर आदि मशीन का प्रयोग कर धान की पराली को मिट्टी में मिलाया जा सकता है। जिससे भूमि की उर्वरा शक्ति में वृद्धि होगी। इसके अलावा पराली को थ्रेसर से कटवा कर चारा के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। एक अन्य विकल्प बेलर से इसकी गांठें बनवा कर उनको बेचने का भी है।

एसडीएम ने बताया कि पराली को जलाया तो प्रदूषण निरोधक अधिनियम के तहत दोषी को 30 हजार रुपए तक जुमार्ना या 6 माह की सजा हो सकती है।

ऐसे व्यक्ति को रेड मार्क कर दो साल के लिए कृषि विभाग की योजनाओं और एमएसपी पर फसल बेचने से वंचित कर दिया जाता है। उन्होंने बताया कि किसान सीआरएम स्कीम में मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण भी करवा लें।

भू-मित्र चैटबॉट पर राजस्व सेवाएं, सीमांकन सेवाएं, जनसूचना शिकायत करने और शिकायत की जान सकते हैं स्थिति : कैलाश सैनी

संवाददाता

लाडवा

मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रभारी कैलाश सैनी ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश के हर वर्ग के लिए अनेक जलकल्याणकारी योजनाओं को लागू किया है। प्रदेश के लोगों की जरुरतों के हिसाब से लगातार नई-नई योजनाओं को तैयार करके नीतियों को लागू किया जा रहा है। लाडवा विधानसभा के ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में करोड़ों रुपए के विकास कार्य किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रभारी कैलाश सैनी बुधवार को लाडवा में दीपावली मिलन एवं सम्मान समारोह कार्यक्रम में बोल रहे थे। इससे पूर्व उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की तरफ से पत्रकारों को सम्मान के रूप में गिफ्ट भेंट करते हुए दीपावली की बधाई व शुभकामनाएं दी।

प्रभारी कैलाश सैनी ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा बाबैन की तहसील से भू-मित्र व्हाट्सएप चैटबॉट के लॉन्च करने से राजस्व विभाग की सेवाओं के लिए लंबी कतारों और जटिल नौकरशाही प्रक्रियाओं के दिन तेजी से खत्म हो रहे हैं। इससे किसी भी मोबाइल फोन से प्रमुख सेवाएं तुरंत उपलब्ध हो रही हैं। उन्होंने कहा कि यह चैटबॉट सरकारी सेवाओं को उनकी फिंगरटिप्स पर लाकर लोगों को सशक्त बनाता है। व्हाट्सएप पर बस कुछ ही टैप से, कोई भी कभी भी, कहीं भी जानकारी प्राप्त कर सकता है, शिकायत दर्ज कर सकता है या आवेदन की स्थिति देख सकता है।

उन्होंने कहा कि भू-मित्र चैटबॉट पांच प्राथमिक सेवाएँ प्रदान करता है, इनमें राजस्व सेवाएं, सीमांकन सेवाएं, शिकायत दर्ज करें, शिकायत की स्थिति जानें, और जन सूचना तक पहुंच शामिल हैं। यह प्रणाली हिंदी और अंग्रेजी दोनों में काम करती है, जिससे सभी नागरिकों के लिए उपयोगकर्ता-अनुकूलता सुनिश्चित होती है। भू-मित्र चैटबॉट का नंबर 9593300009 है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भी जोर देकर कहा था कि भू-मित्र हरियाणा की नागरिक-केंद्रित और भ्रष्टाचार-मुक्त शासन के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। यह प्रणाली लोगों को शीघ्रता से और सीधे सेवाएं प्रदान करने के लिए डिजाइन की गई है, जिससे बिचौलियों की आवश्यकता प्रभावी रूप से समाप्त हो जाती है। उन्होंने लोगों को इस चैटबॉट को अपनाने का आग्रह करते हुए कहा कि डिजिटल शासन की सच्ची सफलता सक्रिय जनभागीदारी पर निर्भर करती है। भू-मित्र चैटबॉट शासन को हर घर के करीब लाकर मुख्यमंत्री के डिजिटल हरियाणा, सशक्त नागरिक के लक्ष्य को साकार करने में मदद कर रहा है। इस मौके पर चेयरमैन डा. गणेश दत्त, मंडल अध्यक्ष शिव गुप्ता, मंडल अध्यक्ष विकास शर्मा, मंडल अध्यक्ष नरेंद्र दबखेड़ा, मंडल अध्यक्ष अमरेंद्र सिंह, सचिन मित्तल, नरेंद्र सिंघल, सन्नी कालड़ा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

संक्षिप्त-समाचार

दिव्यांग छात्रवृति योजना के लिए 31 अक्टूबर तक करें आवेदन : पंकज सेतिया

लाडवा। उपमंडल अधिकारी नागरिक पंकज सेतिया ने कहा कि दिव्यांग छात्रों के लिए सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग केंद्र सरकार द्वारा संचालित पोस्ट मैट्रिक, प्री-मैट्रिक व टॉप क्लास एजुकेशन स्कॉलरशिप योजना चलाई जा रही हैं। इसके तहत दिव्यांग छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करने का प्रावधान है। एसडीएम पंकज सेतिया ने कहा कि इस योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए छात्रों को पोर्टल पर आवेदन करना होगा। इसकी अंतिम तिथि 31 अक्टूबर निर्धारित कर गई है। इस योजना का लाभ लेने के लिए पात्र विद्यार्थी समय रहते संबंधित पोर्टल पर पंजीकरण करा लें।

दिव्यांगजनों के लिए मतदान हो सुगम, निर्वाचन आयोग ने जारी किए निर्देश

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री ए. श्रीनिवास ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने 6 अक्टूबर, 2025 को बिहार विधानसभा के आम चुनाव और 8 विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनावों के कार्यक्रम की घोषणा की है। उन्होंने बताया कि आयोग ने मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि चुनाव दिव्यांगजनों के लिए सुगम हों। बिहार में सभी मतदान केंद्र भूतल/सड़क प्रवेश स्तर पर स्थित होंगे और दिव्यांगजनों तथा व्हीलचेयर वाले वरिष्ठ नागरिकों की सुविधा के लिए उचित ढलान वाले रैंप की व्यवस्था की जाए। यह भी निर्देश दिया गया है कि दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों को मतदान केंद्रों में प्रवेश के लिए प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने बताया कि आयोग ने दृष्टिबाधित व्यक्तियों की सुविधा के लिए नियमित मतदाता सूचना पर्चियों (वीआईएस) के साथ-साथ ब्रेल लिपि युक्त सुगम्य मतदाता सूचना पर्चियां भी जारी करने के निर्देश दिए हैं। चुनाव संचालन नियम, 1961 के नियम 49एन के अनुसार, दृष्टिबाधित व्यक्ति मतदान केंद्र पर अपनी ओर से मतदान करने के लिए अपने साथ एक साथी को ले जा सकते हैं। उन्होंने बताया कि सभी मतदान केंद्रों पर ब्रेल लिपि में डमी बैलेट शीट भी उपलब्ध कराई जाएंगी। कोई भी दृष्टिबाधित मतदाता बिना किसी सहयोगी की मदद के ईवीएम की बैलेट यूनिट पर ब्रेल लिपि सुविधा का उपयोग करके स्वयं इस शीट का उपयोग करके मतदान कर सकता है। आयोग ने निर्देश दिया है कि मतदान के दिन मतदान केंद्र पर दिव्यांगजनों के लिए उचित परिवहन सुविधा उपलब्ध होनी चाहिए। दिव्यांग मतदाता म्ब्छम्ज् के दिव्यांग (सक्षम) मॉड्यूल पर पंजीकरण करके परिवहन और व्हीलचेयर सुविधा का भी अनुरोध कर सकते हैं। ये सुविधाएं बिहार के 90,712 मतदान केंद्रों में से प्रत्येक पर उपलब्ध होंगी। इसके अतिरिक्त एक अन्य पहल के तहत 292 मतदान केंद्रों का प्रबंधन विशेष रूप से दिव्यांगजनों द्वारा किया जाएगा।

नारनौल पुलिस चौकी में युवक ने फंदा लगा कर दी जान

नारनौल। नारनौल में एक व्यक्ति ने महावीर चौकी में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान कोथल कला निवासी 40 वर्षीय बलवान सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने व्यक्ति को मंगलवार रात को संदिग्ध लगने पर पकड़ा था। मिली जानकारी के अनुसार कोथल कलां निवासी बलवान सिंह दो-तीन दिन से घर से लापता था। मंगलवार शाम को भी परिवार के सदस्य उसे नारनौल में होने की सूचना पर लेने पहुंचे थे, लेकिन बलवान सिंह उनके साथ नहीं गया। इसके बाद मंगलवार रात पुलिस को संदिग्ध लगने पर महावीर चौकी में लेकर आ गए। इस दौरान बलवान सिंह ने बाथरूम के अंदर फांसी का फंदा लगा लिया जिससे उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही डीएसपी भी मौके पर पहुंचे।

एसजीएमपीएस, लाडवा में मूल्यों पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम

संवाददाता

लाडवा

संजय गांधी मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल, धनोरा-लाडवा में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, दिल्ली के तत्वावधान में मूल्यों की शिक्षा पर एक दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्कूल के प्रधानाचार्य नरेन्द्र शर्मा ने रिसोर्स पर्सन्स के साथ पवित्र दीप प्रज्वलित करके सी.बी.पी. कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। उन्होंने रिसोर्स पर्सन्स का स्वागत किया और उन्हें प्रसिद्ध एवं अनुभवी शिक्षाविदों के रूप में शिक्षकों से परिचित कराया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह कार्यक्रम शिक्षकों के लिए अत्यंत लाभकारी होगा क्योंकि यह उन्हें जीवन के सबसे महत्वपूर्ण कौशल के रूप में मूल्यों की शिक्षा देगा। सीबीएसई से रिसोर्स पर्सन डॉ. प्रदीप कुमार एचओडी साइबर सुरक्षा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र और डॉ. सुरेश अग्रवाल प्रिंसिपल आर्मी पब्लिक स्कूल, अंबाला ने शिक्षकों को विभिन्न नैतिक मूल्यों के बारे में जानकारी दी जैसे कि व्यक्तिगत मूल्यों जिसमें करुणा, स्वीकृति, स्वतंत्रता की भावना शामिल है; पारस्परिक मूल्यों जिसमें प्रेम, सहानुभूति, मतभेदों को स्वीकार करना शामिल है; समुदाय मूल्यों जिसमें सुलह, सहनशीलता, पारस्परिक सम्मान, प्रशंसा और पर्यावरण की सुरक्षा शामिल है; राष्ट्रीय मूल्यों जिसमें बाल या मानव अधिकारों, नागरिकता, धर्मनिरपेक्षता और राष्ट्रीय एकता के लिए सम्मान शामिल है; वैश्विक मूल्यों जिसमें वैश्विक मुद्दों के बारे में जागरूकता, संघर्षों का शांतिपूर्ण समाधान आदि शामिल हैं। सीबीएसई वेबसाइट के संदर्भों का हवाला देते हुए उन्होंने शिक्षकों को उनके शिक्षण विषय के अनुसार मूल्यों पर पुस्तक की पीडीएफ डाउनलोड करने और उन्हें अपने कक्षा शिक्षण में एकीकृत करने का सुझाव दिया। कार्यशाला में कुल 59 शिक्षकों ने भाग लिया और सभी गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया। सीबीपी का समापन सकारात्मक रहा। प्रधानाचार्य नरेंद्र शर्मा ने दोनों रिसोर्स पर्सन्स को मूल्यों पर उनकी अमूल्य जानकारी के लिए धन्यवाद दिया और शिक्षकों को कार्यशाला के अनुभवों को अपनी कक्षाओं में ले जाने के लिए प्रोत्साहित किया।

स्टेट पीएसयू के सेवानिवृत्त कर्मचारियों की चिकित्सा प्रतिपूर्ति में आएगी एकरूपता

- हरियाणा सरकार ने जारी किए निर्देश
- वार्षिक मूल्यांकन के बाद निर्धारित होगी उस साल की राशि

संवाददाता

चंडीगढ़

हरियाणा सरकार ने राज्य के सार्वजनिक उपक्रमों के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को चिकित्सा प्रतिपूर्ति में एकरूपता लाने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

राज्य सरकार ने निर्णय लिया है कि प्रत्येक राज्य सार्वजनिक उपक्रम अपनी वित्तीय स्थिति का वार्षिक मूल्यांकन करने के पश्चात संबंधित उपक्रम के निदेशक मंडल तथा सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति से उस वित्त वर्ष के लिए सेवानिवृत्त कर्मचारियों को दी जाने वाली चिकित्सा प्रतिपूर्ति की राशि निर्धारित करेगा। इस खर्च का वहन संबंधित उपक्रम द्वारा किया जाएगा।

निदेर्शों में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यह वित्तीय स्वायत्तता केवल सेवानिवृत्त कर्मचारियों की चिकित्सा प्रतिपूर्ति सुविधा तक ही सीमित रहेगी। अन्य सभी वित्तीय मामलों में वित्त विभाग द्वारा 19 सितंबर, 2024 को जारी पत्र के निदेर्शों का अक्षरशः पालन किया जाएगा।

राज्य सरकार के संज्ञान में आया कि विभिन्न राज्य सार्वजनिक उपक्रम (पीएसयू) अपने स्तर पर भिन्न-भिन्न प्रावधानों के माध्यम से उन सेवानिवृत्त कर्मचारियों को चिकित्सा प्रतिपूर्ति सुविधा प्रदान कर रहे हैं जो कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) अथवा अंशदायी भविष्य निधि (सीपीएफ) के अंतर्गत आते हैं। इन भिन्न प्रावधानों के कारण विभिन्न संस्थाओं में असमानता उत्पन्न हो रही थी।

मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी, जिनके पास वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव का दायित्व भी है, द्वारा इस सम्बन्ध में राज्य के सभी बोर्डों, निगमों, कंपनियों, सहकारी संस्थाओं एवं स्वायत्त निकायों को पत्र जारी किया गया है।

हरियाणा में अधिकारी-कर्मचारियों की विदेश यात्राओं के सम्बन्ध में नए दिशा-निर्देश जारी

संवाददाता

चंडीगढ़

हरियाणा के वित्त विभाग ने सरकारी अधिकारी-कर्मचारियों की विदेश यात्राओं के सम्बन्ध में नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। ये निर्देश तत्काल प्रभाव से लागू होंगे और पूर्व में सभी आदेशों को निरस्त समझा जाएगा। मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी, जिनके पास वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव का दायित्व भी है, द्वारा जारी ये दिशा-निर्देश ग्रुप ह्यएह्ल, ह्यबीह्ल, ह्यसीह्ल एवं ह्यडीह्ल के सरकारी कर्मचारियों के साथ ही हरियाणा से जुड़े अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों पर भी लागू होंगे।

वित्त विभाग (एफ.आर. शाखा) इस संबंध में संबंधित प्रशासनिक विभाग की सिफारिश पर अनुमोदन प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री, मंत्रियों और विधायकों की विदेश यात्राओं के संबंध में मुख्य सचिव कार्यालय द्वारा दिशा-निर्देश पहले ही जारी किए जा चुके हैं। हालांकि अब वित्त विभाग से वित्तीय स्वीकृति लेना अनिवार्य होगा।

सरकारी खर्च पर की जाने वाली आधिकारिक विदेश यात्राओं के लिए प्रत्येक वित्तीय वर्ष में अधिकतम एक आधिकारिक और एक निजी यात्रा की अनुमति दी जाएगी। दोनों यात्राओं की कुल अवधि तीन सप्ताह से अधिक नहीं होगी। प्रस्तावों को संबंधित अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित ह्यचेक-लिस्टह्ल के साथ मुख्यमंत्री की स्वीकृति प्राप्त कर वित्त विभाग को भेजना अनिवार्य होगा। साथ ही संबंधित विभाग को यह सुनिश्चित करना होगा कि विदेश यात्रा भत्ता हेतु बजट का पर्याप्त प्रावधान उपलब्ध है।

व्यक्तिगत कारणों से स्वयं के व्यय पर विदेश यात्रा के लिए प्रत्येक वित्तीय वर्ष में केवल एक निजी यात्रा की अनुमति दी जाएगी। इस स्थिति में उस देश का नाम अनुमोदन पत्र में स्पष्ट रूप से अंकित करना होगा, जहां की यात्रा की जानी है। यदि किसी अधिकारी-कर्मचारी के विरुद्ध अपराध से जुड़ा कोई मामला लंबित है या मुख्य दंड हेतु आरोपपत्र जारी किया गया है, तो ऐसे मामलों में अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके अतिरिक्त, यदि निजी यात्रा का खर्च विभाग से जुड़ी किसी निजी संस्था द्वारा वहन किया जा रहा है तो अनुमति नहीं दी जाएगी।

किसी भी परिस्थिति में विदेश यात्रा के लिए एक्स-पोस्ट फैक्टो अप्रूवल प्रदान नहीं की जाएगी। बिना पूर्व अनुमति के विदेश जाने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा, विदेश में रहने के दौरान अधिकारी-कर्मचारी को बिना पूर्व स्वीकृति किसी भी प्रकार का कार्य (नौकरी) करने या निर्धारित अवधि से अधिक रुकने की अनुमति नहीं होगी।

जहाँ कार्यभार सौंपने या ग्रहण करने की व्यवस्था लागू है, वहाँ अधिकारी-कर्मचारी को विदेश जाने से पूर्व अपना कार्यभार अपने वैकल्पिक अधिकारी-कर्मचारी को सौंपना होगा। किसी भी उल्लंघन की स्थिति में संबंधित विभाग द्वारा हरियाणा सिविल सेवा (दंड एवं अपील) नियम, 2016 के अंतर्गत सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है।

वित्त विभाग ने स्पष्ट किया है कि इन दिशा-निदेर्शों की व्याख्या, संशोधन या इनमें का अधिकार केवल वित्त विभाग (एफ.आर. शाखा) के पास रहेगा।

हरियाणा का भू-मित्र चैटबॉट सरकारी सेवाओं को आपकी फिंगरटिप्स पर लाता है : डॉ. सुमिता मिश्रा

संवाददाता

चंडीगढ़

भू-मित्र व्हाट्सएप चैटबॉट के लॉन्च होने से हरियाणा के राजस्व विभाग की सेवाओं के लिए लंबी कतारों और जटिल नौकरशाही प्रक्रियाओं के दिन तेजी से खत्म हो रहे हैं। यह नवोन्मेषी डिजिटल-सहायक नागरिकों के सरकार के साथ संवाद करने के तरीके को मौलिक रूप से बदल रहा है, जिससे किसी भी मोबाइल फोन से प्रमुख सेवाएँ तुरंत उपलब्ध हो रही हैं।

हरियाणा के राजस्व विभाग की वित्त आयुक्त डॉ. सुमिता मिश्रा ने भू-मित्र को सरल, पारदर्शी और सुलभ शासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि यह चैटबॉट सरकारी सेवाओं को उनकी फिंगरटिप्स पर लाकर लोगों को सशक्त बनाता है। व्हाट्सएप पर बस कुछ ही टैप से, कोई भी कभी भी, कहीं भी जानकारी प्राप्त कर सकता है, शिकायत दर्ज कर सकता है या आवेदन की स्थिति देख सकता है।

डॉ मिश्रा ने बताया कि भू-मित्र चैटबॉट पाँच प्राथमिक सेवाएँ प्रदान करता है , इनमें राजस्व सेवाएँ, सीमांकन सेवाएँ, शिकायत दर्ज करें, शिकायत की स्थिति जानें, और जन सूचना तक पहुँच शामिल हैं। यह प्रणाली हिंदी और अंग्रेजी दोनों में काम करती है, जिससे सभी नागरिकों के लिए उपयोगकर्ता-अनुकूलता सुनिश्चित होती है। भू-मित्र चैटबॉट का नंबर 9593300009 है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, जिन्होंने इस पहल का शुभारंभ किया था , ने भी जोर देकर कहा था कि भू-मित्र हरियाणा की नागरिक-केंद्रित और भ्रष्टाचार-मुक्त शासन के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। यह प्रणाली लोगों को शीघ्रता से और सीधे सेवाएँ प्रदान करने के लिए डिजाइन की गई है, जिससे बिचौलियों की आवश्यकता प्रभावी रूप से समाप्त हो जाती है।

डॉ. मिश्रा ने बताया कि चैटबॉट की एक प्रमुख विशेषता इसका स्वचालित संचार है। सभी अपडेट और प्रतिक्रियाएँ व्हाट्सएप और एसएमएस के माध्यम से सीधे नागरिकों के साथ साझा की जाती हैं, जिससे बार-बार कार्यालय जाने या फॉलो-अप कॉल करने की आवश्यकता समाप्त हो जाती है। यह समयबद्ध, कागज रहित और पारदर्शी सेवा वितरण की गारंटी देता है जो राज्य के डिजिटल-हरियाणा के दृष्टिकोण का प्रमाण है।

उन्होंने प्रदेश के लोगों को इस चैटबॉट को अपनाने का आग्रह करते हुए कहा कि डिजिटल शासन की सच्ची सफलता सक्रिय जनभागीदारी पर निर्भर करती है। भू-मित्र चैटबॉट शासन को हर घर के करीब लाकर मुख्यमंत्री के डिजिटल हरियाणा, सशक्त नागरिक के लक्ष्य को साकार करने में मदद कर रहा है।

संपादकीय — भारत की जनसंख्या नीति का नया एजेंडा: संख्या नहीं, गुणवत्ता से बनेगा विकासशक्ति का आधार

भारत ने बीते कुछ दशकों में जनसंख्या नियंत्रण के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। जहां कभी तेजी से बढ़ती आबादी देश के संसाधनों पर दबाव डाल रही थी, वहीं अब जनसंख्या वृद्धि दर में धीरे-धीरे गिरावट देखने को मिल रही है। भारत सरकार ने 2021 में चीन को पछाड़कर विश्व की सबसे बड़ी जनसंख्या वाले देश का स्थान प्राप्त किया, लेकिन साथ ही यह भी स्पष्ट कर दिया कि 'जनसंख्या का आकार नहीं, उसकी गुणवत्ता' ही असली विकास का आधार होना चाहिए। जनसंख्या नीति के क्षेत्र में भारत ने अपने दीर्घकालिक लक्ष्यों को स्पष्ट रूप से रेखांकित किया है–केवल जनसंख्या वृद्धि को रोकना ही नहीं, बल्कि इसे ऐसे सामाजिक-आर्थिक ढांचे में ढालना है जो देश की उत्पादक क्षमता, मानव संसाधन और जीवन स्तर को ऊंचा उठाए। भारत की राष्ट्रीय जनसंख्या नीति 2000 इस दिशा में मील का पत्थर मानी जाती है। इसमें 2045 तक देश में 'स्थिर जनसंख्या' प्राप्त करने का लक्ष्य रखा गया था। नीति ने परिवार नियोजन को केवल जन्म नियंत्रण के रूप में नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, शिक्षा, लैंगिक समानता और आर्थिक अवसरों से जुड़ी सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में प्रस्तुत किया। सरकार द्वारा लागू किए गए विभिन्न कार्यक्रम – जैसे मिशन परिवार विकास, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, और आयुष्मान भारत योजना – ने मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को घटाने, महिलाओं की प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच बढ़ाने, और किशोरावस्था शिक्षा को प्रोत्साहित करने में मदद की है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार, भारत की कुल प्रजनन दर अब 2.0 तक पहुंच गई है, जो 'प्रतिस्थापन स्तर' से भी कम है। यह एक संकेत है कि भारत अब 'जनसंख्या स्थिरीकरण' की दिशा में अग्रसर है। आज भारत के सामने चुनौती यह नहीं कि जनसंख्या को कैसे रोका जाए, बल्कि यह कि मौजूदा जनसंख्या की शिक्षा, कौशल और स्वास्थ्य को कैसे बेहतर बनाया जाए। 'जनसंख्या नियंत्रण' शब्द अब अपने पुराने अर्थों से आगे बढ़ चुका है। यह अब 'जनसंख्या प्रबंधन' और 'मानव संसाधन निवेश' का रूप ले चुका है। भारत को 'जनसांख्यिकीय लाभांश' का जो अवसर मिला है–जहां युवाओं की संख्या सबसे अधिक है–वह तभी सार्थक होगा जब इस युवा वर्ग को गुणवत्ता-आधारित शिक्षा, रोजगार और कौशल विकास के अवसर मिलें। कई विशेषज्ञ इस बात पर जोर देते हैं कि स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और महिलाओं की शिक्षा ही जनसंख्या स्थिरीकरण के सबसे प्रभावी उपकरण हैं। जहां साक्षर और आर्थिक रूप से सशक्त महिलाएं अपने परिवारों के आकार के बारे में अधिक जागरूक और निर्णयक्षम होती हैं, वहीं स्वास्थ्य अवसंरचना की मजबूती से मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में गिरावट आती है। भारत सरकार ने 2025 तक 'किशोर एवं प्रजनन स्वास्थ्य के सार्वभौमिक अधिकार' को सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा है, जिसमें ग्रामीण और पिछड़े इलाकों तक सस्ती एवं सुरक्षित स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना प्राथमिकता है। जनसंख्या नीति में महिलाओं का सशक्तिकरण सबसे निर्णायक तत्व है। शिक्षित, आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से स्वतंत्र महिलाएं परिवार नियोजन और बच्चों के पालन-पोषण के प्रति ज्यादा जिम्मेदार रवैया अपनाती हैं। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ', 'सुकन्या समृद्धि योजना', और 'प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना' जैसे कार्यक्रम न केवल महिला सशक्तिकरण के प्रतीक हैं, बल्कि दीर्घकालिक रूप से जनसंख्या वृद्धि नियंत्रण में भी सहायक सिद्ध हो रहे हैं। विश्व के कई देशों–विशेषकर अफ्रीका और दक्षिण एशिया के राष्ट्रों–के लिए भारत का मॉडल एक प्रेरणा बन सकता है। जहां चीन ने कठोर 'एक बच्चे की नीति' अपनाई थी, वहीं भारत ने लोकतांत्रिक और स्वैच्छिक दृष्टिकोण को चुना, जो मानवाधिकारों और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का सम्मान करता है। भारत की नीतियां यह दशार्ती हैं कि जनसंख्या नियंत्रण केवल सरकारी आदेशों से नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता, शिक्षा और समानता के माध्यम से ही संभव है। हालांकि उपलब्धियां उल्लेखनीय हैं, पर चुनौतियाँ अभी भी गंभीर हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में अब भी परिवार नियोजन साधनों की पहुंच सीमित है। कई राज्यों में बाल विवाह और किशोर मातृत्व की दर चिंताजनक रूप से ऊंची है। स्वास्थ्य बजट का सीमित होना और जनसंख्या शिक्षा पर निवेश की कमी भी नीति के सफल क्रियान्वयन में बाधक है। इसके अतिरिक्त, कुछ राजनीतिक दलों द्वारा जनसंख्या नियंत्रण को धार्मिक या जनसंख्यिकीय संतुलन के रूप में प्रस्तुत करने से नीति का वैज्ञानिक और सामाजिक स्वरूप प्रभावित होता है। भारत अब उस दौर में है जहां 'कम जनसंख्या' नहीं बल्कि 'कुशल जनसंख्या' विकास की कुंजी है। जनसंख्या वृद्धि दर को कम करना केवल पहला कदम है, जबकि असली लक्ष्य है – ऐसी मानव शक्ति तैयार करना जो ज्ञान, स्वास्थ्य, नवाचार और उत्पादकता के माध्यम से भारत को 'विकसित राष्ट्र' बनाने में योगदान दे सके। अतः भारत की जनसंख्या नीति को अब मात्र संख्या घटाने की रणनीति से आगे बढ़कर गुणवत्ता आधारित विकास की समग्र नीति के रूप में लागू किया जाना चाहिए। यह न केवल भारत के लिए, बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक संतुलित और मानवीय जनसंख्या दृष्टिकोण का उदाहरण प्रस्तुत करेगा।

ब्रह्मपुत्र हाइड्रो प्रोजेक्ट : चीन को भारत का करारा जवाब

डॉ. मयंक चतुर्वेदी (हि.स)

वैश्विक राजनीतिक और रणनीतिक परिदृश्य लगातार बदल रहा है। सीमाएँ सिर्फ भौगोलिक दृष्टि से ही नहीं, वे ऊर्जा, जल और सुरक्षा की दृष्टि से भी अहमियत रखती हैं। ऐसे समय में, जब कोई पड़ोसी देश भारत के लिए दबाव या चुनौती उत्पन्न करता है, जैसे कि चीन द्वारा ब्रह्मपुत्र नदी के ऊपरी हिस्से पर बड़े बांध बनाने का कार्य हो, तब प्रतिक्रिया केवल कूटनीतिक बयानबाजी या आलोचना तक सीमित नहीं होनी चाहिए। वास्तविक रणनीति वह है जो दीर्घकालिक, ठोस और आत्मनिर्भर हो। अच्छी बात है कि यही दृष्टिकोण आज भारतीय नीति निमार्ताओं द्वारा अपनाया जाना सामने आ रहा है।

चीन की ओर से तिब्बत क्षेत्र में ब्रह्मपुत्र नदी (स्थानीय नाम यारलुंग जांगबो) के ऊपरी हिस्से में बड़े बांध विकसित किए जा रहे हैं। इन परियोजनाओं से भारत के लिए जल प्रवाह में कमी, बाढ़ नियंत्रण में मुश्किलें और संभावित सामरिक खतरे पैदा हो सकते हैं। जल बम के रूप में इनका इस्तेमाल युद्ध की स्थिति में संभव है। इन सभी खतरों को ध्यान में रखते हुए, भारत ने ब्रह्मपुत्र नदी बेसिन पर लगभग 76 गीगावाट की जलविद्युत क्षमता विकसित करने के लिए 6.4 ट्रिलियन रुपये की योजना तैयार की है। यह परियोजना केवल ऊर्जा उत्पादन तक सीमित नहीं है; यह राष्ट्रीय सुरक्षा, क्षेत्रीय विकास और रणनीतिक संतुलन के लिए भी महत्वपूर्ण है।

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) की रिपोर्ट के अनुसार, यह योजना 12 उप-बेसिनों में 208 बड़ी पनबिजली परियोजनाओं का निर्माण करेगी। इन परियोजनाओं में कुल मिलाकर 64.9 गीगावाट विद्युत उत्पादन और 11.1 गीगावाट पंप भंडारण क्षमता शामिल है। पंप भंडारण क्षमता का महत्व इसलिए है क्योंकि यह ऊर्जा की मांग और आपूर्ति में असंतुलन को संतुलित करने में सहायक होती है।

पूर्वोत्तर राज्यों में ब्रह्मपुत्र बेसिन की भौगोलिक स्थिति इस योजना को और अधिक रणनीतिक बनाती है। अरुणाचल प्रदेश, असम, सिक्किम, मिजोरम, मेघालय, मणिपुर, नागालैंड और पश्चिम बंगाल के हिस्सों में फैला यह बेसिन ऊर्जा उत्पादन के लिए अपार संभावनाएँ रखता है। विशेष रूप से अरुणाचल प्रदेश में उपलब्ध अप्रयुक्त पनबिजली क्षमता लगभग 52 प्रतिशत है। इसका अर्थ यह है कि यदि इस योजना को सफलतापूर्वक लागू किया जाता है, तो भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए काफी हद तक आत्मनिर्भर बन सकता है।

तकनीकी दृष्टि से परियोजना में जल प्रवाह का नियंत्रण, पंप भंडारण और सतत विद्युत उत्पादन पर विशेष ध्यान दिया गया है। चीन के बांधों द्वारा पानी की आपूर्ति पर संभावित प्रभाव को ध्यान में रखते हुए, भारत की योजना उच्च क्षमता वाले पनबिजली संयंत्रों और स्मार्ट ग्रिड नेटवर्क के माध्यम से स्थिर ऊर्जा उत्पादन सुनिश्चित करेगी। इससे पूर्वोत्तर में न केवल ऊर्जा संकट कम होगा, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

आर्थिक दृष्टि से इस परियोजना का पहला चरण 2035 तक पूरा होगा, जिसमें लगभग 1.91 ट्रिलियन रुपये का निवेश होगा। दूसरा चरण 4.52 ट्रिलियन रुपये की लागत से पूरा किया जाएगा। यह निवेश केवल ऊर्जा उत्पादन तक सीमित नहीं है। इससे पूर्वोत्तर राज्यों में रोजगार सृजन, बुनियादी ढांचे का विकास, और स्थानीय आर्थिक समृद्धि को भी बढ़ावा मिलेगा। एनएचपीसी, नीपको और एसजेवीएन जैसी केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियाँ इस परियोजना में शामिल हैं, जो इसे सफलतापूर्वक क्रियान्वित करने में सक्षम हैं।

परियोजना का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि ये भारत के पर्यावरणीय और ऊर्जा लक्ष्य से मेल खाती है। भारत ने 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ऊर्जा उत्पादन और 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य निर्धारित किया है। ब्रह्मपुत्र हाइड्रो प्रोजेक्ट इन लक्ष्यों की दिशा में केंद्रीय भूमिका निभा सकता है। पनबिजली परियोजनाओं के माध्यम से जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम होगी और सतत ऊर्जा उत्पादन सुनिश्चित होगा।

रणनीतिक दृष्टि से यह परियोजना यह संदेश देती है कि भारत किसी भी बाहरी दबाव या चुनौती के सामने कमजोर नहीं है। चीन के बांधों से उत्पन्न संभावित खतरों का उत्तर केवल विरोध या कूटनीतिक कदम से नहीं, ठोस, दीर्घकालिक और तकनीकी रूप से सक्षम योजना के माध्यम से दिया जा रहा है। यह दृष्टिकोण किसी भी वैश्विक शक्ति संतुलन के परिदृश्य में भारत की स्थिति को मजबूत करता है। इतिहास में इस तरह के अनेक उदाहरण मौजूद हैं, जब किसी देश ने प्रतिकूल परिस्थितियों या दबाव के सामने ठोस रणनीति अपनाई और दीर्घकालिक रूप से लाभ प्राप्त किया। भारत की यह योजना उसी सिद्धांत को स्पष्ट रूप से दशार्ती है कि किसी भी चुनौती या खतरे के उत्तर में दीर्घकालिक योजना, आत्मनिर्भरता और ठोस क्रियान्वयन ही वास्तविक समाधान हैं।

पूर्वोत्तर राज्यों में बिजली की बढ़ती मांग और स्थानीय विकास की आवश्यकता इस परियोजना को और भी महत्वपूर्ण बनाती है। उच्च क्षमता वाली पनबिजली परियोजनाओं और पंप भंडारण संयंत्रों के निर्माण से न केवल स्थिर ऊर्जा सुनिश्चित होगी, बल्कि ग्रामीण और आदिवासी इलाकों में बुनियादी ढांचे का विकास भी होगा। इसके अलावा, जल संसाधनों का सतत और प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा। सामरिक दृष्टि से, ब्रह्मपुत्र हाइड्रो प्रोजेक्ट यह स्पष्ट संदेश देता है कि भारत किसी भी बाहरी शक्ति द्वारा उत्पन्न संकट का सामना करने में सक्षम है। यह केवल ऊर्जा उत्पादन की दिशा में कदम नहीं है, राष्ट्रीय संकल्प और रणनीतिक स्थिरता का प्रतीक भी है। किसी भी दबाव या धमकी के उत्तर में सिर्फ विरोध करना पर्याप्त नहीं; वास्तविक प्रभावी प्रतिक्रिया वह है जो दीर्घकालिक, रणनीतिक और ठोस हो।

अंततः, ब्रह्मपुत्र हाइड्रो योजना यह प्रमाणित करती है कि किसी भी बाहरी दबाव या खतरे के सामने देश की प्रतिक्रिया केवल संवेगात्मक या तत्कालीन नहीं होनी चाहिए। यह दीर्घकालिक योजना, आत्मनिर्भरता और तकनीकी दक्षता के माध्यम से स्थिति को अपने पक्ष में मोड़ने का उदाहरण है। कहना होगा कि भारत का यह कदम ऊर्जा उत्पादन, बल्कि सामरिक संतुलन, पूर्वोत्तर राज्यों के विकास और जल संसाधनों के सतत उपयोग के दृष्टिकोण से बहुत महत्वपूर्ण है। निश्चित ही इस परियोजना के माध्यम से यह संदेश स्पष्ट है कि किसी भी चुनौती या खतरे के समय वास्तविक शक्ति केवल शब्दों में नहीं, बल्कि ठोस योजनाओं, दीर्घकालिक निवेश और रणनीतिक क्रियान्वयन में होती है। चीन जैसे पड़ोसी द्वारा उत्पन्न दबाव के बावजूद भारत ने स्पष्ट रूप से यह दिखाया है कि वह अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा, ऊर्जा आवश्यकताओं और सामरिक हितों के लिए सक्षम और आत्मनिर्भर है।

गौहत्या पर प्रतिबंध क्यों लगाया जाना चाहिए?

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल(हि.स)

हजारों वर्षों के प्रलेखित इतिहास के साथ देशी गाय भारतीय संस्कृति में महत्वपूर्ण योगदान रखती है। भगवान शिव के वाहन, नंदी बैल की मूर्ति, भारतीय मंदिरों और सामाजिक-सांस्कृतिक केंद्रों में प्रमुखता से प्रदर्शित की जाती है। प्राचीन काल में गायों का दैनिक जीवन में व्यापक रूप से उपयोग किया जाता था। गाय के कम वसा वाले दूध को माँ के दूध का एक अच्छा विकल्प माना जाता था। इसके अतिरिक्त, खाना पकाने का घी, डेयरी उत्पाद और मिठाइयाँ गाय के दूध से बनाई जाती थीं। यह ध्यान रखना दिलचस्प है कि गायों के अतिरिक्त उपयोग भी थे। समृद्ध जैविक खाद, जैसे कि गाय का गोबर, खेत की खाद और फर्श की प्लास्टरिंग दोनों के लिए उपयोग किया जाता था। इसका उपयोग गोबर के उपले के रूप में ईंधन के रूप में भी किया जाता था। इसके अतिरिक्त, गोमूत्र को चिकित्सीय और कीटनाशक गुणों वाला माना जाता था। इसके अतिरिक्त, गायों की प्रजनन और संतानों के लिए आवश्यकता थी। फिर, बैल जैसे भार ढोने वाले जानवर परिवहन और खेत की जुताई दोनों के लिए सहायक थे। इसलिए, वैज्ञानिक, सांस्कृतिक और आर्थिक कारणों से गाय समाज और लोगों दोनों के लिए एक मूल्यवान और प्रिय संपत्ति बन गई। वास्तव में, कौटिल्य के अर्थशास्त्र के दो अध्याय गायों को समर्पित हैं। इन सामाजिक-आर्थिक लाभों के कारण सदियों तक गोहत्या पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

वृहद आर्थिक स्तर पर, देशी गायें रोजगार पैदा करती हैं और दूध, चारा और चराई के लिए आवश्यक श्रम की आपूर्ति श्रृंखला के लिए आय उत्पन्न करती हैं। भारत जैसे उभरते राष्ट्र में जहाँ दो-तिहाई आबादी अभी भी जीविका के लिए कृषि पर निर्भर है, देशी गाय ग्रामीण अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनी हुई है, खासकर छोटे और सीमांत किसानों के लिए, हालाँकि इसे आज वैसी मान्यता नहीं मिली है।

कुछ इतिहासकारों के अनुसार, मोहनजोदड़ो के पुरातात्विक स्थल के हर स्तर पर कूबड़ वाले बैल के अवशेषों की प्रचुरता इस बात का संकेत है कि 'सिंधु घाटी मवेशियों की उत्तम नस्लों से विशेष रूप से समृद्ध रही होगी।' चाहे इसकी उत्पत्ति कुछ भी हो, गाय सदियों से भारतीय कृषि की आधारशिला रही है, जो दूध और दुग्ध उत्पादों के माध्यम से किसान परिवारों को पोषण प्रदान करती है, साथ ही कृषि कार्यों जैसे कि जमीन की जुताई और माल के परिवहन के लिए भारवाहक पशु शक्ति भी प्रदान करती है। गाय जीवन की लगभग सभी आवश्यक आवश्यकताओं को पूरा करती थी, जिसमें खेती और खाद, भोजन और जीविका, परिवहन और ईंधन शामिल हैं।

प्राचीन भारत में गायें

जब हम प्राचीन भारत से लेकर वर्तमान तक गाय के इतिहास पर नजर डालते हैं, तो भारतीय देशी गायों को प्राचीन काल से ही विभिन्न वैज्ञानिक कारणों से पूजा जाता रहा है। कृषि भारत की प्राथमिक आर्थिक शक्ति थी, और व्यावहारिक रूप से हर प्रमुख भारतीय त्योहार किसी न किसी कृषि गतिविधि के इर्द-गिर्द घूमता था। भारत के लोगों के लिए, देसी गाय धन का प्रतीक है। भारतीय किसान गाय के गोबर का उपयोग ईंधन और उर्वरक के स्रोत के रूप में करते रहे हैं। यह पूरी तरह से जैविक था और उच्च उपज वाली फसलें पैदा करता था। गायें पर्यावरण के लिए लाभकारी प्रथाओं के साथ स्थायी कृषि का एकमात्र स्रोत थीं। वास्तव में, उस समय गायों का मूल्य सोने से भी अधिक था। गायों को परिवार का सदस्य माना जाता था। 1580 में भारत आने वाले एक शुरूआती अंग्रेज आगंतुक, राल्फ फिच ने अपने घर भेजे पत्र में लिखा, 'उनका एक अजीबोगरीब समुदाय है- वे गाय की पूजा करते हैं और अपने घरों की दीवारों को रंगने के लिए गाय के गोबर का उपयोग करते हैं।' वे मांस नहीं खाते और कंद-मूल, अनाज और दूध पर जीवित रहते हैं।

अंग्रेजों ने भारत की आर्थिक वृद्धि को तहस-नहस कर दिया

जब अंग्रेज भारत पहुँचे और पूरे उपमहाद्वीप का अध्ययन किया, तो उन्हें पता चला कि वे सीधे तौर पर इस देश पर शासन नहीं कर सकते। भारतीय अर्थव्यवस्था देसी गाय और जैविक कृषि पर बहुत अधिक निर्भर थी और भारतीय शिक्षा प्रणाली पूरी तरह से नैतिकता, विज्ञान और गुरुकुल प्रणाली पर आधारित थी, जो संस्कृति में गहराई से समाहित थी। ब्रिटिश भारत के गवर्नर रॉबर्ट क्लाइव ने इस क्षेत्र में कृषि पर व्यापक अध्ययन किया। रॉबर्ट क्लाइव ने पाया कि गायें भारतीय कृषि के लिए आवश्यक हैं और उनके बिना कृषि संभव नहीं है। इस नींव को तोड़ने के लिए गायों का उन्मूलन आवश्यक था।

ब्रिटिश शासन के दौरान बूचड़खाना

इसलिए भारत में पहला बूचड़खाना 1760 में कोलकाता में स्थापित किया गया, जहाँ प्रतिदिन 30,000 से अधिक देसी गायों का वध किया जाता था, जिसके परिणामस्वरूप एक वर्ष में कम से कम एक करोड़ गायों का वध किया जाता था। ब्रिटिश सैनिक इसका उपयोग पोषण के लिए करते थे या इसे इंग्लैंड को बेचते थे। भारत में अंग्रेजों के लिए गोमांस मुख्य आहार बन गया। जब भारतीय कृषि को झटका लगा, तो अंग्रेजों ने व्यावसायिक खेती विकसित की, जो रसायनों और उर्वरकों पर भारी थी और इसे एक अलग वाणिज्य उद्योग में बदल दिया। उन्होंने अपने कुकर्मों से भारत की पूरी आर्थिक व्यवस्था को बर्बाद कर दिया। देसी गायों के विस्तार को पूरी तरह से रोकने के लिए, उन्होंने जर्सी आयात की और उसे देसी नस्ल की गायों के साथ संकरित किया।

गोहत्या के लिए पश्चिम के औचित्य अब निर्विवाद नहीं हैं। मांस से बेहतर प्रोटीन स्रोत हैं। किसी भी आहार विशेषज्ञ का चार्ट बताएगा कि 22% प्रोटीन वाला गोमांस, सोयाबीन (43%), मूंगफली (31%) और दालों (24%) से कम स्कोर करता है। एक किलोग्राम गोमांस बनाने के लिए सात किलोग्राम फसलों और 7,000 किलोग्राम पानी की आवश्यकता होती है। गाय संरक्षण आर्थिक और पर्यावरणीय दृष्टि से उचित है। हिंदू धर्म आचार्य सभा के संयोजक स्वामी दयानंद सरस्वती ने जोर देकर कहा है कि मांसाहार अप्रत्यक्ष रूप से ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन और अन्य प्रदूषकों में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

साल 2006 के संयुक्त राष्ट्र के एक आकलन के अनुसार, 'मांस के लिए जानवरों को पालने से दुनिया की सभी कारों और ट्रकों से उत्पन्न होने वाली ग्रीनहाउस गैसों से भी ज्यादा गैसें निकलती हैं।' भोजन के लिए पाले जाने वाले अरबों जानवर अपने मलमूत्र के जरिए मीथेन, नाइट्रस ऑक्साइड और कार्बन डाइऑक्साइड जैसी गैसें छोड़ते हैं। शोधपत्र में कहा गया है कि 'उत्सर्जित मीथेन में CO_2 की तुलना में 23 गुना ज्यादा ग्लोबल वार्मिंग क्षमता होती है।' इन जानवरों को चरने के लिए, अछूते जंगलों को नष्ट किया जा रहा है। पशुधन क्षेत्र को भी जानवरों के चारे के लिए एकल फसलें उगाने हेतु बड़े भूभाग की आवश्यकता होती है। जब पेड़-पौधे नष्ट हो जाते हैं, तो उनमें जमा उड2 वायुमंडल में चली जाती है।

चारा उगाने के लिए जीवाश्म ईंधन से बने कृत्रिम उर्वरकों का व्यापक उपयोग जरूरी है। हालाँकि इस प्रक्रिया से काफी मात्रा में CO_2 उत्पन्न होती है, लेकिन उर्वरक से नाइट्रस ऑक्साइड निकलता है, जो एक ग्रीनहाउस गैस है जो CO_2 से 296 गुना ज्यादा शक्तिशाली है। इन चौंकाने वाले निष्कर्षों के बावजूद, लोगों को लाल मांस से परहेज नही है। रोजाना लाखों जानवरों को मारने के लिए उन्हें पालने की जरूरत नहीं होगी। परिणामस्वरूप, जानवरों की आबादी कम हो जाएगी।

मांसाहार से परहेज करने वाला एक व्यक्ति प्रति वर्ष 1.5 टन CO_2 उत्सर्जन के बराबर बचत करता है। यह एक बड़ी सेडान कार से छोटी कार में जाने से बचाई गई एक टन उड2 से भी ज्यादा है। इसलिए शाकाहारी होने के कई कारण हैं। मांसाहारी लोग मानते हैं कि पूर्णतः शाकाहारी भोजन वैकल्पिक है। लेकिन आज अगर वे इस जीवनदायी ग्रह के साथ हो रहे बदलावों से अवगत होना चाहते हैं, तो उनके पास कोई विकल्प नहीं है। पर्यावरण पर पड़ने वाले भयानक प्रभावों को देखते हुए, गोमांस खाने का कोई औचित्य नहीं है। देसी गाय के पुनर्जागरण के लिए नए सिरे से उत्साह की आवश्यकता है। यह भारत के लिए संवैधानिक है, और हमें अपनी पूरी शक्ति से इसकी रक्षा करनी चाहिए।

दया, प्रेम, उदारता और त्याग से परिपूर्ण संसार का प्रतीक गाय है। इसमें पाँच गुणों का भी उल्लेख है। हालाँकि, इसने कुछ चुनिंदा लोगों के थोड़े से भौतिक और आर्थिक लाभ के लिए बहुमूल्य दिव्य प्रजातियों के साथ क्रूरता, दुर्व्यवहार और हत्या को जन्म दिया है। ये सभी बुचडखानों की ओर जा रहे हैं। मानव कल्याण और अस्तित्व के लिए, विज्ञान और परंपरा का संयोजन, तथ्यों को जनता के सामने रखना और इस अमूल्य प्रजाति को बचाना अत्यंत आवश्यक है। एक बार वैज्ञानिक और आर्थिक महत्व को मान्यता मिलने पर राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और देसी गाय की नस्ल का स्वाभाविक रूप से ध्यान रखा जाएगा। इसलिए, इस बात की प्रबल संभावना है कि पंचगव्य और उसके उत्पाद तथा अन्य वैज्ञानिक लाभ स्थायी उद्यमिता का सृजन करेंगे, जिससे एक स्थायी अर्थव्यवस्था का निर्माण होगा और इसलिए गौहत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आज का राशिफल

मेष: आज अपने काम की गुणवत्ता और व्यवहारिक संयम पर विशेष ध्यान दें। जल्दबाजी या भावनाओं में लिए गए निर्णय आपकी प्रतिष्ठा को प्रभावित कर सकते हैं। बच्चों पर अपनी इच्छाएं थोपने से बचें, अन्यथा तनाव बढ़ सकता है।

वृषभ: आपकी कार्यकुशलता और आत्मविश्वास दोनों में वृद्धि होगी। सहकर्मियों से सावधान रहें क्योंकि कुछ लोग आपकी सफलता से ईर्ष्या कर सकते हैं। वरिष्ठ अधिकारियों का विश्वास और सहयोग आपको आगे बढ़ाएगा। परिवार में सुख-शांति और सामंजस्य का माहौल रहेगा।

मिथुन: दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। मीडिया, शिक्षा या संचार क्षेत्र से जुड़े जातकों को नई उपलब्धि मिल सकती है। लंबे समय से अटके काम पूरे होंगे। माता-पिता का आशीर्वाद आपके लिए शुभ रहेगा। छात्रों को उच्च शिक्षा में सफलता मिलने की संभावना है।

कर्क: आज पैतृक संपत्ति से जुड़े मामलों में प्रगति हो सकती है। हालांकि काम की गति थोड़ी धीमी रहेगी। कार्यस्थल पर सहकर्मी सहयोग करेंगे लेकिन मन संतुष्ट नहीं रहेगा। प्रेम संबंधों में हल्का तनाव हो सकता है। थकान या पैरों में दर्द जैसी शारीरिक परेशानी हो सकती है।

सिंह: आपके सामने नए अवसर खुलेंगे। नौकरी बदलने या नई जिम्मेदारी मिलने के योग हैं। जीवनसाथी की ओर से कोई उपहार या सरप्राइज मिल सकता है। प्रेमी जोड़े आज रोमांटिक पल बिता सकते हैं। ससुराल पक्ष में किसी आयोजन का निमंत्रण मिल सकता है।

कन्या: स्वजन या साथी के साथ कुछ मतभेद हो सकते हैं। पुरानी नकारात्मक बातें आज आपके मूड को प्रभावित कर सकती हैं। कार्यस्थल पर झगड़े या तकरार से बचें। कोशिश करें कि सकारात्मक लोगों के साथ अधिक समय बिताएँ। संयम और विवेक से स्थिति संभाल लेंगे।

तुला: आज मानसिक स्थिति मजबूत रहेगी और सभी कार्य निर्धारित समय पर पूरे होंगे। अधिक सोच-विचार से बचें, क्योंकि आपका निर्णय आज सही रहेगा। व्यापार में लाभ और विस्तार के योग हैं। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आप शुभ कार्यों पर धन खर्च कर सकते हैं।

वृश्चिक: मनचाही जगह तबादले या पदोन्नति की संभावना बन रही है। वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा। नए कार्य या प्रोजेक्ट की शुरूआत के लिए दिन शुभ और प्रेरणादायक है। आप कठिन परिस्थितियों को अपने पक्ष में करने में सफल रहेंगे। आपकी व्यक्तित्व और आकर्षण शक्ति बढ़ेगी।

धनु: आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। छात्रों के लिए सफलता के अवसर बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र में कुछ परिवर्तन संभव हैं। धैर्य और विवेक से लिए गए निर्णय लाभदायक होंगे। अधूरे कार्यों का दबाव रहेगा, फिर भी बुजुर्गों के आशीर्वाद से सफलता मिलेगी।

मकर: जीवनसाथी से अनबन या नाराजगी हो सकती है, इसलिए व्यवहार में नरमी रखें। वित्तीय सीमाएं आपके कुछ कामों में बाधा डाल सकती हैं। किसी करीबी के साथ विश्वास का संकट पैदा हो सकता है। तनाव और सिरदर्द से राहत पाने के लिए आराम और मेडिटेशन करें।

कुंभ: घर में मांगलिक आयोजन या उत्सव की तैयारी हो सकती है। नया व्यापार शुरू करने के लिए यह शुभ दिन है। परिवार के साथ समय बिताने और घर की सजावट करने का मन बनेगा। आय के नए स्रोत खुल सकते हैं। प्रेम प्रस्ताव रखने के लिए दिन उत्तम है।

मीन: आपका आत्मविश्वास और निर्णय क्षमता चरम पर रहेगी। व्यापार में अच्छा मुनाफा हो सकता है। मित्रों की सलाह फायदेमंद रहेगी। शत्रु परास्त होंगे और सरकारी नौकरी वालों का मान-सम्मान बढ़ेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

मारिया मचाडो और लोकतंत्र की लौ

डॉ. सत्यवान सौरभ (हि.स)

वर्ष 2025 का नोबेल शांति पुरस्कार वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरीना मचाडो को मिला है। यह पुरस्कार न केवल एक व्यक्ति का सम्मान है, बल्कि उस विचार का भी जो यह मानता है कि लोकतंत्र केवल संस्थागत ढांचे से नहीं बल्कि व्यक्तिगत साहस, नैतिक प्रतिबद्धता और जनता के विश्वास से जीवित रहता है। संघर्षग्रस्त समाजों में जहाँ भय, हिंसा और सेंसरशिप का वातावरण हो, वहाँ व्यक्ति का नैतिक साहस ही लोकतंत्र की पहली लौ बनता है।

लोकतंत्र का अर्थ केवल चुनाव, संसद या संविधान तक सीमित नहीं है; यह एक नैतिक संस्कृति है, जहाँ नागरिकों को अपनी बात कहने, असहमति जताने और न्याय पाने का अधिकार होता है। परन्तु जब सत्ता निरंकुश हो जाती है, जब प्रेस पर अंकुश लगाया जाता है, जब विरोध को देशद्रोह कहा जाता है- तब लोकतंत्र की आत्मा घायल होती है। ऐसे समय में कोई भी आंदोलन, चाहे वह राजनीतिक हो या सामाजिक, तभी टिक पाता है जब उसमें व्यक्तिगत नेतृत्व का साहस और नैतिकता की दृढ़ता हो।

तानाशाही शासन के खिलाफ सबसे पहली दीवार वही व्यक्ति खड़ी करता है जो भय के आगे झुकता नहीं। व्यक्तिगत साहस का अर्थ है- अन्याय के विरुद्ध सत्य कहना, चाहे परिणाम कितना भी कठोर क्यों न हो। मारिया कोरीना मचाडो ने यही किया। उन्होंने गिरफ्तारी, प्रतिबंध, और धमकियों के बावजूद वेनेजुएला में शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक परिवर्तन की आवाज बुलंद रखी। इतिहास साक्षी है कि प्रत्येक युग में जब लोकतंत्र संकट में पड़ा, तो एक व्यक्ति के नैतिक साहस ने ही समाज को दिशा दी। महात्मा गांधी ने भारत में अहिंसक प्रतिरोध की परंपरा गढ़ी, मार्टिन लूथर किंग जूनियर ने अमेरिकी नागरिक अधिकार आंदोलन में रंगभेद के विरुद्ध आवाज उठाई और आंग सान सू की ने म्यांमार में दशकों तक सैन्य शासन के खिलाफ लोकतांत्रिक संघर्ष का नेतृत्व किया। इन सबने यह सिद्ध किया कि साहस सत्ता का विरोध नहीं, सत्य की सेवा है।

जब लोग अत्याचार से थक कर मौन हो जाते हैं, तब एक व्यक्ति का साहस सामूहिक चेतना को जगाता है। ऐसे साहसी लोग न केवल प्रतिरोध करते हैं बल्कि जनता में नैतिक आशा भी जगाते हैं कि परिवर्तन संभव है। मारिया मचाडो का नेतृत्व इसी प्रकार जनता को अहिंसक संगठित प्रतिरोध के लिए प्रेरित करता रहा। वेनेजुएला की जनता में लोकतांत्रिक उम्मीदें जिंदा रखना ही उनका सबसे बड़ा योगदान है।

तानाशाही शासन हमेशा सूचना और विचार की स्वतंत्रता से डरता है। ऐसे माहौल में जो व्यक्ति सत्य बोलता है, वह स्वयं एक संस्था बन जाता है। महात्मा गांधी का 'सत्याग्रह' इसका श्रेष्ठ उदाहरण है- जहाँ सत्य को हथियार बनाया गया और हिंसा को त्यागा गया। इसी प्रकार नेल्सन मंडेला ने वर्षों की कैद के बावजूद प्रतिशोध नहीं बल्कि क्षमा और मेल-मिलाप का रास्ता चुना। उनका साहस केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि नैतिक और मानवतावादी था।

इतिहास बताता है कि जब भी महिलाओं ने नेतृत्व संभाला, उन्होंने संघर्ष को संवाद, संवेदना और समावेशिता में बदला। मारिया मचाडो, एलेन जॉनसन सर्लीफ, मलाला यूसुफजई या कोरियाई मानवाधिकार कार्यकर्ता यो 'न-ही, सभी ने यह दिखाया कि शांति और लोकतंत्र की राह हिंसा नहीं, संवेदना से बनती है। महिला नेतृत्व समाज में एक नैतिक संतुलन लाता है, जहाँ संघर्ष का उद्देश्य केवल सत्ता परिवर्तन नहीं बल्कि मानव गरिमा की पुनर्स्थापना होता है।

नैतिक नेतृत्व केवल राजनीतिक कौशल नहीं होता, वह समाज के भीतर विश्वास का पुनर्निर्माण करता है। ऐसा नेतृत्व विरोध के साथ-साथ समाधान की राह भी दिखाता है। उसकी दृष्टि अल्पकालिक लाभों पर नहीं, बल्कि दीर्घकालिक न्याय और समानता पर होती है। जब संस्थाएँ विफल होती हैं, तब एक नेता का चरित्र ही उसकी शक्ति बनता है। पोलैंड के नेता लेच वालेसा का 'सॉलिडेरिटी आंदोलन' इसी का उदाहरण है, जहाँ मजदूरों के हक की लड़ाई ने पूरे राष्ट्र को लोकतंत्र की ओर मोड़ दिया। नेल्सन मंडेला का 'ट्रुथ एंड रिकॉन्सिलिएशन कमीशन' इस बात का प्रतीक है कि सत्य और क्षमा साथ चल सकते हैं।

लोकतांत्रिक नेतृत्व केवल घरेलू संघर्ष तक सीमित नहीं रहता; वह घरेलू पीड़ा को वैश्विक विमर्श में बदल देता है। मारिया मचाडो ने मानवाधिकार मंचों पर जाकर वेनेजुएला के संघर्ष को विश्व की चेतना से जोड़ा, जिससे अंतरराष्ट्रीय दबाव बना। यही कारण है कि आज वेनेजुएला की कहानी केवल एक देश की नहीं, बल्कि दुनिया के हर संघर्षग्रस्त समाज की कहानी बन गई है।

तानाशाही का सबसे बड़ा हथियार भय होता है। नैतिक नेता उस भय को तोड़ते हैं और जनता को विश्वास दिलाते हैं कि सत्ता सीमित है, पर जनता असीम है। लोकतंत्र का अस्तित्व इसी विश्वास पर टिका है कि हर नागरिक की आवाज मायने रखती है। भय को खत्म कर जब नागरिक बोलना शुरू करते हैं, तभी लोकतंत्र सांस ले पाता है।

भारत के स्वतंत्रता संग्राम में भी व्यक्तिगत साहस और नैतिक नेतृत्व का अद्भुत उदाहरण देखने को मिला। भगत सिंह, सुभाषचंद्र बोस, राममनोहर लोहिया, जयप्रकाश नारायण जैसे नेताओं ने यह दिखाया कि लोकतंत्र का जन्म संघर्ष से होता है और उसका पालन-पोषण नैतिक साहस से। आज भी भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में नागरिक अधिकारों की रक्षा तभी संभव है जब समाज में ऐसे नेतृत्व की भावना जीवित रहे।

लोकतंत्र केवल संस्थाओं से नहीं चलता, बल्कि उस भावना से जो नागरिकों के भीतर होती है। यदि समाज में भय, लालच या नफरत हावी हो जाए तो लोकतंत्र का स्वरूप कमजोर हो जाता है। ऐसे समय में नेता का काम केवल नीतियाँ बनाना नहीं, बल्कि नैतिक आदर्श प्रस्तुत करना होता है- जो जनता को यह सिखाए कि स्वतंत्रता का अर्थ केवल अधिकार नहीं, बल्कि कर्तव्य और अनुशासन भी है।

आज दुनिया के अनेक हिस्सों में लोकतंत्र खतरे में है- रूस, ईरान, म्यांमार, अफगानिस्तान, बेलारूस, सूडान, यहाँ तक कि कुछ विकसित लोकतंत्रों में भी सत्ता केंद्रीकरण और सूचना नियंत्रण की प्रवृत्ति बढ़ रही है। ऐसे में मारिया कोरिना मचाडो का साहस हमें याद दिलाता है कि लोकतंत्र की रक्षा बंदूकों से नहीं बल्कि सच बोलने वालों से होती है।

संघर्षग्रस्त समाजों में लोकतंत्र की रक्षा किसी संस्था, सेना या विदेशी सहायता से नहीं होती- वह उन साहसी व्यक्तियों से होती है जो सत्य, स्वतंत्रता और न्याय में विश्वास रखते हैं। वे जानते हैं कि परिवर्तन की राह कठिन है, परन्तु वह स्थायी होती है। मारिया कोरिना मचाडो का उदाहरण हमें यह सिखाता है कि नैतिक साहस ही वह दीपक है जो अधिनायकवाद के अंधेरे में लोकतंत्र की लौ को जीवित रखता है।

यह स्पष्ट है कि व्यक्तिगत नेतृत्व और नैतिक साहस लोकतंत्र की आत्मा हैं। संघर्षग्रस्त समाजों में वही नेता सफल होता है जो जनता को भय से मुक्ति दिलाकर विश्वास, सत्य और अहिंसा की राह दिखाता है। ऐसे व्यक्तित्व ही मानवता को यह संदेश देते हैं कि तानाशाही अस्थायी है, पर लोकतंत्र और सत्य शाश्वत हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

मानवता किसी भी समाज की सबसे बड़ी ताकत है, भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, पंजाब राज्य शाखा की 51वीं वार्षिक आम बैठक में बोले राज्यपाल कटारिया

पंजाब के राज्यपाल और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के प्रशासक ने नशा मुक्त पंजाब के लिए सामूहिक प्रयासों का आान किया

संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के राज्यपाल और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के प्रशासक, श्री गुलाब चंद कटारिया ने पंजाब राजभवन, चंडीगढ़ में आयोजित भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, पंजाब राज्य शाखा की 51वीं वार्षिक आम बैठक की अध्यक्षता की।

अपने संबोधन में, श्री कटारिया ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि रेड क्रॉस मानवता, करुणा और निस्वार्थ सेवा की महान भावना को कायम रखते हुए बिना किसी भेदभाव के मानवीय पीड़ा को कम करने के लिए अथक प्रयास कर रहा है। उन्होंने रेड क्रॉस आंदोलन के सभी सदस्यों और स्वयंसेवकों को उनके समर्पण और मानवीय प्रतिबद्धता के लिए बधाई दी।

राज्यपाल ने याद दिलाया कि निस्वार्थ सेवा का सार पंजाब के इतिहास में भाई घनैया जी के योगदान की जड़ें लंबे समय से हैं, जिन्होंने रेड क्रॉस की स्थापना से लगभग दो शताब्दी पहले, मित्र या शत्रु का भेद किए बिना घायलों की सेवा की थी। उन्होंने कहा कि यह शाश्वत उदाहरण पंजाब के मानवीय प्रयासों के लिए मार्गदर्शक प्रेरणा बना हुआ है।

पंजाब रेड क्रॉस की उल्लेखनीय पहलों की सराहना करते हुए, श्री कटारिया ने पारदर्शी और कुशल प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण कार्यक्रमों की शुरूआत, पीजीआईएमईआर और सरकारी अस्पतालों में गरीब मरीजों को मुफ्त दवाइयाँ उपलब्ध कराने और मादक द्रव्यों के सेवन से निपटने के लिए पुनर्वास और जागरूकता कार्यक्रमों की सराहना की। पंजाब की सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक पर प्रकाश डालते हुए, राज्यपाल ने कहा, पंजाब नशे की समस्या से गहराई से प्रभावित है।

सरकारी प्रयासों के साथ-साथ समाज को भी नशा मुक्त पंजाब के लिए सामूहिक रूप से काम करने के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ रेड क्रॉस शाखाओं के अभियानों की सराहना की और उनसे राज्य भर में इन पहलों को और तेज करने का आग्रह किया। पंजाब में हाल ही में आई बाढ़ का ज़िक्र करते हुए, श्री कटारिया ने प्रभावित क्षेत्रों में 1.5 करोड़ से अधिक मूल्य की राहत सामग्री उपलब्ध कराने में रेड क्रॉस टीमों की त्वरित प्रतिक्रिया की सराहना की। उन्होंने जिला शाखाओं के माध्यम से चल रहे पुनर्वास प्रयासों में सहायता के लिए 51 लाख की सहायता की भी घोषणा की।

कार्यक्रम के दौरान, श्री कटारिया ने रेड क्रॉस की गतिविधियों में उनके सराहनीय योगदान के लिए जिला रेड क्रॉस शाखाओं, उपायुक्तों, विश्वविद्यालयों, कॉलेजों, पॉलिटेक्निक संस्थानों, आईटीआई, स्कूलों और सामाजिक कार्यकताओं को सम्मानित किया। उन्होंने 100 से अधिक बार रक्तदान करने वाले उत्कृष्ट रक्तदाताओं के साथ-साथ मानवीय कार्यों के लिए आरईसी फाउंडेशन और भारतीय स्टेट बैंक जैसी संस्थाओं को उनके बहुमूल्य सीएसआर समर्थन के लिए भी सम्मानित किया।

राज्यपाल ने रेड क्रॉस आंदोलन को और मजबूत करने के लिए पारदर्शिता, जवाबदेही और समय पर ऑडिट के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने स्कूलों और कॉलेजों को युवा और जूनियर रेड क्रॉस गतिविधियों में छात्रों को सक्रिय रूप से शामिल करने के लिए प्रोत्साहित किया, जिससे संवेदनशील, ज़िम्मेदार और दयालु नागरिक।

वार्षिक आम बैठक से पहले भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, पंजाब राज्य शाखा की प्रबंध समिति की बैठक हुई, जिसमें विचार-विमर्श किया गया और माननीय राज्यपाल, पंजाब ने जिला रेड क्रॉस शाखाओं की व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए एक रोडमैप प्रस्तुत किया। उपस्थित प्रमुख लोगों में डॉ. बलबीर सिंह, स्वास्थ्य मंत्री, पंजाब, श्री विकास प्रताप, अतिरिक्त मुख्य सचिव, सामाजिक सुरक्षा एवं बाल विकास, पंजाब, श्री वी.पी. सिंह, राज्यपाल, पंजाब के प्रधान सचिव, श्री कुमार अमित, मुख्यमंत्री, पंजाब के विशेष प्रधान सचिव, श्री घनश्याम थोरी, विशेष सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, श्रीमती गौरी पराशर जोशी, सचिव, सामान्य प्रशासन जिन्होंने मुख्य सचिव, पंजाब का प्रतिनिधित्व किया, श्री विजय जाड़े, सचिव वित्त, पंजाब, डॉ. हितेंद्र कौर, निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं-सह-उपाध्यक्ष, पंजाब रेड क्रॉस, श्री शिवदुलार सिंह ढिल्लों, आईएएस (सेवानिवृत्त) सचिव, पंजाब रेड क्रॉस शामिल थे। इसके अलावा, पंजाब के उपायुक्त और उनके प्रतिनिधि, पंजाब तकनीकी विश्वविद्यालय, जालंधर और बाबा फरीद विश्वविद्यालय के कुलपति भी उपस्थित थे।

इन्वेस्ट पंजाब के बेंगलुरु आउटरीच में बड़ी संख्या में पहुंचे निवेशक: कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा

संवाददाता
चंडीगढ़

इन्वेस्ट पंजाब की ओर से बेंगलुरु में ह्यइन्वेस्ट पंजाब के तहत कारोबारी नेताओं से बातचीतह्न विषय पर आयोजित दो दिवसीय बैठक की मेजबानी की गई। इस बैठक में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा के नेतृत्व वाली टीम को उद्योग जगत के प्रमुख नेताओं से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली।

कैबिनेट मंत्री श्री संजीव अरोड़ा ने प्रमुख उद्योगपतियों के साथ वन-टू-वन और ग्रुप चचाएँ कर उनकी निवेश प्राथमिकताओं को जाना तथा पंजाब के मजबूत बुनियादी ढांचे, प्रगतिशील नीतियों और प्रोत्साहनों का खाका प्रस्तुत किया। मुख्य चचाओं में इंटेल, अर्जस स्टील, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड, आइडिया फोर्ज, सोनाटा

सॉफ्टवेयर, रॉयल आरचिड होटल्स, इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स एंड सेमीकंडक्टर एसोसिएशन (आइइएसए), आइइडीए, टिसॉल्व से जुड़े सीएक्सओज के सोसाइटी ऑफ इंडियन डिफेंस मैन्युफैक्चरर्स (एसआइडीएम), अरविंद कंसल्टेंसी, यूएचपी, आइइएसए, एसइएमआइ, इन्फिनियन टेक्नोलॉजी, एसएसीएल तथा उद्योगिक विकास के लिये पंजाब से जुड़ी अन्य कंपनियाँ शामिल थीं। कैबिनेट मंत्री श्री संजीव अरोड़ा ने इन औद्योगिक नेताओं को पंजाब में निवेश के लिए औपचारिक आमंत्रण दिया और राज्य सरकार की औद्योगिक गतिशीलता, रोजगार सृजन और व्यापार-अनुकूल वातावरण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता पर बल दिया। उन्होंने परियोजना कार्यान्वयन में तेजी लाने हेतु राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई सुगम सुविधा प्रणालियों और बुनियादी ढांचे के उन्नयन की जानकारी भी साझा की। मंत्री संजीव अरोड़ा ने बताया कि इन्वेस्ट पंजाब के रोड शो के दौरान टीम ने हीरो ग्रुप, एम्बर एंटरप्राइज, आइटीसी, वरुण बेवरेज से जयपुरियाज, इंटेल, एचएएल, अर्जस स्टील, मेदांता हॉस्पिटल, रॉयल आरचिड, सोनाटा सॉफ्टवेयर, ओला, आइडियाफोर्ज, ताज होटल्स के लिये आइएचसीएल, रालसन, जेनपैक्ट, मिंडा ग्रुप, जीएमआर, न्यू हॉलैंड, एआइपीएल, दावत राइस ग्रुप, एसीकेएमई सोलर, इंफो ऐज सहित देश की शीर्ष कॉर्पोरेट कंपनियों के साथ भावी निवेश को लेकर बातचीत की।

इस कार्यक्रम में पीडीसी की वाइस चेयरपर्सन सीमा बांसल, उद्योग एवं वाणिज्य सचिव के.के. यादव, पीएसआइइसी की प्रबंध निदेशक सौरभि मलिक, इन्वेस्ट पंजाब के सीइओ अमित ढाका, केपीएमजी से गौरव, तथा इन्वेस्ट पंजाब के वरिष्ठ अधिकारी और प्रमुख गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

गुरमीत सिंह खुड्डियां ने 25 वेटरनरी इंस्पेक्टरों सहित कुल 28 नव-नियुक्त उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र सौंपे

संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के पशुपालन, डेयरी विकास और मत्स्य पालन मंत्री श्री गुरमीत सिंह खुड्डियां ने आज 28 नव-नियुक्त युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे, जिनमें 25 वेटरनरी इंस्पेक्टर और तीन क्लर्क शामिल थे। एक चौथी श्रेणी कर्मचारी को पदोन्नति भी दी गई। मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार के सत्ता में आने के बाद अब तक विभाग में 326 वेटरनरी अफसर, 545 वेटरनरी इंस्पेक्टर और 63 क्लास-सी कर्मचारी - जिनमें क्लर्क, आंकड़ाकार, स्टेनो, जूनियर स्केल स्टेनोग्राफर, लैब सहायक, लैब तकनीशियन, मिल्क रिकॉर्डर, लीगल क्लर्क और मशीन ऑपरेटर शामिल हैं, की भर्ती की जा चुकी है। नव-नियुक्त कर्मचारियों को

बधाई देते हुए श्री गुरमीत सिंह खुड्डियां ने उन्हें पूरी लगन और ईमानदारी से अपनी ड्यूटी निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जनसेवा में ईमानदारी और जिम्मेदारी की भावना बेहद आवश्यक है। किसानों की सहायता और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में विभाग की अहम भूमिका को रेखांकित करते हुए उन्होंने बताया कि यह भर्ती विभाग की कार्यकुशलता और सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार के साथ-साथ पंजाब में पशु स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं को और सुदृढ़ बनाएगी।

मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार द्वारा युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार प्रदान करने के प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए श्री खुड्डियां ने बताया कि राज्य सरकार ने पंजाब के योग्य युवाओं को 55,000 से अधिक सरकारी नौकरियां देकर एक ऐतिहासिक मील का पत्थर स्थापित किया है। उन्होंने बताया कि ये सभी नियुक्तियां पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के आधार पर की गई हैं। उन्होंने यह भी बताया कि पशुपालन विभाग में 405 नए वेटरनरी अफसरों की भर्ती प्रक्रिया भी जारी है।

तरन तारन उपचुनाव: नामांकन के तीसरे दिन 3 नामांकन पत्र दाखिल

चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा की 21-तरन तारन सीट के उपचुनाव के लिए नामांकन के तीसरे दिन 3 नामांकन पत्र दाखिल किए गए हैं।

पंजाब के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि 21-तरन तारन सीट के लिए आज भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के उम्मीदवार करणबीर सिंह ने नामांकन पत्र दाखिल किया है। इसके अलावा शिरोमणि अकाली दल की उम्मीदवार सुखविंदर कौर और कंचनप्रीत कौर (कवरिंग उम्मीदवार) ने भी अपने नामांकन दाखिल किए हैं।

उल्लेखनीय है कि नामांकन की प्रक्रिया 13 अक्टूबर से शुरू हो चुकी है, लेकिन 13 और 14 अक्टूबर को किसी भी उम्मीदवार ने नामांकन पत्र दाखिल नहीं किया। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 अक्टूबर है, जबकि नामांकन पत्रों की जांच 22 अक्टूबर को की जाएगी। नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि 24 अक्टूबर, 2025 है।

पंजाब पुलिस द्वारा अंतरराष्ट्रीय हथियार एवं नशा तस्करी मॉड्यूल का पदार्फाश; 10 पिस्तौलें, 500 ग्राम अफीम सहित तीन गिरफ्तार

- गिरफ्तार आरोपी अंतर-जिला तस्करी गिरोह चला रहे थे: डीजीपी गौरव यादव
- आरोपी अमृतसर से फाजिल्का और तरनतारन सेक्टरों में ड्रोन के माध्यम से पाकिस्तान से भेजे गए कंसाइनमेंट प्राप्त कर रहे थे: सीपी अमृतसर गुरप्रीत भुल्लर

संवाददाता
चंडीगढ़/अमृतसर

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा-निर्देशों के तहत पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने की चल रही व्यापक मुहिम के दौरान, गुप्त सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में अमृतसर पुलिस कमिश्नरेट ने पाकिस्तान से जुड़े संगठित हथियार और नशा तस्करी मॉड्यूल के तीन सदस्यों को गिरफ्तार कर 10 आधुनिक पिस्तौलें और 500 ग्राम अफीम बरामद कर इस मॉड्यूल का पदार्फाश किया है। यह जानकारी आज यहां पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने दी।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान राजन उर्फ सागर (28), निवासी फैजपुरा, अमृतसर; सुरिंदर सिंह उर्फ पाली (24), निवासी गांव टाली वाला, फाजिल्का; और जगजीत सिंह (25), निवासी चीमा कला, तरनतारन के रूप में हुई है। इनसे बरामद हथियारों में चार 9 एमएम ग्लॉक पिस्तौलें और छह .30 बोर की पिस्तौलें शामिल हैं।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि गिरफ्तार आरोपी अंतर-जिला तस्करी गिरोह चला रहे थे और पाकिस्तान-आधारित एक हैंडलर से जुड़े हुए थे। बरामद हथियार पंजाब में गैरकानूनी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए गैंगस्टरों और अपराधियों को सप्लाई किए जाने वाले थे।

डीजीपी ने कहा कि इस मामले की जांच जारी है ताकि पूरे नेटवर्क का खुलासा किया जा सके और इसके तार कहां-कहां तक जुड़े हैं, यह पता लगाया जा सके। इस ऑपरेशन के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए कमिश्नर ऑफ पुलिस (सीपी) अमृतसर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि सबसे पहले आरोपी राजन को एक .30 बोर पिस्तौल और पर्याप्त मात्रा में अफीम के साथ गिरफ्तार किया गया था। उससे हुई पूछताछ से पूरे नेटवर्क का खुलासा हुआ।

उन्होंने बताया कि बाद की जांच में आरोपी सुरिंदर सिंह को गिरफ्तार किया गया, जिसके कब्जे से तीन .30 बोर पिस्तौलें और एक 9 एमएम पिस्तौल बरामद हुई। आगे की जांच में आरोपी जगजीत सिंह को गिरफ्तार किया गया, जिसके पास से तीन 9 एमएम ग्लॉक पिस्तौलें और दो .30 बोर पिस्तौलें बरामद की गईं। सीपी ने बताया कि जगजीत सिंह चार महीने पहले दुबई से लौटा था। सुरिंदर का गांव जलालाबाद (फाजिल्का) अंतरराष्ट्रीय सीमा के नजदीक स्थित है, जबकि जगजीत का पैतृक गांव जिला तरनतारन में सीमा के करीब है।

उन्होंने कहा कि आरोपी अमृतसर से फाजिल्का और तरनतारन सेक्टरों में ड्रोन के माध्यम से पाकिस्तान से भेजे गए कंसाइनमेंट प्राप्त करते थे और इन खेपों को सीधे या स्थान-आधारित डिलीवरी सिस्टम के जरिए आगे सप्लाई करते थे। इस संबंध में एफआईआर नंबर 196 दिनांक 08-10-2025 को एनडीपीएस एक्ट की धाराएं 18-बी और 29 तथा आर्म्स एक्ट की धारा 25 के तहत थाना सदर अमृतसर कमिश्नरेट में दर्ज की गई है।

इकोसिख पंजाब में लुप्त होने के कगार पर पहुंच चुके गुरु गोबिंद सिंह के पक्षी 'बाज' को पुनर्जीवित करने में जुटा

चंडीगढ़। इकोसिख, एक ग्लोबल गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) जो सिख समुदाय को जलवायु परिवर्तन के खतरों और प्राकृतिक पर्यावरण के बिगड़ते स्वरूप के प्रति एक जुट करके इन समस्याओं के समाधान हेतु काम करता है , ने गुरु गोबिंद सिंह से जुड़े पक्षी 'बाज' का कुनबा दोबारा से बढ़ाने के उद्देश्य से एक बड़ी योजना का खुलासा किया है। यह योजना मुंबई स्थित 140 साल पुराने संगठन, बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी (बीएनएचएस) के सहयोग से अमल में लाई जाएगी। इस पूरे प्रोजेक्ट का उद्देश्य पंजाब के आधिकारिक पक्षी 'बाज' या नॉर्दर्न गौसहॉक और एक अन्य बाज प्रजाति, शाहीन बाज के कुदरती आवास को फिर से आबाद करना है। इकोसिख ने गुरु तेग बहादुर जी की 350वीं शहादत के उपलक्ष्य में 350 वन लगाने का अभियान भी शुरू किया है। ये सभी घोषणाएं चंडीगढ़ के प्रेस क्लब में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में की गईं। डॉ. राजवंत सिंह, ग्लोबल प्रेसिडेंट, इकोसिख ने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह जी का उड़ता पक्षी, 'बाज' लोगों को गरिमा और साहस का जीवन जीने की याद दिलाता था। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि महान गुरु का यह महत्वपूर्ण प्रतीक और पंजाब का आधिकारिक राज्य पक्षी अब अपने प्राकृतिक आवास के नुकसान, अवैध व्यापार और प्रदूषण के कारण राज्य के आकाश से लुप्त हो गया है।

कुंदन इंटरनेशनल स्कूल ने मनाया 19वां संस्थापक दिवस

चंडीगढ़। सेक्टर 46-बी स्थित कुंदन इंटरनेशनल स्कूल ने अपने संस्थापक राय साहिब श्री कुंदन लाल जी – जो एक महान शिक्षाविद, समाजसेवी और स्वतंत्रता सेनानी थे – की स्मृति में अत्यंत उत्साह और गरिमा के साथ 19वां संस्थापक दिवस मनाया। यह आयोजन उनके उस सपने को श्रद्धांजलि था, जिसमें उन्होंने शिक्षा, नवाचार और मूल्यों के माध्यम से युवा मस्तिष्कों को सशक्त बनाने का लक्ष्य रखा था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में चंडीगढ़ के म्युनिसिपल कमिश्नर अमित कुमार, आईएएस उपस्थित रहे। इस अवसर पर श्री कुंदन लाल ट्रस्ट के सदस्य – ट्रस्ट प्रेसिडेंट` रमेश अग्रवाल, सेक्रेटरी अश्वनी कुमार, ट्रेजरार कपिल गुप्ता, राजेश तुटेजा तथा अन्य गणमान्य अतिथि भी उपस्थित थे। विद्यालय की प्रिंसिपल योगेशे जाडली ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत किया, जिसमें विद्यालय की उपलब्धियों और मील के पत्थरों का उल्लेख किया गया। इस अवसर पर उत्कृष्ट छात्रों और शिक्षकों को सम्मानित करने के लिए एक विशेष सम्मान समारोह भी आयोजित किया गया। मंजोत कौर और सत्यंम कौशिक को स्कूल टॉपर के रूप में सम्मानित किया गया। ईशमीत सिद्धू को स्टूडेंट ऑफ द ईयर और प्रथम कुमार को डिजिटल डायनामो अवॉर्ड से सम्मानित किया गया, साथ ही अन्य श्रेणियों में भी विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। शिक्षकों को उनके समर्पण, नवाचार और समग्र शिक्षा में योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

रैपिडो बना भारत का सबसे किफायती वन-स्टॉप ट्रैवल ऐप

चंडीगढ़। आपकी दैनिक सवारी से लेकर प्रिय यात्रा तक, रैपिडो ने भारतीय मोबिलिटी स्पेस में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। रैपिडो, जो भारत के अग्रणी राइडशेयरिंग प्लेटफॉर्म में से एक है, ने आज एक नया वन-स्टॉप ट्रैवल ऐप लॉन्च किया है, जिसमें फ्लाइट, होटल, बस और ट्रेन बुकिंग की सुविधा उपलब्ध है। इस नए ट्रैवल प्लेटफॉर्म के तहत, रैपिडो ने गोआईबिबो, रेडबस और कंफर्मटिकट के साथ साझेदारी की है, जो यात्रियों को सभी यात्रा सेवाओं का लाभ उठाने की अनुमति देता है। रैपिडो ऐप अब केवल रोजमर्रा सवारी के लिए नहीं, बल्कि लंबी दूरी की यात्रा के लिए भी एक समग्र समाधान बन गया है। उपयोगकर्ता अब कुछ ही क्लिक में अपनी यात्रा की योजना बना सकते हैं, चाहे वह एयरपोर्ट जाने की त्वरित सवारी हो या परिवार के साथ छुट्टी की तैयारी। रैपिडो के सह-संस्थापक अरविंद संका ने कहा, हम हमेशा से यात्रा को सरल और सुलभ बनाने के लिए प्रतिबद्ध रहे हैं। इस लॉन्च के साथ, हम अपने इस वादे को एक नए स्तर पर ले जा रहे हैं। मेकमायट्रिप के सह-संस्थापक और समूह के सीईओ राजेश मागो ने कहा, हम इस साझेदारी को लेकर बेहद उत्साहित हैं। यह सहयोग टियर-2 और टियर-3 शहरों के और अधिक यात्रियों को डिजिटल यात्रा सेवाओं तक पहुंच प्रदान करेगा, जिससे देश में डिजिटल ट्रैवल अपनाने की गति तेज होगी। कंफर्मटिकट के सीईओ दिनेश कुमार कोठा ने कहा, रैपिडो के साथ यह साझेदारी लाखों नए उपयोगकर्ताओं को हमारी सेवाओं का लाभ उठाने का अवसर देगी, जिससे वे अपनी ट्रेन यात्राओं की योजना और बुकिंग को और अधिक आसानी से कर सकेंगे।

वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने धूरी से मुआवजा वितरण की शुरूआत की

पंजाब सरकार ने वादा निभाया, संगरूर जिले के बाढ़ पीड़ितों के लिए 3.50 करोड़ रुपये की पहली मुआवजा राशि जारी

- पंजाब सरकार की समयबद्ध कार्रवाई ने बड़े नुकसान को टाला
- केंद्र सरकार से 1600 करोड़ रुपये की घोषित सहायता जल्द जारी करने की मांग

संवाददाता
चंडीगढ़/धूरी

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने बाढ़ पीड़ितों को दीवाली से पहले (30 दिनों के भीतर) मुआवजा/राहत राशि प्रदान करने का वादा पूरा करते हुए राज्य के लिए 209 करोड़ रुपये की पहली किश्त जारी की है। इसमें से संगरूर जिले के बाढ़ पीड़ितों को 3.50 करोड़ रुपये वितरित किए जाएंगे। आज, पंजाब के वित्त और योजना मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने धूरी निर्वाचन क्षेत्र में आठ बाढ़ प्रभावित परिवारों को स्वीकृति पत्र सौंपकर मुआवजा वितरण की शुरूआत की। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि आज, पंजाब भर में 13 कैबिनेट मंत्री मिशन पुनर्वास के तहत राहत राशि वितरित करने के लिए बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने अजनाला में 631 किसानों को 5.70 करोड़ रुपये के चेक वितरित करके मिशन पुनर्वास की शुरूआत की थी। उन्होंने कहा कि देश में पहली बार किसानों को प्रति एकड़ 20,000 रुपये मुआवजा दिया गया है। पंजाब सरकार हर सुख-दुख में लोगों के साथ खड़ी है।

उन्होंने कहा कि भारी बारिश और बाढ़ के कारण पूरे राज्य में बड़े पैमाने पर फसलें खराब हो गई थीं। कई लोगों के घर और अन्य इमारतें ढह गई थीं। प्रत्येक प्रभावित परिवार को नुकसान का आकलन करने के बाद राहत राशि दी जाएगी। पहली बार, प्रत्येक क्षतिग्रस्त घर को 40,000 रुपये मिलेंगे, जबकि पहले केवल 4,000 रुपये मिलते थे। किसानों को फसल के

नुकसान के लिए प्रति एकड़ 20,000 रुपये मिलेंगे। उन्होंने कहा कि पंजाब और पंजाबी प्राकृतिक आपदाओं के पीड़ितों के साथ हमेशा खड़े रहे हैं। हालांकि, केंद्र सरकार हर क्षेत्र में पंजाब और पंजाबियों के साथ भेदभाव करती है। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि वह पंजाब दौरे के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा घोषित 1600 करोड़ रुपये जल्द से जल्द जारी करे। उन्होंने स्पष्ट किया कि केंद्र द्वारा जारी किए गए 240 करोड़ रुपये वार्षिक किश्त का हिस्सा हैं। चीमा ने दावा किया कि पंजाब सरकार ने लोगों के सहयोग से पूरी ताकत के साथ बाढ़ का मुकाबला किया। यदि समय पर बचाव और राहत कार्य शुरू न किए गए होते, तो नुकसान बहुत अधिक होता। संगरूर जिला प्रशासन की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि घग्गर नदी में 747 फीट पानी होने पर आमतौर पर तटबंध टूट जाता था, लेकिन इस बार 755 फीट पानी होने के बावजूद स्थिति नियंत्रण में रही।

इससे पहले, डिप्टी कमिश्नर राहुल चाबा ने संगरूर जिले में बाढ़ से निपटने के लिए किए गए प्रयासों की जानकारी दी और मुआवजा राशि जारी करने के लिए पंजाब सरकार का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार के निदेशों का पालन करते हुए आपात स्थिति से निपटने के लिए अग्रिम व्यवस्थाएं की गई थीं। भारी बारिश के बावजूद, संगरूर जिले से गुजरने वाली घग्गर नदी के 41 किलोमीटर क्षेत्र में एक भी तटबंध नहीं टूटने दिया गया।

इस अवसर पर पंजाब राज्य खाद्य आयोग के सदस्य जसवीर सिंह सेखों, अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर अमित बैंबी, एसडीएम ऋषभ बंसल, धूरी मार्केट कमेटी के चेयरमैन राजवंत सिंह घुली, अनवर भसौर, सोनी मंदर और बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

पाक सेना और अफगान-तालिबान के बीच सीमा पर लड़ाई छिड़ी

पाकिस्तान ने किया कई तालिबानी टैंक और चौकियां नष्ट करने का दावा

एजेंसी (हि.स.)
इस्लामाबाद

एक टैंक पर हमला, लगी आग, तालिबान लड़ाके चौकियों से भागे

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कुर्रम जिले में अफगानिस्तान से लगती सीमा पर दोनों देशों के बीच लड़ाई छिड़ने की खबर आ रही है। पाकिस्तान का दावा है कि अफगानिस्तान ने बिना किसी उकसावे गोलीबारी की, जिसका माकूल जवाब दिया गया। इससे अफगान तालिबान को भारी क्षति हुई है। कई तालिबानी टैंक और चौकियां नष्ट कर दी गई हैं।

फोटोः हि.स.

डान अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के सरकारी मीडिया की खबर में दावा किया गया है कि खैबर पख्तूनख्वा के कुर्रम जिले में पाकिस्तानी सेना और अफगान तालिबान के बीच मंगलवार रात फिर से लड़ाई छिड़ गई। सरकारी प्रसारक पीटीवी न्यूज ने सुरक्षा सूत्रों के हवाले से बताया, अफगान तालिबान और प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (फितना अल-खवारिज) ने कुर्रम में बिना उकसावे के गोलीबारी की। पाकिस्तानी सेना ने पूरी ताकत और तेजी से जवाब दिया।

सुरक्षा सूत्रों के अनुसार, इस लड़ाई में तालिबान शासन की चौकियों को भारी नुकसान पहुंचा है और एक टैंक पर हमला होने के बाद उसमें आग लग गई। इससे तालिबान लड़ाके अपनी चौकियों से भाग गए। पीटीवी के अनुसार, शमसादर चौकी पर चौथे टैंक को तबाह कर दिया गया। पाकिस्तानी सेना के इस अभियान में फितना अल-खवारिज के बड़े कमांडर के मारे जाने की खबर है। इससे पहले आज दिन में विदेश सचिव राजदूत आमना बलोच ने इस्लामाबाद में स्थानीय राजदूतों को पाकिस्तान-अफगान सीमा पर हाल के घटनाक्रमों पर व्यापक जानकारी दी। उन्होंने पाकिस्तान की सुरक्षा चिंताओं और अपनी क्षेत्रीय अखंडता व राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के संकल्प पर जोर दिया। अफगान तालिबान बलों ने सप्ताहांत में सीमा पर स्थित चौकियों पर बिना उकसावे के हमला किया। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने कहा कि काबुल के आक्रमण का इस्लामाबाद ने भी जवाब दिया। इस लड़ाई में 23 पाकिस्तानी सैनिक और 200 से अधिक तालिबान और लड़ाके मारे गए। अफगानिस्तान ने दावा किया कि उसने यह हमला प्रतिशोध के तौर पर किया और इस्लामाबाद पर पिछले हफ्ते उसके इलाके में हवाई हमले करने का आरोप लगाया। इस्लामाबाद ने भी बार-बार काबुल से आतंकवादी समूहों को पाकिस्तान पर हमला करने के लिए अपनी जमीन का इस्तेमाल करने से रोकने का आान किया है। रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ ने सीमा पार आतंकवाद को लेकर जारी तनाव के बीच जियो न्यूज से एक दिन पहले कहा कि दोनों देशों के बीच शत्रुतापूर्ण माहौल है। उन्होंने यह भी कहा था कि लड़ाई किसी भी समय छिड़ सकती है।

द बलोचिस्तान पोस्ट (पश्तो भाषा) की रिपोर्ट में कहा गया है कि अफगानिस्तान और पाकिस्तान के सुरक्षा बलों के बीच सीमा पर झड़पों का सिलसिला एक बार फिर तेज हो गया है। सूत्रों के अनुसार, मंगलवार शाम खोस्त प्रांत के जाजी मैदान जिले में तालिबान और पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के बीच गोलीबारी हुई। झड़पों का दायरा नांगरहार तक फैल गया है। हेलमंद प्रांत में झड़प की तैयारी चल रही है।

नेतन्याहू मिले रिहा बंधकों से, एतान मोर से छूटने की वजह जानकर चौंके

एजेंसी (हि.स.)
तेल अवीव

फोटोः हि.स.

प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू हमास की कैद से छूटे बंधकों से मिलकर उनकी पीड़ा को समझने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने मंगलवार को यहां बेइलिन्सन अस्पताल में रिहा हुए बंधकों और उनके परिवारों से मुलाकात कर चर्चा की। सोमवार को रिहा किए बंधक एतन मोर की आपबीती सुनकर प्रधानमंत्री ही नहीं अन्य लोग भी चौंक गए। मोर ने बताया कि गाजा में कैद के दौरान एक हमास नेता ने उससे कहा था कि उसके रिहा होने की संभावना ज्यादा है, क्योंकि उसके परिवार ने सरकार पर बंधक-युद्धविराम समझौते के लिए दबाव डालने वाले विरोध प्रदर्शनों में हिस्सा नहीं लिया।

द टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री कार्यालय ने इसकी पुष्टि की है। रिपोर्ट के अनुसार, मोर ने प्रधानमंत्री को बताया कि इज्ज अल-दीन अल-हद्दाद इस समय आतंकवादी समूह हमास का वास्तविक नेता है। वह पहले हमास के गाजा सिटी ब्रिगेड की कमान संभालता रहा है। इसी नेता ने उससे कैद के दौरान कहा था, अगर किसी को सबसे पहले रिहा किया जाएगा, तो वो आप हैं। आपके पिता वैसे भी विरोध प्रदर्शनों में नहीं जाते, इसलिए हम आपको पहले वापस भेज देंगे। मोर के पिता ज्विका टिकवा फोरम के प्रमुख हैं। यह फोरम बंधक परिवारों का छोटा समूह है। यह फोरम पहले के उन समझौतों का विरोध करता रहा है, जिनमें सैकड़ों फिलिस्तीनी सुरक्षा कैदियों और गाजा में अस्थायी युद्धविराम के बदले में केवल कुछ बंधकों की रिहाई सुनिश्चित की गई थी। इस बीच बंधक परिवारों ने शव सौंपने में हमास की विफलता पर आईडीएफ प्रमुख से मुलाकात की मांग की है। बंधक और लापता परिवार मंच ने कहा है कि वह आईडीएफ चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल इयाल जमीर से बात करना चाहते हैं। मंच ने बयान में कहा है, परिवार चीफ ऑफ स्टाफ से इस बात का स्पष्टीकरण मांगेंगे कि आईडीएफ समझौते का सामान्य रूप से पालन क्यों कर रहा है, जबकि इस बात की गंभीर आशंका है कि बंधक कैद में ही रहेंगे क्योंकि हमास हस्ताक्षरित समझौते का खुलेआम उल्लंघन कर रहा है। परिवारों का आरोप है कि आईडीएफ अभी भी 7 अक्टूबर, 2023 के नरसंहार से पहले की तरह ही व्यवहार कर रहा है। हमास की बातों पर विश्वास कर रहा है। बजाय इसके कि वह यह समझे कि यह एक धोखेबाज और घृणित आतंकवादी संगठन है।

अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला तट पर नाव सवार छह लोगों को मारा

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
वाशिंगटन

अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला तट पर नाव सवार छह लोगों को मौत के घाट के उतार दिया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इन लोगों के पास ड्रग्स था। सेना ने अब तक 27 ऐसे लोगों को ऐसे मार गिराया है। दो सितंबर के बाद अमेरिकी सेना ने ऐसी कार्रवाई पांचवीं बार की है।

द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रंप ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर लिखा कि अमेरिका ने वेनेजुएला के तट के पास अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में एक नाव पर सवार छह लोगों को मार डाला। उन्होंने बिना किसी सबूत के दावा किया कि वे ड्रग्स ले जा रहे थे। ट्रंप ने कहा, खुफिया जानकारी से पुष्टि हुई है कि नाव से नशीले पदार्थों की तस्करी की जा रही थी। ट्रंप ने 33 सेकंड का एक हवाई निगरानी वीडियो भी पोस्ट किया। इसमें एक छोटी नाव तैरती हुई दिखाई दे रही है और फिर एक मिसाइल से टकराकर उसमें विस्फोट हो जाता है। राष्ट्रपति ने मारे गए लोगों की राष्ट्रीयता का खुलासा नहीं किया और न ही किसी विशिष्ट ड्रग कार्टेल या आपराधिक गिरोह का नाम बताया।

संसद विघटन के खिलाफ सभी दलों को एकजुट करने का प्रयास, स्पीकर ने बुलाई बैठक

काठमांडू। नेपाल में अंतरिम सरकार द्वारा संसद विघटन किए जाने के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ने के लिए स्पीकर देवराज घिमिरे ने बुधवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। अंतरिम सरकार गठन के बाद प्रधानमंत्री सुशीला कार्की की सिफारिश पर राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल ने संसद विघटन कर दिया था। सरकार के इस फैसले के खिलाफ में मंगलवार देर शाम तक सुप्रीम कोर्ट में 10 याचिका दायर की गई है। लेकिन राजनीतिक दलों को भी इसमें संयुक्त रूप से याचिका दायर कारण के लिए राजनीतिक दलों को एकजुट करने का प्रयास किया जा रहा है। विघटित प्रतिनिधि सभा के स्पीकर घिमिरे ने आज प्रतिनिधिन सभा में प्रतिनिधित्व करने वाले सभी 10 राजनीतिक दलों की संयुक्त बैठक बुलाई है। यह बैठक सिंहदरबार में संघीय संसद सचिवालय में बुलाई गई है। स्पीकर ने सभी दलों का प्रतिनिधित्व इस बैठक में सुनिश्चित हो इसके लिए स्वयं ही पार्टी अध्यक्ष को फोन भी किया था। इस विषय में स्पीकर घिमिरे ने कहा कि सभी दलों के तरफ से संयुक्त रूप से सुप्रीम कोर्ट में संसद विघटन के खिलाफ रिट दायर किया जाए वो इसके लिए प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अन्य स्वतंत्र व्यक्तियों के तरफ से दायर रिट को संबंधित पक्ष नहीं कहते हुए खारिज भी किया जा सकता है।

नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री देउवा लेंगे सक्रिय राजनीति से संन्यास

इलाज के लिए सिंगापुर जाने की तैयारी

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

फोटोः हि.स.

नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री शेरबहादुर देउवा पार्टी की सक्रिय राजनीति से संन्यास लेते हुए इलाज के लिए सिंगापुर जाने की तैयारी में हैं। पार्टी की केंद्रीय समिति की बैठक में एक लिखित वक्तव्य पढ़ते हुए उन्होंने इसकी जानकारी दी।

जेन जी विद्रोह के दौरान बुरी तरह से घायल हुए नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेरबहादुर देउवा 35 दिन बाद मंगलवार को अपने पार्टी के दफ्तर में आयोजित केंद्रीय समिति की बैठक में सहभागी हुए। उन्होंने पार्टी की जिम्मेदारी उपाध्यक्ष पूर्ण बहादुर खड़का को कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में सौंपने का फैसला किया है। देउवा ने कहा कि पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपने के साथ ही अब समय पर महाधिवेशन के बाद नए नेतृत्व का चयन हो जाए, इसके लिए सभी को तैयारी करनी होगी। देउवा ने महाधिवेशन के बाद निर्वाचित नए अध्यक्ष को पार्टी का नेतृत्व हस्तांतरण कर देंगे। देउवा ने अब राजनीति में सक्रिय नहीं रहने का संकेत देने के साथ ही अपने उपचार के लिए सिंगापुर जाने की बात कही है। पार्टी बैठक के बाद उन्होंने कहा कि अभी भी बहुत अधिक देर तक बैठने पर उन्हें चक्कर आने लगता है और बेहोशी छाने लगती है।

जेन जी विद्रोह के दौरान प्रदर्शनकारियों ने उनके घर में घुस कर शेरबहादुर देउवा और उनकी पत्नी आरजू देउवा पर हमले किए थे। इस दौरान उन पर खुकरी से भी हमला किया गया जिसके कारण शेर बहादुर देउवा के माथे पर 12 टांके और आरजू देउवा के गर्दन पर 8 टांके लगाए गए थे। प्रदर्शनकारियों ने पूरा उनका घर जला दिया था।

इस घटना के बाद पहली बार सार्वजनिक हुए देउवा दंपति ने इलाज के लिए सिंगापुर जाने की बात कही है। हालांकि उनके डिप्लोमेटिक पासपोर्ट को सरकार ने रद्द कर दिया है और उन दोनों के काठमांडू से बाहर जाने पर भी रोक लगा दी गई है।

संक्षिप्त-समाचार

छत्तीसगढ़ के सुकमा में 50 लाख के 27 इनामी नक्सलियों का आत्मसमर्पण

सुकमा/रायपुर। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में बुधवार को 50 लाख के इनामी 27 नक्सलियों ने पुलिस अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया है। सुकमा पुलिस अधीक्षक कार्यालय की तरफ से जारी की गई जानकारी के अनुसार आत्मसमर्पण करने वाले सभी नक्सली कई घटनाओं में शामिल रहे हैं। इनमें पीएलजीए बटालियन नंबर 01 में सक्रिय 02 हार्डकोर माओवादी सहित सीवाईसीएम के 01, पार्टी सदस्य 15 एवं अन्य 11 सक्रिय नक्सली शामिल हैं।

चार राज्यों की 5 विस सीटों पर उपचुनाव के लिए भाजपा ने जारी की उम्मीदवारों की सूची

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने बुधवार को चार राज्यों की 5 सीटों पर होने वाले विधानसभा उपचुनाव के लिए उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। इनमें एक मुस्लिम चेहरा भी शामिल है। भाजपा ने चार राज्यों की पांच सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। बुधवार को भाजपा महासचिव अरुण सिंह की तरफ से जारी की गई जानकारी के मुताबिक भाजपा ने झारखंड की घाटशिला (एसटी) सुरक्षित सीट से बाबूलाल सोरेन, जम्मू-कश्मीर की बडगाम सीट से आगा सैयद मोहसिन और नगरोटा से देवयानी राणा को उम्मीदवार बनाया है। जबकि ओडिशा की बुआपाड़ा सीट से जय ढोलकिया और तेलंगाना की जुबली हिल्स सीट से लंकाला दीपक रेड्डी को उम्मीदवार बनाया है।

पिकअप ट्रक में आग लगने से दो भाइयों की मौत

मोरीगांव (असम)। नई खरीदी गई गाड़ी में पहली यात्रा के दौरान बरपेटा जिले के दो भाइयों के लिए जानलेवा हादसे में बदल गई। बीती मध्य रात्रि को राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर जगीरोड के पास पिकअप ट्रक का भयानक एक्सीडेंट हुआ, जिसके बाद उसमें आग लग गई, जिससे दोनों भाइयों की जान चली गई। जागीरोड पुलिस ने बुधवार को बताया कि शुरूआती रिपोर्ट के मुताबिक, बोलेरो मैक्स पिकअप ट्रक (एएस-15एसी-9919) सब्जियों का कंसाइनमेंट लेकर बरपेटा रोड से सिलचर जा रहा था। जानकारी के अनुसार तेज रफ्तार से आ रहा वाहन सड़क के डिवाइडर से जोरदार तरीके से टकरा गया, जिससे शक है कि उसमें कोई मैकेनिकल खराबी आ गई, जिससे कुछ ही पलों में ट्रक में आग लग गई। वाहन का ड्राइवर और खलासी दोनों गाड़ी के अंदर फंस गए और बचाव दल के पहुंचने से पहले ही ज़िंदा जल गए। मरने वालों की पहचान रोहिज अली और बच्चू अली के रूप में हुई है, जो दोनों बरपेटा ज़िले के नालीगांव गांव के रहने वाले भाई थे। जगीरोड से इमरजेंसी रेस्पॉन्डर और लोकल पुलिस मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक मलबे के अंदर से पीड़ितों के जले हुए शरीर बरामद किये गये। अधिकारियों ने आग लगने का सही कारण पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है और यह भी पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि यह हादसा टेक्निकल खराबी या ओवर-स्पीडिंग की वजह से हुआ।

रोडवेज की बस हाइड्रा से टकरायी, दो यात्रियों के पैर कटे, आठ घायल

हरिद्वार। हरिद्वार-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर मंगलवार रात एक दर्दनाक हादसा हो गया। एक रोडवेज बस हाइड्रा मशीन से टकरा गई। इस हादसे में आठ यात्री घायल हो गए। जिनमे से दो के पैर कट गए। हादसा बढेड़ी राजपूताना के पास हुआ। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बस से बाहर निकाला गया। सूचना मिलने पर बहादराबाद थानाध्यक्ष अंकुर शर्मा पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य शुरू कराया। घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पताल भेजा गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हादसे के बाद हाईवे पर हड़कंप मच गया। पुलिस ने यातायात को नियंत्रित करने के लिए कदम उठाए। पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद ही हादसे के कारणों का पता चल पाएगा।

जैसलमेर बस अग्निकांड : 19 शवों को जोधपुर लाया गया

9 शव एमजीएच और 10 एम्स मोर्चरी में रखवाए गए

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
जोधपुर

जोधपुर जैसलमेर रोड थईयात गांव के पास में मंगलवार दोपहर हुई निजी बस अग्निकांड में मरने वाले 19 शवों को अब जोधपुर लाया गया है। जिनका डीएनए परीक्षण किया जाएगा और बाद में परिजन को सुपुर्द किया जाएगा। जोधपुर के एमजी अस्पताल और एम्स अस्पताल की मोर्चरी में शवों को रखवाया गया है।

एमजी अस्पताल अधीक्षक डॉ. फतेह सिंह भाटी ने बताया कि 09 शव एमजीएच और 10 शवों को एम्स अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। एक शव पहले से जोधपुर में है। घायलों में पांच लोग वेंटिलेटर पर और 8 की हालत नाजुक बनी हुई है। उल्लेखनीय है कि मंगलवार अपरान्ह साढ़े तीन बजे के आसपास जैसलमेर से जोधपुर की तरफ आ रही एक निजी बस में एसी में शार्ट सर्किट के बाद भीषण आग लग गई थी, हादसे में बीस लोगों की जलकर मौत हो गई। 15 लोग गंभीर और सामान्य तौर पर झुलस गए थे। बस में 57 लोग सवार थे। बस का इसी माह रजिस्ट्रेशन हुआ था और एकदम नई बस थी। रात में प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पहले जैसलमेर फिर जोधपुर के एमजी अस्पताल पहुंचे थे। घटनास्थल का दौरा करने के बाद चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने बताया कि बस में पीछे से धमाके की आवाज आई। आशंका है कि एसी का कंप्रेशर फट गया जिससे गैस और डीजल के साथ मिलकर भीषण आग लगी। एक ही दरवाजा था इसलिए लोग फंस गए। आगे की सीट वाले निकल गए। बस से जो बॉडी निकाली जा सकीं, आर्मी ने निकाल लीं। जो बिल्कुल खाक हो गए, उनका कहा नहीं जा सकता।

50-50 लाख सहायता की मांग इधर, हादसे के बाद मृतकों को लेकर सर्व ब्राह्मण समाज के प्रदेश अध्यक्ष पं. एस के जोशी ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से 50-50 लाख की सहायता की मांग रखी। साथ ही घायलों को दस-दस लाख का आग्रह किया गया है।

पिता को बचाने दौड़े बेटे की गई जान , करंट से मौत

नवादा। नवादा जिले के सिरदला थाना क्षेत्र के परणादाबर थाने मुरार कुरहा गांव में बुधवार को बिजली के गिरे हुए तार की चपेट में आने से एक बेटे की मौत हो गई, जबकि उसके पिता गंभीर रूप से झुलस गए। यह हादसा उस वक्त हुआ जब पिता कैलाश यादव (60) बधार की ओर निकले थे। रास्ते में गिरे एलटी लाइन के तार से उनका पैर छू गया और वे करंट की चपेट में आकर वहीं गिर पड़े। कुछ ही दूरी पर मौजूद उनके पुत्र प्रदीप कुमार (30) ने उन्हें बचाने की कोशिश की जैसे ही उसने पिता को पकड़ने की कोशिश की, वह भी तेज करंट की चपेट में आ गया। दोनों तड़पने लगे, चीख सुनकर ग्रामीण दौड़े और किसी तरह बिजली आपूर्ति बंद कराई। ग्रामीणों ने दोनों को आनन-फानन में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सिरदला पहुँचाया, जहाँ डॉक्टर सुरेन्द्र कुमार मिश्रा ने जांच के बाद प्रदीप कुमार को मृत घोषित कर दिया। पिता कैलाश यादव की हालत गंभीर बनी हुई है। वहीं डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए नवादा सदर अस्पताल भेज दिया है।

मप्र में लोकायुक्त की बड़ी कार्रवाई, सेवानिवृत्त आबकारी अधिकारी के 8 ठिकानों पर छापा

एजेंसी (हि.स.)
इंदौर

फोटोः हि.स.

मध्य प्रदेश लोकायुक्त की टीम ने बुधवार को गोपनीय शिकायत के आधार पर सेवानिवृत्त आबकारी अधिकारी धर्मेंद्र सिंह भदौरिया के 8 ठिकानों पर छापेमारी की। इनमें से 7 ठिकाने इंदौर और एक ठिकाना ग्वालियर में है। इंदौर में कैलाश कुंज, बिजनेस स्काई पार्क सहित सात और ग्वालियर में इंद्रमणि नगर स्थित घर पर सर्चिंग की जा रही है।

लोकायुक्त की टीम बुधवार सुबह सबसे पहले इंदौर के पलासिया स्थित फ्लैट पर पहुंची और सर्चिंग शुरू की। टीम ने फ्लैट में रखे दस्तावेजों की जांच शुरू की और लाखों रुपये नगद, महंगे आभूषण, विदेशी मुद्रा और लाइसेंसी हथियार जब्त किए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इंदौर स्थित फ्लैट की संपत्ति की कीमत ही 7 से 8 करोड़ रुपये बताई जा रही है। इसी दौरान लोकायुक्त की टीम ग्वालियर के विवेक नगर स्थित धर्मेंद्र सिंह भदौरिया के निवास पर भी पहुंची। यहां दस्तावेजों और संपत्ति की जांच की जा रही है। लोकायुक्त की यह कार्रवाई भदौरिया के कुल 8 ठिकानों पर एक साथ की जा रही है। हर ठिकाने पर टीम दस्तावेजों, बैंक खातों और घर में रखी संपत्ति की बारीकी से जांच कर रही है। जांच में जुटे लोकायुक्त अधिकारियों ने बताया कि विभिन्न बैंकों में उनके पांच लाकर निकले हैं। इसके साथ ही उनके कई बैंकों में खाते भी पाए गए हैं। उनके पास में बड़ी संख्या में गाड़ियां भी पाई गई है। इनकी जांच की जा रही कि इनमें से कौन सी गाड़ी किसके नाम पर है। भदोरिया के द्वारा काउंटी बाग में 4700 स्क्वायर फीट क्षेत्र में आलीशान बंगला बनाने का काम किया जा रहा था। मनोरमा गंज में उनके पास में तीन बेडरूम हॉल किचन का आलीशान फ्लैट हैं।

बांग्लादेश में वस्त्र कारखाने और रासायनिक गोदाम में आग लगने से 16 लोगों की मौत

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
ढाका

बांग्लादेश की राजधानी ढाका के मीरपुर इलाके में मंगलवार को एक वस्त्र कारखाने और रासायनिक गोदाम में आग लगने से कम-से-कम 16 लोगों की मौत हो गई है तथा इस दुर्घटना में मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। अग्निशमन सेवा के निदेशक ताजुल इस्लाम चौधरी ने आज यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आग इमारत की तीसरी मंजिल से शुरू हुई और जल्द ही वस्त्र कारखाने से सटे रासायनिक गोदाम तक फैल गई। गोदाम में ब्लीचिंग पाउडर, प्लास्टिक और हाइड्रोजन पैरॉक्साइड जैसे खतरनाक रसायन रखे थे। उन्होंने कहा दूसरी और तीसरी मंजिल से 16 शव बरामद किए गए हैं। खोज एवं बचाव कार्य अभी जारी हैं और मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। अधिकारियों ने बताया कि अभी तक आग लगने का कारणो का पता नहीं चल सका है। फैक्ट्री के मालिकों की धरपकड़ के लिए पुलिस और सेना जुटी हुई है।

इस बीच सरकार के अंतरिम प्रमुख मुहम्मद यूनुस ने इस त्रासदी पर दुःख व्यक्त किया है और घटना की स्वतंत्र जांच कराने एवं प्रभावितों को हर संभव सहायता देने का निर्देश दिया है।

रहस्य पानी ऊपर बहता है, गाड़ी खुद चढ़ाई चढ़ जाती है मैनपाट की वादियों में प्रकृति का हैरतअंगेज खेल

छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर का 'उल्टापानी' जहां गुरुत्वाकर्षण भी हार मान लेता है!

रहस्यमय जगह, जहां नजरें धोखा खा जाती हैं

एजेंसी (हि.स.)
अंबिकापुर

छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर जिले के मैनपाट की हरी-भरी वादियाँ इस वक्त चचाओं में हैं। वजह है यहां का मशहूर 'उल्टापानी', जहां पानी नीचे नहीं, ऊपर की ओर बहता दिखाई देता है। गाड़ियां न्यूट्रल में डालने पर खुद-ब-खुद चढ़ाई चढ़ जाती हैं। ऐसा दृश्य देखने के बाद हर कोई सोच में पड़ जाता है क्या यहाँ गुरुत्वाकर्षण के नियम बदल गए हैं? अंबिकापुर से लगभग 55 किलोमीटर दूर मैनपाट के बिसर पानी क्षेत्र में यह प्राकृतिक रहस्य स्थित है। चारों ओर ऊँचे पेड़, घुमावदार सड़कें और हल्की ढलानें हैं लेकिन इन ढलानों पर पानी की धाराएं ऊपर जाती नजर आती हैं। स्थानीय निवासी बताते हैं कि, यह दृश्य वर्षों से वैसा ही है, और अब यह जगह देश-विदेश के पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन चुकी है।

लछन बाई, जो पास के गांव की निवासी हैं, कहती हैं कि, हम तो बचपन से देख रहे हैं बेटा, यहाँ पानी नीचे नहीं, ऊपर चढ़ता है। गाड़ी भी बिना गियर लगाए ऊपर की तरफ चल पड़ती है। भगवान की लीलाएं हैं ये! ड्राइवर रमेश गुप्ता मुस्कुराते हुए बोले कि, पहली बार देखा तो डर ही गया था, लगा गाड़ी में कुछ गड़बड़ है। अब सैलानियों को यही दिखाने लाते हैं, और सब दंग रह जाते हैं।

फोटोः हि.स.

वैज्ञानिकों ने बताया भ्रम, चमत्कार नहीं

सरगुजा विश्वविद्यालय के भूगोल विभागाध्यक्ष प्रो. आर.के. वर्मा बताते हैं कि, यह एक ऑप्टिकल इल्यूजन (दृश्य भ्रम) है। भूमि का झुकाव और पेड़ों की दिशा ऐसी है कि आंखें असली ढलान को पहचान नहीं पातीं। जब हमने थ्योदो लाइट और लेवलिंग उपकरण से जाँच की, तो पाया कि पानी वास्तव में नीचे ही बह रहा है लेकिन देखने में वह ऊपर जाता प्रतीत होता है।

सैलानियों के लिए हैरत और रोमांच का संगम

रायपुर से आई पर्यटक निधि अग्रवाल कहती हैं कि, हमने वीडियो बनाया, कागज की नाव छोड़ी सचमुच ऊपर जा रही थी! बच्चों ने तो कहा ये मैजिक वाटर है। मैनपाट में यह जगह सबसे रोमांचक लगी।

मिनी तिब्बत की पहचान में एक नया आकर्षण

मैनपाट को पहले ही मिनी तिब्बत कहा जाता है। यहाँ का मौसम, ऊँचाई और प्राकृतिक सौंदर्य हर किसी को मोह लेता है। अब उल्टापानी इस हिल स्टेशन की नई पहचान बन चुका है। स्थानीय प्रशासन इसे पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की दिशा में काम कर रहा है।

रहस्य नहीं, प्रकृति की रचना का कमाल

उल्टापानी यह साबित करता है कि प्रकृति हमेशा हमारी इंद्रियों से ज्यादा चतुर है। यह कोई चमत्कार नहीं, बल्कि प्रकृति का एक सुंदर भ्रम है जो हमें यह सिखाता है कि हर दिखने वाली चीज वैसी नहीं होती जैसी लगती है। अंबिकापुर का यह जल-संगम अब सिर्फ वैज्ञानिकों के लिए अध्ययन का विषय नहीं, बल्कि पर्यटकों के लिए अद्भुत अनुभव का ठिकाना बन गया है।

14 साल बाद दक्षिण अफ्रीका की वापसी ऐतिहासिक जीत के साथ किया क्वालीफाई

फीफा वर्ल्ड कप 2026: दक्षिण अफ्रीका 18 अंकों के साथ ग्रुप में पहले स्थान पर रहा

थालेन्टे म्बाथा ने गोल कर बढ़त दिलाई

एजेंसी (हि.स.)
केप टाउन

फोटोः हि.स.

दक्षिण अफ्रीका ने मंगलवार को रवांडा को 3-0 से हराकर फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए क्वालीफाई कर लिया है। यह उसकी 2010 के बाद पहली वर्ल्ड कप एंट्री होगी। ग्रुप सी में शीर्ष स्थान हासिल करते हुए उसने शानदार अंदाज में फाइनल राउंड में जगह बनाई। इस जीत में नाइजीरिया ने भी अहम भूमिका निभाई, जिसने बेनिन को 4-0 से हराकर दक्षिण अफ्रीका को आगे बढ़ने में मदद की।

बेनिन अंतिम दौर से पहले दो अंकों की बढ़त पर था, लेकिन नाइजीरिया के खिलाफ करारी हार के चलते वह तीसरे स्थान पर खिसक गया। नाइजीरिया और बेनिन दोनों के 17-17 अंक रहे, लेकिन बेहतर गोल अंतर की बदौलत नाइजीरिया उपविजेता बना। दक्षिण अफ्रीका 18 अंकों के साथ ग्रुप में पहले स्थान पर रहा। दक्षिण अफ्रीका के लिए थालेन्टे म्बाथा ने मैच की शुरूआत में ही पांचवें मिनट में गोल कर बढ़त दिलाई। 21वें मिनट में ओसविन अपोलिस ने दूसरा गोल दागा, जबकि 72वें मिनट में एविडेंस मकगोपो ने हेडर के जरिए तीसरा गोल कर जीत पक्की कर दी। गौरतलब है कि पिछले महीने दक्षिण अफ्रीका के तीन अंक काट लिए गए थे क्योंकि उसने मार्च में एक निलंबित खिलाड़ी को खिलाया था। हालांकि अब यह गलती पीछे छूट चुकी है और टीम ने 14 साल बाद वर्ल्ड कप में जगह बना ली है। दूसरी ओर, नाइजीरिया के लिए विक्टर ओसिमेन ने शानदार हैट्रिक लगाई। उन्होंने तीसरे मिनट में पहला गोल किया, 37वें मिनट में दूसरा और दूसरे हाफ की शुरूआत में तीसरा गोल दागा। फ्रैंक ओन्येका ने आखिरी मिनटों में चौथा गोल कर स्कोर 4-0 कर दिया।

उधर, अल्जीरिया ने भी अपनी जगह पक्की कर ली है। मंगलवार को उसने युगांडा को 2-1 से हराया। मोहम्मद अमौरा ने दो पेनल्टी गोल करते हुए अल्जीरिया को जीत दिलाई। अमौरा अब अफ्रीकी क्वालिफायर में 10 गोल के साथ टॉप स्कोरर बन गए हैं। इस जीत के साथ अल्जीरिया ने ग्रुप जी में 25 अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया।

लुका जिदान (फ्रांस के महान फुटबॉलर जिदान के बेटे) ने अल्जीरिया के लिए गोलकीपर के रूप में डेब्यू किया, हालांकि शुरूआती छह मिनट में ही स्टीवन मुकवाला ने युगांडा के लिए गोल कर टीम को बढ़त दिला दी थी। इस जीत के साथ दक्षिण अफ्रीका, नाइजीरिया (संभावित प्लेऑफ), और अल्जीरिया ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 में अपने अभियान की मजबूत शुरूआत कर दी है।

अफगानिस्तान ने बांग्लादेश को 200 रनों से रौंदा, वनडे सीरीज में क्लीन स्वीप

अफगानिस्तान ने पांचवीं वनडे सीरीज जीती

एजेंसी (हि.स.)
अबू धाबी

फोटोः हि.स.

अफगानिस्तान ने मंगलवार देर रात अबू धाबी के शेख जायद स्टेडियम में खेले गए तीसरे वनडे मैच में बांग्लादेश को 200 रनों से हराकर तीन मैचों की सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली। यह अफगानिस्तान की लगातार पांचवीं वनडे सीरीज जीत है। टी20 सीरीज में 0-3 से हारने के बाद अफगान टीम ने जोरदार वापसी करते हुए बांग्लादेश को वनडे में उसी अंदाज में मात दी।

पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान ने 50 ओवर में 9 विकेट पर 293 रन बनाए। टीम के लिए इब्राहिम जादरान ने 95 रन की शानदार पारी खेली, जबकि मोहम्मद नबी ने 37 गेंदों में तूफानी 62 रन ठोके। जवाब में बांग्लादेश की टीम महज 27.1 ओवर में 93 रन पर सिमट गई। बिलाल सामी ने घातक गेंदबाजी करते हुए 33 रन देकर 5 विकेट झटके, जबकि राशिद खान को 3 विकेट मिले।

संक्षिप्त स्कोर

अफगानिस्तान -293/9 (इब्राहिम जादरान 95, मोहम्मद नबी 62*, सैफ हसन 3/6, तनवीर इस्लाम 2/46)
बांग्लादेश - 93 (सैफ हसन 43; बिलाल सामी 5/33, राशिद खान 3/12)
परिणामः अफगानिस्तान ने 200 रनों से जीत दर्ज की।

अफगानिस्तान की पारी की शुरूआत रहमानुल्लाह गुरबाज और इब्राहिम जादरान ने आक्रामक अंदाज में की। दोनों ने पहले विकेट के लिए 15 ओवर में 99 रन जोड़े। गुरबाज 40 रन बनाकर आउट हुए, जबकि इब्राहिम 95 रन पर रन आउट हुए। नबी ने अंतिम ओवरों में धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए मात्र 14 गेंदों में 45 रन जोड़े और पारी को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश की टीम शुरूआत में ही लड़खड़ा गई। मोहम्मद नाइम नौवें ओवर में आउट हुए और इसके बाद विकेटों की झड़ी लग गई। 70/3 के स्कोर से टीम 81/8 तक सिमट गई। केवल सैफ हसन ही 43 रन बनाकर टिक सके, बाकी सभी बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा पार नहीं कर सके।

इंग्लैंड ने लातविया को 5-0 से हराकर 2026 फीफा वर्ल्ड कप में जगह पक्की की

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

इंग्लैंड ने लातविया को 5-0 से हराकर 2026 फीफा विश्व कप के लिए अपनी जगह पक्की कर ली। बुधवार (भारतीय समयानुसार) को हुए मुकाबलों में हैरी केन का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। इसके साथ ही इटली और इजरायल के मैच से पहले प्रोपैलेस्टाइन प्रदर्शनों ने भी माहौल गर्म कर दिया।

ग्रुप के में इंग्लैंड ने अपनी विजयी लय को जारी रखते हुए रीगा में लगातार छठी जीत दर्ज की। इस जीत के साथ इंग्लैंड के 18 अंक हो गए और उसे शीर्ष स्थान पर सात अंकों की बढ़त मिल गई, जिससे उसने दो मैच शेष रहते ही विश्व कप का टिकट हासिल कर लिया। इंग्लैंड के लिए एंथनी गॉर्डन ने पहला गोल किया, जिसके बाद हैरी केन ने दो गोल दागे, जिसमें एक पेनल्टी भी शामिल थी। हाफ टाइम तक इंग्लैंड 3-0 की बढ़त बना चुका था। इस प्रदर्शन के साथ केन ने क्लब और देश के लिए इस सीजन में 13 मैचों में कुल 21 गोल पूरे कर लिए। मैच के बाद इंग्लैंड के कोच थॉमस टुशेल ने कहा, ह्वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई करना हमेशा खास होता है, इसलिए टीम का मूड बहुत शानदार है।

दूसरे हाफ में लातविया के मक्सिम्स टोनिसेव्स के आत्मघाती गोल और एबेरेची एजे के गोल ने इंग्लैंड की 5-0 की एकतरफा जीत पर मुहर लगा दी।

कोहली और रोहित सहित भारतीय टीम का पहला बैच ऑस्ट्रेलिया रवाना

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा सहित भारतीय टीम का पहला बैच बुधवार को यहां से ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना हो गया जहां उसे 19 अक्तूबर से तीन मैच की एकदिवसीय श्रृंखला खेलनी है। कोहली और रोहित के साथ टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल, सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल, ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी और तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और प्रसिद्ध कृष्णा के अलावा सहयोगी स्टाफ के कुछ सदस्य भी ऑस्ट्रेलिया रवाना हो गए। यह ग्रुप सुबह इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचा, जहां कुछ प्रशंसक उनकी एक झलक पाने के लिए प्रवेश द्वार के बाहर कतार में खड़े थे। मुख्य कोच गौतम गंभीर और कोचिंग स्टाफ के कुछ अन्य सदस्य शाम को रवाना होंगे। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला वनडे मैच 19 अक्तूबर को पर्थ में खेला जाएगा। इसके बाद अगले दो मैच एडिलेड और सिडनी में खेले जाएंगे। इसके बाद पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला खेली जाएगी और इस प्रारूप के विशेषज्ञ 22 अक्तूबर को रवाना होंगे। टी20 श्रृंखला 29 अक्तूबर से शुरू होगी। वनडे श्रृंखला में सभी की निगाह रोहित और कोहली के प्रदर्शन पर टिकी रहेगी। इन दोनों के भविष्य को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही हैं। यह दोनों खिलाड़ी पहले ही टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले चुके हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में 2-0 की जीत के बाद गंभीर ने कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि दोनों आगामी श्रृंखला में अच्छा प्रदर्शन करेंगे, हालांकि उन्होंने 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप में इन दोनों के खेलने की संभावनाओं के बारे में कुछ नहीं कहा। गंभीर ने श्रृंखला के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था, वनडे विश्व कप अभी ढाई साल दूर है। वर्तमान में रहना बहुत जरूरी है। जाहिर है वे बेहतरीन खिलाड़ी हैं। वे वापसी कर रहे हैं। उनका अनुभव ऑस्ट्रेलिया में काफी उपयोगी साबित होगा।

गुवाहाटी की परिस्थितियां भारत के लिए विदेश जैसी हो सकती हैंः अश्विन

चेन्नई। रविचंद्रन अश्विन ने देश में अच्छी पिचों वाले स्थायी टेस्ट केंद्र बनाने के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच गुवाहाटी में होने वाला टेस्ट मैच परिस्थितियों से अनभिज्ञ होने के कारण दोनों टीमों के लिए विदेश में होने वाला मैच जैसा हो सकता है। गुवाहाटी का बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम भारत का सबसे नया टेस्ट स्थल बन जाएगा, जब यह 22 से 26 नवंबर तक विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप की गत विजेता दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे और अंतिम मैच की मेजबानी करेगा। अश्विन ने कहा कि वह इस मैदान पर खेलने के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन उन्होंने स्थायी टेस्ट केंद्र बनाने के विचार का समर्थन किया। उन्होंने यह भी कहा कि मौजूदा भारतीय खिलाड़ियों में से किसी ने भी इस मैदान पर लाल गेंद का मैच नहीं खेला होगा। अश्विन ने अपने हिंदी यूट्यूब चैनल पर कहा, दक्षिण अफ्रीका चैंपियन के रूप में भारत आ रहा है लेकिन मुझे नहीं लगता कि उसका स्पिन विभाग बहुत मजबूत है और उसके पास ऐसे बल्लेबाज भी नहीं है जो स्पिनर को अच्छी तरह से खेल सकें। लेकिन हमें टेस्ट केंद्रों के बारे में बात करनी होगी। हम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ईडन गार्डन्स और गुवाहाटी में खेल रहे हैं।

विश्व कप क्वालिफायर में सर्वाधिक गोल करने वाले फुटबॉलर बने क्रिस्टियानो रोनाल्डो

एजेंसी (हि.स.)
लिस्बन (पुर्तगाल)

फोटोः हि.स.

पुर्तगाल के स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने एक और बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। बुधवार को हंगरी के खिलाफ विश्व कप क्वालिफायर मुकाबले में रोनाल्डो ने दो गोल दागकर इतिहास रच दिया।

40 वर्षीय रोनाल्डो अब विश्व कप क्वालिफायर में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने ग्वाटेमाला के पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी कार्लोस रुइज (39 गोल) को पीछे छोड़ते हुए अपना 40वां और 41वां गोल किया। पांच बार के बैलन डी'ऑर विजेता रोनाल्डो ने 22वें मिनट में नेल्सन सेमेडो के क्रॉस पर शानदार फिनिश के साथ पुर्तगाल को बराबरी दिलाई। इसके बाद हाफ टाइम से पहले नूनो मेंडेस के पास पर गोल करते हुए टीम को 2-1 की बढ़त दिला दी।

विश्व कप क्वालिफायर में सर्वाधिक गोल करने वाले शीर्ष तीन खिलाड़ी

1. क्रिस्टियानो रोनाल्डो (पुर्तगाल) - 41 गोल
2. कार्लोस रुइज (ग्वाटेमाला) -39 गोल
3. लियोनेल मेसी (अर्जेंटीना) -36 गोल

विश्व खाद्य दिवस आज

विश्व में आज भी करोड़ों लोग भुखमरी के शिकार हैं। बात चाहे विकासशील देशों की हो या विकसित देशों की, सब जगह हालात कमोबेश एक समान ही हैं। 'खाद्य सुरक्षा और पोषण के लिए सतत खाद्य प्रणाली' के उद्देश्य के साथ इस साल फिर से हम इस दिवस को मनाने जा रहे हैं लेकिन मंजिल अब भी दूर ही नजर आ रही है। खाद्यान्न की समस्या को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र ने 16 अक्तूबर 1945 को विश्व खाद्य दिवस मनाने की शुरूआत की थी जो अब भी जारी है। संयुक्त राष्ट्र ने 16 अक्तूबर, 1945 को रोम में 'खाद्य एवं कृषि संगठन' (एफएओ) की स्थापना की। कांफ्रेस ऑफ द फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गेनाइजेशन (एफएओ) ने वर्ष 1979 से विश्व खाद्य दिवस मनाने की घोषणा की थी। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य विश्व भर में फैली भुखमरी की समस्या के प्रति लोगों में जागरुकता बढ़ाना और भूख, कुपोषण और गरीबी के खिलाफ संघर्ष को मजबूती देना था। 1980 से 16 अक्तूबर को 'विश्व खाद्य दिवस' का आयोजन शुरू किया गया।

उद्देश्य

'विश्व खाद्य दिवस' का मुख्य उद्देश्य दुनिया से भुखमरी को खत्म करना है। आज भी विश्व में करोड़ों लोग भुखमरी के शिकार हैं। वर्तमान समय में यह बहुत आवश्यक हो गया है कि विश्व से भुखमरी मिटाने के लिए अत्याधुनिक तरीके से खेती की जाये। 'विश्व खाद्य दिवस' का उद्देश्य खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने के लिए विकासशील देशों के मध्य तकनीकी एवं वित्तीय सहयोग बढ़ाना और विकसित देशों से आधुनिक तकनीकी मदद उपलब्ध कराना है। संयुक्त राष्ट्र की तमाम संस्थाओं द्वारा विकासशील देशों में गरीबी एवं भूखमरी से निपटने के लिए तमाम प्रयास भी शुरू किए गए हैं। खासतौर पर अफ्रीका महाद्वीप के रवांडा, बुरुंडी, नाइजीरिया, सेनेगल, सोमालिया और इरीट्रिया आदि देशों में जहाँ यह समस्या काफी भयावह है।

तेजी से बढ़ती भुखमरी

दुनिया भर में भूखे पेट सोने वालों की संख्या तेजी से बढती जा रही है। 'संयुक्त राष्ट्र खाद्य और कृषि संगठन' के अनुसार 2002 की तुलना में खाद्यान्नों की कीमतों में 140 प्रतिशत की भारी-भरकम वृद्धि हुई है। इसकी वजह से दिसम्बर 2007 से 40 देशो को खाद्यान्न संकट का सामना करना पड़ रहा है। हैती और मैक्सिको में लाखों लोग इसके खिलाफ सड़कों पर उतर आए। वहीं कई देशों में दंगे और लूटपाट की घटनाएँ भी हुई। संयुक्त राष्ट्र संघ ने इन देशों में खाद्य संकट के कारण सामाजिक और राजनितिक उथल-पुथल यानी 'युद्ध जैसी स्थिति' पैदा होने की चेतावनी दी है। इंडोनेशिया, आइवरी कोस्ट, सेनेगल, फिलिपींस, मोरोक्को जैसे देशों में स्थिति खराब है। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में भी दाल, खाद्य तेल और चीनी की भारी कमी 2011 के बाद पैदा हो जायेगी। अर्जुन सेन गुप्ता कमिटी के अनुसार देश में 77 प्रतिशत फीसदी लोग 20 रुपये रोजाना से कम में अपना गुजारा करते हैं। सोचा जा सकता है की 15 रुपये किलो आटा और 18 रुपये किलो चावल भी इस तबके के लिए काफी महंगा है। जहाँ एक तरफ स्थिति इतनी भयंकर है, वहीँ कुछ तथ्य भुखमरी को मुँह चिड़ाते नजर आते हैं।

भारत में खाद्यान्न की समस्या

खाद्यान्न की कमी ने विश्व के सर्वोच्च संगठनों और सरकारों को भी सोचने पर विवश कर दिया है। भारत में हाल ही में ₹खाद्य सुरक्षा बिल₹ लाया गया है, लेकिन इस बिल का पास होना या ना होना इसकी सफलता नहीं है। सब जानते हैं कि भारत में खाद्यान्न की कमी कोई खास मुद्दा नहीं है, बल्कि सार्वजनिक आपूर्ति प्रणाली और खाद्यान्न भंडारण की समस्या असली समस्या है। भारत में लाखों टन अनाज खुले में सड़ रहा है। यह सब ऐसे समय हो रहा है, जब करोड़ों लोग भूखे पेट सो रहे हैं और छह साल से छोटे बच्चों में से 47 फीसदी कुपोषण के शिकार हैं। ऐसा नहीं है कि भारत में खाद्य भंडारण के लिए कोई कानून नहीं है। 1979 में 'खाद्यान्न बचाओ' कार्यक्रम शुरू किया गया था। इसके तहत किसानों में जागरूकता पैदा करने और उन्हें सस्ते दामों पर भंडारण के लिए टंकियाँ उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन इसके बावजूद आज भी लाखों टन अनाज बर्बाद होता है।

बढ़ती आबादी और भुखमरी

सवा अरब आबादी वाले भारत जैसे देश में, जहाँ सरकारी आकलनों के अनुसार 32 करोड़ लोग गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे हैं। एफएओ के अनुसार, भारत में 2009 में 23 करोड़ 10 लाख लोग चरम भूखमरी का सामना कर रहे थे। आज भी स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है। देश में खाद्यान्न का उत्पादन बड़े स्तर पर होने के बावजूद बहुत बड़ी आबादी भुखमरी का संकट झेल रही है। तेजीसे आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर भारत का विश्व भुखमरी सूचकांक में 88 देशों में 66वाँ स्थान है। भारत में राज्य स्तर पर तो और भी व्यापक असमानता देखने को मिलती है। झारखण्ड, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा और राजस्थान आदि में भूख एवं कुपोषण से पीड़ित लोगों की संख्या अन्य भागों से अधिक है। यूनीसेफ की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में प्रतिदिन 5000 बच्चे कुपोषण के शिकार होते जा रहे हैं।

खाद्यान्न की बबार्दी

हाल ही में हुए एक शोध से यह पता चला है कि भारत में विवाह आदि समारोहों में खाने की जबरदस्त बबार्दी होती है। शोध में पाया गया कि सिर्फ बंगलूर शहर में हुई शादियों में करीब 950 टन खाद्य पदार्थ बर्बाद हुआ। समस्या सिर्फ खाना फेंकने की ही नहीं है, शादियों के भोजन में कैलौरी भी जरूरत से ज्यादा होती है। भारत में जहाँ कुपोषण की बड़ी समस्या है तो फिर जरूरत से ज्यादा कैलौरी वाला खाना खिलाना भी एक तरह की बबार्दी है। विश्व खाद्य उत्पादन पर एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार भारत में मजबूत आर्थिक प्रगति के बावजूद भुखमरी की समस्या से निपटने की रफ्तार बहुत धीमी है। संयुक्त राष्ट्र खाद्य और कृषि संगठन की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया में खाद्यान्न का इतना भंडार है, जो प्रत्येक स्त्री, पुरुष और बच्चे का पेट भरने के लिए पर्याप्त है, लेकिन इसके बावजूद करोड़ों लोग ऐसे हैं, जो दीर्घ कालिक भुखमरी और कुपोषण या अल्प पोषण की समस्या से जूझ रहे हैं। क्या सिर्फ कृषि उत्पाद बढ़ा कर और खाद्यान्न को बढ़ा कर हम भूख से अपनी लड़ाई को सही दिशा दे सकते हैं। चाहे विश्व के किसी कोने में इस सवाल का जवाब हाँ हो, लेकिन भारत में इस सवाल का जवाब ना है और इस ना की वजह है, खाद्यान्नों को रखने के लिए जगह की कमी। यूँ तो भारत विश्व में खाद्यान्न उत्पादन में चीन के बाद दूसरे स्थान पर पिछले दशकों से बना हुआ है, लेकिन यह भी सच है कि यहाँ प्रतिवर्ष करोड़ों टन अनाज बर्बाद होता है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार लगभग 58,000 करोड़ रुपये का खाद्यान्न भंडारण आदि तकनीकी के अभाव में नष्ट हो जाता है।

हल

भूख की वैश्विक समस्या को तभी हल किया जा सकता है, जब उत्पादन बढ़ाया जाए। साथ ही उससे जुड़े अन्य पहलुओं पर भी समान रूप से नजर रखी जाए। खाद्यान्न सुरक्षा तभी संभव है, जब सभी लोगों को हर समय, पर्याप्त, सुरक्षित और पोषक तत्वों से युक्त खाद्यान्न मिले, जो उनकी आहार संबंधी आवश्यकताओं को पूरा कर सके। साथ ही कुपोषण का रिश्ता गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी, आदि से भी है। इसलिए कई मोर्चों पर एक साथ मजबूत इच्छाशक्ति का प्रदर्शन करना होगा।

आज है विश्व एनेस्थीसिया दिवस

हर साल, विश्व एनेस्थीसिया दिवस मनाकर हम उन डॉक्टरों को धन्यवाद देते हैं जो ऑपरेशन के दौरान मरीजों को दर्द नहीं होने देते। ये डॉक्टर एनेस्थीसिया देते हैं, जिससे मरीजों को सर्जरी के दौरान कोई तकलीफ नहीं होती। यह दिन हमें याद दिलाता है कि एनेस्थीसिया कितना जरूरी है और इन डॉक्टरों ने स्वास्थ्य सेवा में कितना बड़ा योगदान दिया है। 16 अक्तूबर को मनाया जाने वाला विश्व एनेस्थीसिया दिवस, एनेस्थीसिया के महत्व को उजागर करता है और लोगों को इसके फायदों के बारे में जागरूक करता है।

महत्व

एनेस्थीसिया की खोज ने सर्जरी को हमेशा के लिए बदल दिया। इसने डॉक्टरों को असहनीय दर्द के बिना जटिल प्रक्रियाएं करने की अनुमति दी। चिकित्सा पेशेवरों के लिए, यह एक नए युग की शुरूआत थी, जहाँ रोगी देखभाल, सुरक्षा और सर्जिकल सफलता कहीं अधिक बड़े पैमाने पर संभव हो गई। डॉक्टरों और मेडिकल छात्रों के लिए, यह दिन चिकित्सा के हर क्षेत्र में एनेस्थीसिया की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करता है। यह हमें याद दिलाता है कि प्रशिक्षित एनेस्थीसिया प्रदाताओं के बिना कोई भी बड़ी सर्जरी या गंभीर देखभाल संभव नहीं है। यह दिन एनेस्थेसियोलॉजिस्टों के प्रति सम्मान और सम्मान को प्रोत्साहित करता है, जो अक्सर अनदेखे होते हैं, लेकिन बेहद जरूरी होते हैं। यह युवा डॉक्टरों को इस क्षेत्र में खोजबीन करने, मरीजों की सुरक्षा के नियमों को समझने और दर्द प्रबंधन के पीछे के विज्ञान की सराहना करने के लिए प्रेरित करके चिकित्सा शिक्षा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। चिकित्सा संस्थान इस दिन का उपयोग एनेस्थीसिया देखभाल में सीखने, चिंतन और उन्नति को बढ़ावा देने के लिए करते हैं।

इतिहास

1846 में विश्व एनेस्थीसिया दिवस पर, अमेरिकी दंत चिकित्सक विलियम टीजी मॉर्टन ने मैसाचुसेट्स जनरल अस्पताल में एक मरीज को ईथर दिया। फिर सर्जन जॉन कॉलिन्स वॉरेन ने मरीज को बिना दर्द महसूस कराए जबड़े का ट्यूमर निकाला। यह चिकित्सा इतिहास में एक बड़ा मोड़ था। इसने दिखाया कि सर्जरी बिना किसी कष्ट के की जा सकती है, और इसने चिकित्सा जगत को हमेशा के लिए बदल दिया। इससे पहले, लोग दर्द को नियंत्रित करने के लिए जड़ी-बूटियों, शराब या अन्य तरीकों का इस्तेमाल करते थे, लेकिन उन्हें सीमित सफलता मिलती थी। मॉर्टन के प्रदर्शन ने साबित कर दिया कि एनेस्थीसिया सुरक्षित और विश्वसनीय तरीके से काम कर सकता है। इसके परिणामस्वरूप सर्जरी में एनेस्थीसिया का दुनिया भर में उपयोग तेजी से बढ़ने लगा। विश्व एनेस्थीसिया दिवस केवल अतीत को याद करने के बारे में ही नहीं है। यह डॉक्टरों, छात्रों और अस्पतालों को यह सोचने का भी मौका देता है कि एनेस्थीसिया का विकास कैसे हुआ है। साधारण गैसों से लेकर आधुनिक मशीनों और निगरानी तक, एनेस्थीसिया अब हर दिन जान बचा रहा है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि सर्जरी से लेकर आपातकालीन और गहन देखभाल तक, स्वास्थ्य सेवा के हर पहलू में एनेस्थिसियोलॉजी कितनी महत्वपूर्ण है।

2025 की थीम

इस वर्ष, विश्व एनेस्थीसिया दिवस एक महत्वपूर्ण विषय पर प्रकाश डाल रहा हैः ₹स्वास्थ्य आपात स्थितियों में एनेस्थिसियोलॉजी₹। प्राकृतिक आपदाओं, महामारियों, संघर्षों या आपात स्थितियों जैसे संकट के समय, एनेस्थीसिया टीमें अक्सर अग्रिम पंक्ति में होती हैं। वे आवश्यक देखभाल प्रदान करती हैं, दर्द का प्रबंधन करती हैं, जीवन रक्षक प्रक्रियाओं में सहायता करती हैं, और अत्यधिक दबाव में रोगियों को स्थिर करती हैं। वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ सोसाइटीज ऑफ एनेस्थेसियोलॉजिस्ट्स (WFSA) द्वारा निर्धारित 2025 का विषय, आपातकालीन प्रतिक्रिया में एनेस्थेसियोलॉजिस्ट्स की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालता है। यह आपात स्थितियों के दौरान एनेस्थीसिया देखभाल को सुरक्षित और प्रभावी बनाए रखने के लिए मजबूत प्रशिक्षण, बेहतर तैयारी और वैश्विक समर्थन का आह्वान करता है। विश्व एनेस्थीसिया दिवस, जो हर साल 16 अक्तूबर को मनाया जाता है, न केवल उस खोज का सम्मान करता है जिसने सर्जरी को हमेशा के लिए बदल दिया, बल्कि यह हमें इस पेशे की विकसित होती भूमिका की भी याद दिलाता है।

कैसे मनाया जाता है

विश्व एनेस्थीसिया दिवस 2025 के उपलक्ष्य में, डब्ल्यूएफएसए और वैश्विक एनेस्थीसिया समुदाय स्वास्थ्य आपात स्थितियों में एनेस्थिसियोलॉजी विषय को बढ़ावा देने के लिए कई कार्यक्रमों का आयोजन करेंगे, साथ ही स्वास्थ्य पेशेवरों के कल्याण का भी समर्थन करेंगे। मुख्य आकर्षणों में से एक कार्यबल की भलाई बढ़ाने पर केंद्रित एक वैश्विक वेबिनार था। एनेस्थिसियोलॉजी और मानसिक स्वास्थ्य के प्रमुख विशेषज्ञों ने बर्नआउट को रोकने, कार्य-जीवन संतुलन बनाए रखने और मानसिक लचीलेपन को बढ़ावा देने, खासकर आपात स्थितियों के दौरान, पर अपने विचार साझा किए। इस कार्यक्रम ने एनेस्थीसिया कार्यबल को मजबूत बनाने के लिए खुली चर्चा और व्यावहारिक रणनीतियों के लिए एक मूल्यवान मंच तैयार किया। स्वास्थ्य को और बढ़ावा देने के लिए, एक ऑनलाइन योग सत्र आयोजित किया गया, जिसमें दुनिया भर के स्वास्थ्यकर्मियों को भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया। इस सत्र में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए कोमल गतिविधियों और माइंडफुलनेस तकनीकों पर ध्यान केंद्रित किया गया, जो लगातार दूसरों की देखभाल करने वालों के लिए आत्म-देखभाल का एक महत्वपूर्ण अनुस्मारक है। सोशल मीडिया ने वैश्विक समुदाय को एकजुट करने में अहम भूमिका निभाई है। एनेस्थीसिया विशेषज्ञों ने #WorldAnesthesiaDay और #SafeAnaesthesia जैसे आधिकारिक हैशटैग का इस्तेमाल करके तस्वीरें, अनुभव और स्वास्थ्य संबंधी सुझाव साझा किए, जिससे साझा उद्देश्य और उत्सव की भावना पैदा हुई। इन पोस्ट्स ने टीमवर्क, नवाचार और वैश्विक एनेस्थीसिया नेटवर्क की ताकत को दर्शाया।

एनेस्थीसिया

आधुनिक शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं में एनेस्थीसिया एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है क्योंकि यह दर्द को कम करता है, जागरूकता को कम करता है और पूरे ऑपरेशन के दौरान मरीजों को आरामदायक और सुरक्षित रहने में मदद करता है। इस्तेमाल किए जाने वाले एनेस्थीसिया का प्रकार सर्जरी के प्रकार, मरीज की स्वास्थ्य स्थिति और प्रक्रिया की अपेक्षित अवधि पर निर्भर करता है। नीचे सर्जरी के दौरान आमतौर पर इस्तेमाल किए जाने वाले चार मुख्य प्रकार के एनेस्थीसिया दिए गए हैं, जिनमें से प्रत्येक के बारे में विस्तार से बताया गया हैः 1. **सामान्य संज्ञाहरणः** सामान्य एनेस्थीसिया से चेतना पूरी तरह से नष्ट हो जाती है। मरीज पूरी तरह से ₹सोया हुआ₹ होता है और उसे अपने आस-पास के वातावरण या सर्जरी की प्रक्रिया का कोई एहसास नहीं होता। यह पूरे शरीर और मस्तिष्क को प्रभावित करता है। एक एनेस्थेसियोलॉजिस्ट अंतःशिरा (IV) दवाओं और साँस द्वारा ली जाने वाली गैसों (जैसे सेवोफ्लुरेन या आइसोफ्लुरेन) का संयोजन देता है। ये एजेंट केंद्रीय तंत्रिका तंत्र को दबाते हैं, दर्द को रोकते हैं और रोगी को बेहोश कर देते हैं। **इसका उपयोग कब किया जाता हैः** प्रमुख सर्जरी (जैसे, ओपन-हार्ट सर्जरी, ब्रेन सर्जरी, अंग प्रत्यारोपण)। ऐसी प्रक्रियाएं जो लंबी, जटिल हों, या जिनमें बहुत अधिक दर्द हो। ऐसी स्थितियाँ जहाँ पूर्ण गतिहीनता की आवश्यकता होती है। **निगरानी और पुनर्प्राप्तिः** सर्जरी के दौरान मरीजों की महत्वपूर्ण संकेतों (हृदय गति, ऑक्सीजन का स्तर, रक्तचाप) पर कड़ी नजर रखी जाती है। प्रक्रिया के बाद, मरीजों को तब तक रिकवरी रूम में ले जाया जाता है जब तक कि वे होश में नहीं आ जाते और महत्वपूर्ण संकेत स्थिर नहीं हो जाते। 2. **क्षेत्रीय संज्ञाहरणः** क्षेत्रीय एनेस्थीसिया शरीर के बड़े हिस्से, जैसे कि हाथ, पैर या शरीर के निचले आधे हिस्से में संवेदना को अवरुद्ध कर देता है, जबकि रोगी जागृत रहता है या हल्का बेहोश रहता है। **क्षेत्रीय संज्ञाहरण के प्रकार : स्पाइनल एनेस्थीसिया-** स्थानीय संवेदनाहारी को सीधे पीठ के निचले हिस्से में रीढ़ की हड्डी के तरल पदार्थ (सेरेब्रोस्पाइनल द्रव) में इंजेक्ट किया जाता है। इससे कमर से नीचे का हिस्सा तेजी से सुन्न हो जाता है और लकवा मार जाता है। **इसका प्रयोग प्रायः** सिजेरियन सेक्शन, मूत्र संबंधी प्रक्रियाओं और पेट के निचले हिस्से की सर्जरी में किया जाता है। **एपिड्यूरल एनेस्थीसिया-** रीढ़ की हड्डी के आसपास के एपिड्यूरल स्थान में, आमतौर पर कैथेटर के माध्यम से प्रशासित किया जाता है। पूर्ण मोटर अवरोध के बिना निरंतर दर्द से राहत प्रदान करता है। आमतौर पर प्रसव के दौरान और निचले अंगों की आर्थोपेडिक सर्जरी में इसका उपयोग किया जाता है। **परिधीय तंत्रिका ब्लॉक-** किसी लक्षित क्षेत्र (जैसे, बांह, हाथ या पैर) में संवेदना को अवरुद्ध करने के लिए विशिष्ट तंत्रिकाओं के पास एक संवेदनाहारी इंजेक्शन लगाया जाता है। **इसका प्रयोग प्रायः** अंगों पर आर्थोपेडिक सर्जरी या छोटी बाह्य रोगी प्रक्रियाओं में किया जाता है। **क्षेत्रीय संज्ञाहरण के लाभ :** सामान्य संज्ञाहरण और इसके प्रणालीगत दुष्प्रभावों से बचाता है। सर्जरी के दौरान और बाद में प्रभावी दर्द नियंत्रण प्रदान करता है। रक्त के थक्के बनने के जोखिम को कम करता है और कुछ रोगियों में तेजी से स्वास्थ्य लाभ को बढ़ावा देता है।

मिठाई और खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता से समझौता किसी भी हाल में नहीं की जाएगा बर्दाशत: सतपाल शर्मा

उपायुक्त ने दीपावली पर्व के मद्देनजर प्रमुख मिठाई विक्रेताओं की ली बैठक, बोले - नागरिकों की सेहत से खिलवाड़ करने पर होगी सख्त कार्यवाही

संवाददाता
पंचकूला

अधिकारियों की टीमें करेंगी स्वीट्स शॉप्स और खाद्य प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण: उपायुक्त

उपायुक्त श्री सतपात शर्मा ने दीपावली पर्व के मद्देनजर मिठाई विक्रेताओं और खाद्य प्रतिष्ठानों को निर्देश दिए हैं कि वे मिठाई और अन्य खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता हर हाल में सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि खाद्य सामग्री की गुणवत्ता में कमी या मिलावट किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि कोई भी विक्रेता नागरिकों की सेहत से खिलवाड़ करता पाया गया तो उसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

उपायुक्त ने आज लघु सचिवालय के सभागार में पंचकूला के प्रमुख मिठाई विक्रेताओं - गोपाल स्वीटस, अनुमपम स्वीट्स, सिंधी स्वीट्स, रौनक स्वीट्स - के प्रतिनिधियों की बैठक लेकर उन्हें आवश्यक दिशानिर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता बनाए रखने के साथ-साथ दुकानों में स्वच्छता व्यवस्था का भी विशेष ध्यान रखा जाए।

उपायुक्त ने कहा कि त्योहारी सीजन में बड़ी संख्या में लोग मिठाइयां और अन्य खाद्य सामग्री खरीदते हैं। जिला प्रशासन नागरिकों को स्वच्छ और सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा अधिकारियों की टीमों का गठन किया गया है, जो ब्रांडेड स्वीट्स शॉप्स और रेस्टोरेंट्स के साथ-साथ अन्य मिठाई दुकानों और खाद्य प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण करेंगी। इन निरीक्षणों के दौरान मिठाइयों, दूध से बने उत्पादों और अन्य खाद्य सामग्री की गुणवत्ता की जांच की जाएगी।

उन्होंने कहा कि खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा भी विभिन्न दुकानों से मिठाइयों और खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशालाओं में भेजे जा रहे हैं। साथ ही, खाद्य प्रतिष्ठान और मिठाई दुकान संचालकों को जागरूक करते हुए आवश्यक सुधार करने के निर्देश भी दिए जा रहे हैं। उन्होंने मिठाई विक्रेताओं को निर्देश दिए कि वे मांग के अनुसार ही मिठाई और अन्य खाद्य पदार्थ तैयार करें तथा इन्हें लंबे समय तक स्टोर न करें। उन्होंने कहा कि मिठाइयों के निर्माण के दौरान स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाए और स्टाफ द्वारा दस्ताने, कैप आदि का अनिवार्य रूप से उपयोग किया जाए।

उपायुक्त ने निर्देश दिए कि अधिक उपयोग में आने वाले खाद्य पदार्थों जैसे दूध, मावा, मिठाई, ड्राई फ्रूट, चॉकलेट और ब्रांडेड स्वीट्स की गुणवत्ता पर विशेष निगरानी रखी जाए। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि सभी मिठाइयों और खाद्य सामग्रियों पर निर्माण तिथि एवं उपयोग की अंतिम तिथि स्पष्ट रूप से प्रदर्शित हो। उपायुक्त ने कहा कि नागरिक भी त्योहारों के अवसर पर मिठाइयां और खाद्य सामग्री खरीदते समय उनके निर्माण एवं समाप्ति तिथि, गुणवत्ता तथा स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें, ताकि किसी भी प्रकार की मिलावट या खराब सामग्री से बचा जा सके।

बैठक में स्वीट्स शॉप्स और खाद्य प्रतिष्ठानों से आए प्रतिनिधियों ने उपायुक्त को आश्वासन दिया कि त्योहारों के मद्देनजर मिठाइयों और अन्य खाद्य सामग्री की गुणवत्ता के साथ-साथ स्वच्छता व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त श्रीमती निशा यादव, एसडीएम पंचकूला श्री चन्द्रकांत कटारिया, एसडीएम कालका श्री संयम गर्ग, नगराधीश सुश्री जागृति, खाद्य सुरक्षा अधिकारी डा0 आजाद के अलावा गोपाल स्वीटस से श्री मनप्रीत सिंह, सिंधि स्वीटस से श्री अभिषेक बजाज, अनुपम स्वीटस से श्री रवि, रौनक स्वीटस से श्री चन्द्र और अन्य स्वीटस शॉपस और खाद्य प्रतिस्ठानों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

आपका पैसा, आपका अधिकार अभियान का सोनीपत में आयोजन

संवाददाता
चंडीगढ़/सोनीपत

वित्तीय क्षेत्र में अघोषित संपत्तियों के कुशल और त्वरित निपटान को प्रोत्साहित करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा चलाए जा रहे ह्लआपका पैसा, आपका अधिकारह्व अभियान के अंतर्गत आज अग्रणी जिला कार्यालय द्वारा सामुदायिक केंद्र, सेक्टर-15, सोनीपत में जिला स्तरीय वित्तीय साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन मुख्यातिथि सोनीपत के उपायुक्त सुशील सारवान ने किया। उन्होंने बताया कि देश में लगभग 1 लाख 82 हजार करोड़ रुपये विभिन्न बैंकों, बीमा कंपनियों, म्यूचुअल फंड्स, भविष्य निधि संगठनों और अन्य वित्तीय संस्थानों में अनक्लेम्ड एसेट्स के रूप में जमा हैं। सोनीपत जिले में लगभग 1 लाख 63 हजार खाते हैं, जिनमें करीब 68 करोड़ रुपये अनक्लेम्ड एसेट्स के रूप में हैं। उपायुक्त ने सभी बैंकों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि लोगों को जागरूक करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जाएं ताकि खाताधारक या उनके उत्तराधिकारी अपनी राशि का दावा कर सकें। उपायुक्त ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी दिशा में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, स्टार्टअप इंडिया, स्टैंडअप इंडिया, प्रधानमंत्री स्वरोजगार योजना और प्रधानमंत्री ग्रामीण आजीविका मिशन जैसी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इनका उद्देश्य युवाओं को नौकरी चाहने वाला न बनाकर, नौकरी देने वाला बनाना है। इस मौके पर एसएलबीसी चंडीगढ़ प्रमुख जोगिंद्र सिंह, पीएनबी पानीपत उपमंडल अध्यक्ष नवनीत बंसल, एलडीएम हरीश कुमार वर्मा, डीडीएम नाबार्ड अजीत सहित अनेक बैंक अधिकारी और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। दूसरा शिविर 16 अक्टूबर 2025 को रोहतक में आयोजित किया जाएगा। इस अभियान का औपचारिक शुभारंभ केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने 4 अक्टूबर 2025 को गांधीनगर (गुजरात) में किया था। यह शिविर तीन माह तक चलने वाले राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियान का हिस्सा है, जो अक्टूबर से दिसंबर 2025 तक आयोजित किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य वित्तीय जागरूकता फैलाना, हर घर तक वित्तीय समावेशन पहुंचाना और नागरिकों को वैध संपत्तियों का पता लगाने तथा उनका दावा करने की प्रक्रिया के प्रति सशक्त बनाना है।

संगीत, नृत्य और उमंग से गूंजा डॉल्फिन पीजी कॉलेज का शांग्रीला 2025 फ्रेशर्स ईव

संवाददाता
मोहाली

डॉल्फिन पीजी कॉलेज में रंग-बिरंगी रोशनी, संगीत और युवाओं के उत्साह से भरा माहौल उस समय देखने को मिला, जब विद्यार्थियों ने अपने वार्षिक फ्रेशर्स ईव ह्यशांग्रीला 2025ह्व का आयोजन किया। यह आयोजन सांस्कृतिक विविधता, उत्साह और एकजुटता की एक शाम थी।

इस समारोह में डॉल्फिन पीजी कॉलेज के चेयरमैन डॉ. विनोद मित्तल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उनके साथ डॉ. (श्रीमती) वीना मित्तल (मैनेजिंग डायरेक्टर), इंजी. विभव मित्तल (वाइस चेयरमैन), श्रीमती चेतना मित्तल (प्रो-वाइस चेयरपर्सन) और सुश्री प्रदन्या मित्तल भी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

गणमान्य अतिथियों का स्वागत करते हुए, प्राचार्य डॉ. मनु ने शैक्षणिक उत्कृष्टता और समग्र विकास पर कॉलेज के फोकस पर प्रकाश डाला। अपने संबोधन में, डॉ. विनोद मित्तल ने छात्रों से अनुशासन, नवाचार और टीम वर्क को सफलता की कुंजी मानने का आग्रह किया। डीन अकादमिक डॉ. मलकीत सिंह ने संस्थान के निरंतर विकास पर विचार किया और प्रबंधन को उनके निरंतर मार्गदर्शन और समर्थन के लिए धन्यवाद दिया।

शाम की शुरूआत भारत की क्षेत्रीय विविधता को प्रदर्शित करने वाले ऊर्जावान समूह नृत्यों से लेकर डीजे टाइटेनियम के थिरकाने वाले संगीत तक, जीवंत सांस्कृतिक प्रदर्शनों की एक श्रृंखला के साथ हुई। इन प्रदर्शनों ने दर्शकों की जोरदार तालियाँ बटोरीं, जिसमें डॉल्फिन परिसर की जीवंतता और एकता झलक रही थी।

कार्यक्रम के समापन पर, छात्रों और शिक्षकों ने समान रूप से 'शांगरीला 2025' की भावना का जश्न मनाया, जो याद दिलाता है कि डॉल्फिन पीजी कॉलेज में शिक्षा कक्षाओं से आगे बढ़कर आनंद, रचनात्मकता और एकजुटता को अपनाती है।

उत्तम प्रयोगशाला पद्धतियों (जीएलपी) पर 14वीं कार्यशाला

संवाददाता
चंडीगढ़

प्रायोगिक औषध विज्ञान प्रयोगशाला, फामाकोलॉजी विभाग, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ ने प्रो. विकास मेधी के मार्गदर्शन में 13 अक्टूबर, 2025 को ₹उत्कृष्ट प्रयोगशाला पद्धतियों (जीएलपी) पर 14वीं कार्यशालार का सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह कार्यशाला स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा समर्थित थी और इसका उद्देश्य पूरे भारत में जैव चिकित्सा और पूर्व-नैदानिक अनुसंधान में जीएलपी सिद्धांतों के बारे में जागरूकता, समझ और कार्यान्वयन को बढ़ावा देना था। इस एक दिवसीय कार्यशाला में विभिन्न शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों के वैज्ञानिक, शोधकर्ता और स्नातकोत्तर छात्र एक साथ आए। उद्घाटन सत्र में दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के बाद आयोजन अध्यक्ष प्रो. विकास मेधी ने स्वागत भाषण दिया। इस सत्र में अंतर्राष्ट्रीय अनुपालन मानदंडों को पूरा करने के लिए अनुसंधान प्रयोगशालाओं में गुणवत्ता आश्वासन, डेटा अखंडता और पुनरुत्पादन क्षमता के उच्च मानकों को बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया गया। वैज्ञानिक सत्रों में शिक्षा जगत, अनुसंधान संगठनों और दवा उद्योग। डॉ. एकता कपूर (एनजीसीएमए, नई दिल्ली) ने जीएलपी के इतिहास और विकास पर एक विस्तृत व्याख्यान दिया, जिसमें आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी), डेटा की पारस्परिक स्वीकृति (एमएडी), और राष्ट्रीय जीएलपी अनुपालन निगरानी प्राधिकरण (एनजीसीएमए) की भूमिका पर प्रकाश डाला गया। प्रो. बिकाश मेधी (पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़) ने जीएलपी का परिचय, ओईसीडी सिद्धांत और विकासशील देशों में उनके निहितार्थ पर चर्चा की। डॉ. सौरव बनर्जी (ल्यूपिन प्रयोगशाला) ने जीएलपी अध्ययनों के लिए परीक्षण वस्तु लक्षण वर्णन पर बात की, जिसमें परीक्षण सामग्री की गुणवत्ता और पता लगाने की क्षमता के महत्वपूर्ण पहलुओं पर जोर दिया गया। डॉ. प्रभु (पांडिचेरी) ने ओईसीडी जीएलपी मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं में गुणवत्ता आश्वासन इकाई (क्यूएयू) की भूमिका के बारे में बताया। डॉ. धीरेंद्र सिंह (आईआईटीआर, लखनऊ) ने इनविवो प्रीक्लिनिकल विषाक्तता अध्ययनों के लिए जीएलपी आवश्यकताओं पर अंतर्दृष्टि साझा की। डॉ. शेखर धवन (जाइडस, अहमदाबाद) ने जीएलपी कार्यान्वयन में परीक्षण सुविधा प्रबंधन (टीएफएम)। डॉ. ए. बी. पंत ने वैज्ञानिक सत्र का समापन 'जीएलपी वातावरण में इन-विट्रो विषाक्तता अध्ययन कैसे करें' विषय पर व्याख्यान के साथ किया। सत्रों के बाद प्रतिभागियों की जीएलपी सिद्धांतों की समझ का आकलन करने के लिए एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यशाला का समापन शाम 5:00 बजे एक समापन समारोह के साथ हुआ, जहाँ सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। प्रो. विकास मेधी ने सभी वक्ताओं, प्रतिनिधियों और आयोजन समिति के सदस्यों को उनकी सक्रिय भागीदारी और बहुमूल्य योगदान के लिए आभार व्यक्त किया।

जिला नगर योजनाकार की टीम द्वारा अवैध निर्माण के विरुद्ध बड़ी कार्यवाही

संवाददाता
पंचकूला

उपायुक्त पंचकूला श्री सतपाल शर्मा के मार्गदर्शन एवं डी0टी0पी0 श्री संजय नारंग के नेतृत्व में जिला नगर योजनाकार की टीम द्वारा अर्बन एरिया पंचकूला में बड़ी कार्यवाही की गई।

इस कार्यवाही में गांव खोखरा में एक अवैध कॉलोनी में 6 डी0पी0सी0 व गांव शाहपुर में 2 अवैध कॉलोनियों में 4 डी0पी0सी0 व रोड नटवर्क को जे0सी0बी0 द्वारा धवस्त किया गया। उक्त कार्यवाही में ड्यूटी मैजिस्ट्रेट, श्री अजय गौतम, सहायक अभियंता, नगर निगम, पंचकूला, श्री अशोक कुमार, सहायक नगर योजनाकार, पंचकूला एवं भारी पुलिस बल की उपस्थिति में संपन्न हुई।

जानकारी देते हुए डी0टी0पी0 श्री संजय नारंग ने बताया कि कोई भी निर्माण या कॉलोनी विकसित करने से पहले निदेशक, नगर तथा ग्राम आयोजना विभाग हरियाणा से अनुमति प्राप्त किया जाना अनिवार्य है। यदि कोई व्यक्ति बिना अनुमति से किसी प्रकार का अवैध निर्माण या कॉलोनी विकसित करता पाया गया तो उसके विरूद्ध सख्त कानूनी कार्यवाही जारी रखी जाऐगी। उन्होंने कहा की आम जनता से अनुरोध किया गया है कि विभाग से सी.एल.यु/लाईसेंस की अनुमति लिए बिना कोई भी निर्माण न करें।

संक्षिप्त-समाचार

जिला बाल कल्याण परिषद द्वारा एकल नृत्य, ग्रुप नृत्य, क्लासिकल नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन

पंचकूला। उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा के मार्गदर्शन में जिला बाल कल्याण परिषद, पंचकूला की ओर से बाल दिवस के उपलक्ष्य में आज प्राचीन शिव मंदिर, सेक्टर 9, में जिला स्तर पर एकल नृत्य, ग्रुप नृत्य, क्लासिकल नृत्य अलग अलग ग्रुपों में करवाई गई। श्रीमती शिवानी सूद, जिला बाल कल्याण अधिकारी पंचकूला ने बताया कि आज पंचकूला के सरकारी व गैर सरकारी स्कूलों के बच्चों ने नृत्य के माध्यम देश के प्रति सम्मान और दायित्व को समझना, मां दुर्गा के सभी स्वरूपों का व्याख्यान, ऑपरेशन सिंदूर सर्जिकल स्ट्राइक, झूमर जैसे विषयों पर अपने-अपने ग्रुप में बहुत सुंदर तरीके से प्रदर्शित किया। उन्होंने बताया कि परिषद द्वारा बच्चों को अलग-अलग मंच उपलब्ध करवाया जा रहा है जिससे बच्चों को शिक्षा के साथ साथ अपनी प्रतिभाओं को निखारने का मौका मिलता हैं। इस मौके पर श्रीमती अनीता अरोड़ा, श्रीमती सरोज शर्मा, श्रीमती अनीता दलाल व बाल भवन का स्टॉफ मौजूद था।

पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में 41वीं वार्षिक राष्ट्रीय क्लिनिकल फामाकोलॉजी कार्यशाला का शुभारंभ

चंडीगढ़। पीजीआईएमईआर में एनडब्ल्यूसीपी 2025 के तीसरे दिन प्रतिभागियों को क्लिनिकल फामाकोलॉजी के मूल में ले जाया गया - यह समझना कि दवाएँ मानव शरीर के अंदर कैसे कार्य करती हैं ताकि प्रत्येक रोगी के लिए सही और सुरक्षित खुराक सुनिश्चित हो सके। एक आकर्षक सत्र में, प्रो. संदीप कौशल ने, डॉ. रचना के सहयोग से, बुनियादी और क्लिनिकल फामाकोकाइनेटिक्स की व्याख्या की, और प्रासंगिक उदाहरणों का उपयोग करके दिखाया कि कैसे उम्र, अंगों का कार्य और रोग जैसे कारक दवा की प्रतिक्रिया को प्रभावित करते हैं। उन्होंने कहा कि यह ज्ञान चिकित्सकों को कम खुराक और प्रतिकूल प्रभावों, दोनों से बचने में मदद करता है। बाद में, प्रतिनिधियों ने अपने तैयार किए गए प्रोटोकॉल प्रस्तुत किए, जिसके बाद एक आकर्षक चर्चा हुई। डॉ. आशीष कक्कड़ ने अभिनव परीक्षण डिजाइनों के बारे में बात की जो सुरक्षा से समझौता किए बिना जीवन रक्षक दवाओं को रोगियों तक तेजी से पहुँचाने में मदद करते हैं। प्रो. समीर मल्होत्रा ने बताया कि वैज्ञानिक अखंडता बनाए रखने के लिए अध्ययनों में गुम हुए डेटा का पारदर्शी तरीके से प्रबंधन कैसे किया जाता है।

समाजसेवी नरेश गर्ग ने वर्षगांठ पर लंगर लगाया और माता की चौकी करवाई

चंडीगढ़। ओम महादेव कांवड़ सेवा दल, चण्डीगढ़ के अध्यक्ष एवं समाजसेवी नरेश गर्ग ने अपनी वर्षगाँठ लंगर लगा कर एवं माता की चौकी करवा कर मनाई। माता की चौकी में भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य एवं यूटीसीए के अध्यक्ष संजय टंडन, स्थानीय भाजपा अध्यक्ष जितेंद्र मल्होत्रा एवं पूर्व महापौर अरुण सूद आदि के साथ साथ शहर के अनेक गणमान्य माथा टेकने व नरेश गर्ग को जन्मदिन की शुभ कामनाएं देने उपस्थित हुए। इस अवसर पर संजय टंडन ने कहा कि नरेश गर्ग ने अपने जीवन का हर एक पल दूसरों की भलाई के लिए समर्पित किया है। अरुण सूद ने कहा कि नरेश गर्ग के लिए सच्ची पूजा वही है जिसमें दूसरों के जीवन में खुशी लाई जा सके। जितेंदर मल्होत्रा ने कहा कि नरेश गर्ग का जीवन सादगी, समर्पण और सेवा का प्रतीक है। नरेश गर्ग ने कहा कि उनके लिए समाजसेवा एक भावना नहीं, बल्कि जीवन का उद्देश्य है और इस उद्देश्य को साकार करने के लिए वे पिछले 15 वर्षों से निरंतर मानवता, गौ सेवा और समाज कल्याण के क्षेत्र में योगदान देते आ रहे हैं। नरेश गर्ग के साथी एवं संस्था के महासचिव गौरव श्रीवास्तव ने बताया कि आज अपने जन्मदिन पर उन्होंने शहर की विभिन्न गौशालाओं में गौ माता के लिए दवाइयों और चारा-चौकर का दान कर, गौ सेवा का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया।

साईं मंदिर में बाबा के महासमाधि दिवस पर भक्तजनों ने स्वयं कराया बाबा को मंगल स्नान

चंडीगढ़। शिरडी के साईं बाबा का 107वां महासमाधि दिवस था। बाबा ने 15 अक्तूबर, 1918 को विजयदशमी के दिन शिरडी में समाधि ली थी। इस अवसर पर यहाँ से. 29 स्थित श्री साईं धाम में बाबा का महासमाधि दिवस मनाया गया। मंदिर कमेटी के सचिव मनीष गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रसिद्ध गायक परवीन मुद्गल ने इस अवसर पर साईं संध्या के तहत साईं बाबा के भजनों का गुणगान किया, जिसमें उन्होंने आ रहे हैं वो मेरे साईं, मुझे तुमने बाबा बहुत कुछ दिया है, हमसे रूठो ना बाबा, बड़ी दूर से हैं आये कुछ गम तुझे सुनाने, साईं तेरे यहां कमी नहीं, इस दिल का हाल बाबा तू जाने आदि दिल को छू लेने वाले भजन गाकर भक्तों को निहाल कर दिया। इससे पहले रोजाना की भांति सुबह कांकड़ आरती हुई व तत्पश्चात साईं जी का मंगल स्नान हुआ जिसमें पुरुष भक्तजनों ने अपने हाथों से बाबा को स्नान करवाया। उसके बाद बाबा का श्रृंगार हुआ व बाबा को नाश्ता भोग अर्पण के बाद महिला भक्तों द्वारा बाबा को पुष्पांजलि अर्पित की गई। तत्पश्चात 8 घंटे का लगातार साईं सच्चरित्र का पाठ हुआ। मंदिर में सुबह से भक्तजन लाइनों में लग गए थे व सारा दिन बाबा के दर्शनों के लिए भक्तों का ताँता लगा रहा। मंदिर को आकर्षक लाइटों एवं फूलों से सजाया गया था। देर शाम को बाबा को भोग के बाद भक्तों के लिए अटूट भंडारे का आयोजन भी किया गया था।

रोटरैक्ट क्लब, चंडीगढ़ हिमालयन का वार्षिक दिवाली उत्सव रोशनी का आयोजन आज

चंडीगढ़। युवा-नेतृत्व वाले गैर-लाभकारी संगठन रोटरैक्ट क्लब, चण्डीगढ़ हिमालयन द्वारा वार्षिक दीपावली उत्सव रोशनी-12.0 का आयोजन 16 अक्तूबर को किया जा रहा है, जिसका सबसे बड़ा आकर्षण सेक्टर 17 प्लाजा में बनाई जाने वाली ट्राइसिटी की सबसे बड़ी रंगोली का रहेगा जो एकता, सृजनात्मकता और युवाओं के सामूहिक प्रयासों का प्रतीक है। इस वर्ष रौशनी का आयोजन क्लब की अध्यक्ष रोटरैक्टर तनिश्का सिंह, महासचिव रोटरैक्टर आर्यन चौहान और उपाध्यक्ष रोटरैक्टर उर्वी पाहवा के मार्गदर्शन में किया जा रहा है, जबकि कार्यक्रम संयोजक रोटरैक्टर दृष्टि गर्ग, रोटरैक्टर मोक्ष गर्ग और रोटरैक्टर संचित भट्ट ने इस आयोजन को विशेष बनाने के लिए जुटे हुए हैं।

मेरा पानी मेरी विरासत योजना के तहत वैकल्पिक फसलों की बुआई करने पर दिया बल

संवाददाता
पंचकूला

हरियाणा सरकार द्वारा मेरा पानी मेरी विरासत योजना के तहत धान की फसल को वैकल्पिक फसलों जैसे कपास, मक्का, अरहर, मुंग, मोठ, उड़द, सोयाबीन, ग्वार, तिल, अरण्डी, मुंगफली, फल व सब्जियां, खरीफ प्याज, खरीफ चारा व कृषि वानिकी (सफेदा व पोप्लर) द्वारा विविधिकरण करने के लिए जिला में 1500 एकड का लक्ष्य दिया गया है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उपनिदेशक श्री सुरेंद्र यादव ने बताया कि किसान अपने पिछले वर्ष बोये गए धान के क्षेत्र को उपरलिखित वैकल्पिक फसलों में बदल सकता है। वर्ष 2025 से पहले किसान द्वारा पंजीकरण करने के पश्चात मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर सत्यापन उपरांत किसान को 7000 रुपए प्रति एकड़ की दर से वित्तिय सहायता प्रदान की जाती थी जोकि इस वितीय वर्ष से 8000 रुपए प्रति एकड़ कर दी गई है और डी0बी0टी0 के तहत किसान के खाते में जमा कर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि स्कीम के तहत किसान द्वारा पिछले वर्ष बोई गई धान के खेत को खरीफ 2025 में खाली रखने पर भी वित्तिय सहायता प्रदान की जाएगी।

उक्त योजना का लाभ लेने के लिए किसान मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। इसके अतिरिक्त यदि उपरलिखित वैकल्पिक फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य भारत सरकार द्वारा निर्धारित किया जाता है तो उक्त फसलों की 100 प्रतिशत खरीद हरियाणा सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की जाएगी।

चंडीगढ़ व्यापार मंडल को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त हुई

सीबीएम के चेयरमैन चरणजीव सिंह केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा नेशनल ट्रेडर्स वेलफेयर बोर्ड का सदस्य नियुक्त

संवाददाता
चंडीगढ़

चंडीगढ़ व्यापार मंडल (सीबीएम) के चेयरमैन चरणजीव सिंह को भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग द्वारा नेशनल ट्रेडर्स वेलफेयर बोर्ड का सदस्य नामित किया गया गया है। बोर्ड के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील जे. सिंघी (कैबिनेट मंत्री स्तर) हैं शहर के व्यापारिक समुदाय ने इसे एक ऐतिहासिक उपलब्धि करार देते हुए कहा कि ये क्षेत्र के व्यापारियों के शीर्ष संगठन के लिए एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। यह प्रतिष्ठित नियुक्ति सीबीएम की व्यापार और वाणिज्य को बढ़ावा देने की निरंतर प्रतिबद्धता का प्रमाण है। बोर्ड में क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व के लिए सीबीएम द्वारा लंबे समय से मांग की जा रही थी। सीबीएम के अध्यक्ष संजीव चड्ढा, उपाध्यक्ष दिवाकर सहूंजा, मुख्य सलाहकार भूपिंदर, संरक्षक गुरशरण बत्रा (संस्थापक अध्यक्ष स्व. इंदरलाल बत्रा के पुत्र), संस्थापक सदस्य व संरक्षक पुरुषोत्तम महाजन, महासचिव बलविंदर सिंह, सलाहकार वरिंदर गुप्ता व मोहित सूद, वित्त सचिव राधे लाल बजाज, तथा सेक्टर 21 मार्केट से रतीश तलवार और विनोद जोशी ने आज चरणजीव सिंह को उनके कार्यालय में इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर बधाई व सम्मान प्रदान किया। पूर्व अध्यक्ष दिवाकर सहूंजा ने इस अवसर को ऐतिहासिक बताया और कहा कि यह सीबीएम के निरंतर प्रयासों और व्यापारी हितों के प्रति समर्पण का परिणाम है। सीबीएम के अध्यक्ष संजीव चड्ढा ने इस अवसर पर कहा कि यह नियुक्ति संस्था को राष्ट्रीय स्तर पर चंडीगढ़ और पंजाब के व्यापारियों एवं व्यवसायिक समुदाय के हितों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने का अवसर देगी।

उन्होंने कहा कि चरणजीव सिंह का अनुभव और नेतृत्व नीतिगत सुधारों तथा क्षेत्र के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। चरणजीव सिंह को इस सम्मान के लिए विभिन्न राजनीतिक दलों के वरिष्ठ नेताओं, उच्च प्रशासनिक अधिकारियों और क्षेत्र के प्रमुख व्यापारी संगठनों की ओर से शुभकामनाएं प्राप्त हो रही हैं।